3 | राजधानी
बच्चों की प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में हो

6 | अभिमत
महरौली का विवादास्पद पूजास्थल परिसर

10 | विदेश
यूक्रेन पहुंचीं एंजेलीना जोली ने बच्चों से की मुलाकात

11 | विविध
मानसिक बीमारी से जूझ रही आमिर की बेटी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 174
नई दिल्ली, सोमवार, 2 मई, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैं फाइनल में खेल सकती थी: सिंधू

स्पोर्ट्स-12

लू से मिलेगी राहत, दिल्ली समेत कई राज्यों में लुढ़केगा पारा

● आज बारिश और आंधी का अनुमान, पांच मई तक तापमान सामान्य रहने की उम्मीद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि सोमवार को दिल्ली और उससे सटे इलाकों और मध्य भारत को लू के थपेड़ों से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने सोमवार को दिल्ली, हिमाचाल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के कुछ दूर दराज के इलाकों में आसमान में बादल छाये रहने तथा बारिश और आंधी आने का अनुमान लगाया है।

आईएमडी के मुताबिक अब उत्तरी पश्चिमी इलाकों में गर्म हवा के कम होने के आसार नजर आ रहे हैं। जिसकी वजह से दिल्ली समेत कई राज्यों में अब तापमान 3 से चार डिग्री तक गिर सकता है जिससे लोगों को राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, दक्षिण यूपी, कच्छ और पूर्वी राजस्थान में लू का प्रकोप कम होगा और तापमान में गिरावट आएगी। यही नहीं इन राज्यों में 2 मई से लेकर 5 मई तक तापमान सामान्य रहेगा। वहीं 4 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके चलते अंडमान सागर के (शेष पेज 8)

नई दिल्ली में रविवार को भरी दोपहरी में पैदल जाती एक युवती

गर्मी के सितम से तप रही राष्ट्रीय राजधानी

नई दिल्ली। रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम में औसत से दो डिग्री ज्यादा था। राष्ट्रीय राजधानी में चिलचिलाती गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक यहां न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो औसत से एक डिग्री ज्यादा है। आर्द्रता 62 से 36 फीसदी मापी गई। आईएमडी के मुताबिक सोमवार को यहां आकाश में बादल छाए रहेंगे तथा गरज के साथ छींटें पड़ सकते हैं।

शहर	अधिकतम तापमान
बीकानेर	47.1
गंगानगर	46.9
बाड़मेर	48.8
फलोदी	46.6
जैसलमेर	46.7
चंदरपुर	46
चुरु	46

शांति एवं समृद्धि की भारत की चाह में यूरोपीय साझेदार प्रमुख साथी: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● प्रधानमंत्री तीन देशों की यात्रा पर आज होंगे रवाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार से तीन देशों जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की यूरोप यात्रा से पहले रविवार को कहा कि उनकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों और विकल्पों का सामना कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग की भावना को मजबूत करना चाहते हैं। यह यात्रा रूस-यूक्रेन संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रही है और यूरोप के कई देश अभी रूस के खिलाफ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बयान में कहा कि वह जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज के निमंत्रण पर दो मई को बर्लिन पहुंचेंगे।

इस साल प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली विदेश यात्रा है। मोदी ने एक बयान में कहा कि वह जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज के निमंत्रण पर दो मई को बर्लिन का दौरा करेंगे और इसके बाद वह 3.4 मई को डेनमार्क की अपनी समकक्ष मेटे फ्रेडरिक्सन के निमंत्रण पर द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होने के लिए कोपनहेगन की यात्रा करेंगे तथा द्वितीय भारत.नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वह कुछ समय के लिए फ्रांस में रुकेंगे, जहां मोदी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से मुलाकात करेंगे। यात्रा से पहले एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी यूरोप यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि इन मुलाकातों के माध्यम से मैं अपने यूरोपीय साझेदारों के साथ सहयोग की भावना को प्रगाढ़ करने की इच्छा रखता हूं। शांति और समृद्धि की भारत की चाह में ये देश महत्वपूर्ण साथी हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब यूक्रेन पर आक्रमण के चलते रूस के खिलाफ अधिकांश यूरोप एकजुट है। यात्रा के पहले चरण में मोदी बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज के साथ वार्ता करेंगे। दोनों नेता छठी भारत.जर्मनी अंतर सरकारी परामर्श बैठक की सह.अध्यक्षता भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहाए बर्लिन की मेरी यात्रा चांसलर शॉल्ज के साथ विस्तृत द्विपक्षीय चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी। शॉल्ज के साथ यह मोदी की पहली बैठक होगी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर शॉल्ज व्यापारिक सम्मेलन को भी संयुक्त रूप

से संबोधित करेंगे। मोदी जर्मनी में भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहाकि मैं इस आईजीसी की बैठक को जर्मनी में नई सरकार के गठन के छह महीने के भीतर एक शुरुआती संवाद के रूप में देखता हूंए जो हमारी मध्यम और दीर्घकालिक प्राथमिकताओं की पहचान करने में सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में भारत और जर्मनी ने अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया और वर्ष 2000 से दोनों देश सामरिक सहयोगी हैं।

अपनी इस यात्रा के दूसरे चरण में मोदी डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के निमंत्रण पर कोपनहेगन जाएंगे, जहां वे दूसरे भारत-नॉर्डिक सम्मेलन में भागीदारी करेंगे। डेनमार्क में प्रधानमंत्री मोदी अपनी समकक्ष मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ चर्चा करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के नेताओं को डेनमार्क के साथ भारत के हरित सामरिक गठजोड़ में हुई प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा दोनों नेता द्विपक्षीय संबंध एवं अन्य मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। अंतिम चरण में प्रधानमंत्री कुछ समय के लिए पेरिस में रुककर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहाकि अपनी वापसी यात्रा के दौरान मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिलने के लिए पेरिस में रुकूंगा।

भारत ने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा से पहले भारत ने रविवार को एक बार फिर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने और संघर्ष का समाधान बातचीत एवं कूटनीति के जरिए निकालने पर जोर दिया। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। क्वात्रा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है और अनेक मंचों पर इसे व्यक्त किया गया है कि युद्ध समाप्त होना चाहिए तथा इसका समाधान बातचीत एवं कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए।

जीएसटी राजस्व अप्रैल में 1.68 लाख करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर

भाषा। नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल, 2022 में 1.68 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि कर अनुपालन में सुधार से जीएसटी संग्रह का आंकड़ा बेहतर हुआ है। अप्रैल, 2022 में जीएसटीआर-3बी में कुल 1.06 करोड़ जीएसटी रिटर्न भरे गए। इनमें से 97 लाख रिटर्न मार्च, 2022 के हैं। अप्रैल, 2021 की तुलना में अप्रैल 2022 में जीएसटी संग्रह 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल 2021 में जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपए रहा था।

मंत्रालय ने कहा कि सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 1.68 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड पर पहुंच गया। यह पिछले उच्च स्तर मार्च, 2022 के 1.42 लाख करोड़ रुपए से करीब 25,000 करोड़ रुपए अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में सकल जीएसटी संग्रह।,67,540 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी

(सीजीएसटी) का हिस्सा 33,159 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का हिस्सा 41,793 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का हिस्सा 81,939 करोड़ रुपए रहा। आईजीएसटी में 36,705 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए।

वहीं इसमें उपकर का हिस्सा 10,649 करोड़ रुपए (857 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए) रहा। मंत्रालय के मुताबिक, इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि अनुपालन के स्तर में सुधार हुआ है। कर प्रशासन ने इस बारे में कई उपाय किए हैं जिनके सकारात्मक नतीजे मिल रहे हैं। विभाग ने करदाताओं को अपना रिटर्न समय पर भरने के लिए प्रेरित करने के साथ कर अनुपालन को भी सुगम किया है। मंत्रालय ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में वस्तुओं के आयात से राजस्व पिछले साल के समान महीने से 30 प्रतिशत ऊंचा रहा, जबकि घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात) से राजस्व 17 प्रतिशत अधिक रहा। मार्च, 2022 में कुल 7.7 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए।

यह फरवरी, 2022 के 6.8 करोड़ के आंकड़े से 13 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि इन आंकड़ों से कारोबारी गतिविधियों में सुधार का पता चलता है। अप्रैल, 2022 में कुल पंजीकृत कंपनियों या इकाइयों में से 84.7 प्रतिशत ने जीएसटीआर-3बी जमा किया। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 78.3 प्रतिशत था। इसक अलावा 83.11 प्रतिशत जीएसटी पंजीकृत इकाइयों ने आपूर्ति या बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-। दाखिल किया। एक साल पहले यह संख्या 73.9 प्रतिशत थी। किसी एक दिन में (शेष पेज 8)

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो बहनों समेत तीन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को तेज टक्कर मारी दी, जिसमें दो बहनों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़े गए, जबकि कार पांच से छह बार पलटी खाते हुए काफी दूर जाकर गिरी। इस सड़क हादसे में चार कार सवार और एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार में सवार एक ही परिवार के सभी सात सदस्यों को पुलिस ने बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान ज्योति (17) और उसकी बहन भारती (19) के रूप में की गई है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने इन्हें हेडगवार अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दोनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया वहीं मोटरसाइकिल सवार तीसरे युवक जोमाटो की शर्ट पहनी थी, उसे भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, अभी उसकी पहचान होना बाकी है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) प्रियंका कश्यप ने बताया, शनिवार की रात लगभग एक बजे शकूरपुर पुलिस थाने को सूचना मिली कि विकास मार्ग पर एक कार और एक बाइक में टक्कर हो गई है। पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने पाया कि एक मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त थी और एक कार पलटी हुई थी।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और मोटरसाइकिल सवार की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को जांच में पता चला है कि कार चालक कृष्णा ने हादसे के वक्त शराब पी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार घनश्याम अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के महाराजपुर में रहते हैं। वह पेशे से दिल्ली जल बोर्ड में बेलदार हैं। शनिवार को धनश्याम की भतीजी के यहां कार्यक्रम था। उनकी दोनों छोटी बेटियां भारती और ज्योति को कार्यक्रम में शामिल होना था। देर रात सात लोग पीरागढ़ी से वापस अपने घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि कार काफी (शेष पेज 8)

भारतीय शिक्षा क्षेत्र को साइबर खतरा बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

शैक्षणिक संस्थाओं और ऑनलाइन मंच (प्लेटफॉर्म) पर साइबर खतरे के लिहाज से भारत सबसे बड़ा लक्ष्य है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के बाद अमेरिका, ब्रिटेन, इंडोनेशिया और ब्राजील का स्थान है। इसके मुताबिक विश्व में पिछले साल के मुकाबले साइबर हमले बढ़े हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान दूरस्थ शिक्षा की स्वीकार्यता, शिक्षा के डिजिटलीकरण और ऑनलाइन शिक्षण मंच की पूर्व उपलब्धता साइबर हमले के दायरे को बढ़ा देती है। साइबर खतरे के निशाने पर वैश्विक शिक्षा क्षेत्र शीर्षक से जारी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वैश्विक शिक्षा क्षेत्र पर वर्ष 2022 की पहली तिमाही में वर्ष 2021 के मुकाबले साइबर खतरा 20 फीसदी बढ़ गया है। रिपोर्ट को सिंगापुर स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित डिजिटल जोखिम प्रबंधन उद्यम क्लाउडएसईके के खतरा शोध एवं सूचना विश्लेषण विभाग द्वारा संकलित किया गया है। पिछले साल एशिया और प्रशांत क्षेत्र में पाए गए खतरों में (शेष पेज 8)

वैध वीजा पर पाकिस्तान गए कश्मीरी युवक आतंकियों के साथ लौटे

● इनमें 17 आतंकवादरोधी अभियान में मारे गए

भाषा। श्रीनगर

वैध यात्रा दस्तावेजों पर पाकिस्तान गए 17 ऐसे कश्मीरी युवक जोकि चुपके से घाटी में वापस लौटे थे, वे आतंकवाद-रोधी अभियानों में मारे गए हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने चिंता जताई है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने यहां आतंकवाद को स्वदेशी आंदोलन के रूप में चित्रित करने के लिए नई रणनीति बनाई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 के बाद से बड़ी संख्या में युवाओं ने उच्च शिक्षा हासिल करने, रिश्तेदारों से मिलने या शादी के मकसद से पाकिस्तान जाने के लिए यात्रा दस्तावेज हासिल किए। हाल में देश के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा नियामकों - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद- ने एक बयान जारी कर छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने की सलाह दी थी। अधिकारियों ने कहा कि इसका कारण यह रहा (शेष पेज 8)

कुलगाम में दो हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले से सुरक्षाबलों ने रविवार को दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा का है। पुलिस ने यह जानकारी दी। कश्मीर जोन की पुलिस ने ट्वीट किया, कुलगाम पुलिस और सेना (34 राष्ट्रीय राइफल्स) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक हाइब्रिड आतंकवादी यामीन युसूफ भट को गिरफ्तार किया जो गाडीहामा कुलगाम का रहने वाला है। पुलिस ने कहा कि आतंकवादी के पास से हथियार और गोलाबारूद, पिस्तौल, दो ग्रेनेड तथा पिस्तौल के 51 कारतूस बरामद

बाजार

सेंसेक्स	57,060	
निफ्टी	17,102	
सोना	51,627	/10g
चांदी	65,207	/kg

क्विक न्यूज

विनय मोहन क्वात्रा भारत के नए विदेश सचिव बने

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को भारत के नए विदेश सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह दायित्व ऐसे समय में संभाला है, जब नई दिल्ली यूक्रेन युद्ध समेत विभिन्न भूराजनैतिक घटनाक्रमों का सामना कर रही है। वर्ष 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी क्वात्रा ने हर्षवर्धन श्रृंगला का स्थान लिया है, जो शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। विदेश सचिव बनने से पहले क्वात्रा नेपाल में भारत के राजदूत थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रविवार को ट्वीट किया, श्री विनय क्वात्रा ने रविवार सुबह विदेश सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। क्वात्रा को भारत के पड़ोसी देशों के अलावा अमेरिका, चीन और यूरोप के साथ संबंधों का विशेषज्ञ माना जाता है।

मुसलमानों पर विवादित टिप्पणी के आरोप में केरल के नेता पीसी जॉर्ज गिरफ्तार

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के वरिष्ठ नेता पीसी जॉर्ज को मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि उन्हें मजिस्ट्रेट अदालत से जमानत मिल गई। जॉर्ज को कोट्टायम जिले के एरातुपेत्ता स्थित उनके आवास से आज तड़के हिरासत में लिया गया और उन्हें उनकी निजी गाड़ी से तिरुवनंतपुरम एआर कैंप लाया गया, जहां उनकी औपचारिक रूप से गिरफ्तारी दर्ज की गई।

उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद जॉर्ज ने अदालत के बाहर पत्रकारों से कहा कि मजिस्ट्रेट ने उनसे जांच में दखल नहीं देने, गवाहों को प्रभावित नहीं करने या नफरती भाषण नहीं देने या विवाद में नहीं पड़ने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि वह देश से प्यार नहीं करने वाले किसी भी धर्म के कट्टरपंथी समूहों का समर्थन नहीं करना चाहते हैं या वोट देना नहीं चाहते हैं।

जॉर्ज ने कहा, यह मुझे किसी धर्म के खिलाफ कैसे बनाता है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी रमजान का तोहफा है जिसे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कट्टरपंथी मुस्लिम समूहों को दिया है। इससे पहले राज्य के पुलिस प्रमुख अनिल कांत के निर्देश पर तिरुवनंतपुरम फोर्थ थाने के अधिकारियों ने जॉर्ज को हिरासत में लिया। उनके खिलाफ शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जॉर्ज को हिरासत में लेकर तिरुवनंतपुरम लाने के दौरान रास्ते में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं, जबकि (शेष पेज 8)

सऊदी अरब में पाक पीएम के खिलाफ नारेबाजी को लेकर इमरान खान और 150 अन्य पर मामला दर्ज

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने सऊदी अरब में मस्जिद-ए-नवाबी पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके शिष्टमंडल के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और 150 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों में इमरान के मंत्रिमंडल का हिस्सा रह चुके कुछ सदस्य भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो में देखा जा सकता है कि शरीफ और उनका शिष्टमंडल पिछले बृहस्पतिवार को जैसे ही मदीना में पैगंबर की मस्जिद पर पहुंचा, वैसे ही कुछ जायरीन चोर और गद्दार कहकर उसके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इन जायरीनों को इमरान का (शेष पेज 8)

मनुष्यों में वायरल बढ़ोतरी बन सकती है अगली महामारी का कारण

● जंगली जानवरों के पर्यावास समाप्त होने और मानव आबादी की बढ़ोतरी से होगा संचरण

● पृथ्वी के गर्म होने से ठंडे क्षेत्र में समाप्त हो सकती है प्रजातियां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना महामारी से जूझ रही दुनिया के लिए एक और बुरी खबर। शोधकर्ताओं ने भविष्यवाणी की है कि जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होगी, जंगली जानवरों को उनके पर्यावास (जंगल व रहने के स्थान) से स्थानांतरित होने के लिए मजबूर किया जाएगा, वहां बड़ी संख्या में मानव आबादी की संभावना के बीच मनुष्यों में वायरल बढ़ोतरी होगी जो अगली महामारी का कारण बन सकती है।

जलवायु परिवर्तन और वायरल ट्रांसमिशन (संचरण) के बीच की कड़ी का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से अन्य स्तनधारियों में वायरस संचारित करने वाले स्तनधारियों के 15,000 से अधिक नए मामले सामने आ सकते हैं। नेचर में प्रकाशित शोध, जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए अध्ययन से यह अनुमान लगाया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग वन्यजीवों के आवासों को कैसे स्थानांतरित करेगा, रोगजनकों की अदला-बदली करने में सक्षम प्रजातियों के बीच मुठभेड़ों में बढ़ोतरी करेगा और यह निर्धारित करेगा कि वायरस कितनी प्रजातियों में प्रवेश करेंगे। केट जोन्स कहते हैं कि अगले महामारी में जलवायु और भूमि-उपयोग परिवर्तन के भविष्य के जोखिम को समझने के लिए किए गए महत्वपूर्ण अध्ययन का पहला कदम है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य के बीच बातचीत का एक मॉडल है, जो अध्ययन में शामिल नहीं है।

शोध में भविष्यवाणी की गई है कि नए वायरस संचरण का अधिकांश हिस्सा तब होगा जब तापमान बढ़ने पर प्रजातियां ठंडे स्थानों में एक साथ समाप्त हो जाएंगी। साथ ही यह अनुमान है कि विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के क्षेत्रों में जो कि साहेल, भारत और इंडोनेशिया सहित मनुष्यों द्वारा घनी आबादी वाले क्षेत्रों के उच्च ऊंचाई पर प्रजाति-समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र में होगा। अध्ययन में यह मानते हुए कहा गया है कि ग्रह इस सदी में पूर्व-औद्योगिक तापमान से 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं गर्म होता है। कुछ जलवायु विश्लेषणों द्वारा भविष्यवाणी की गई है कि भविष्य प्रजातियों (शेष पेज 8)

प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ बुलडोजर लेकर सड़क पर प्रदर्शन करने उतरे अभिभावक

सीएम योगी से की अपील-शिक्षा माफिया का भी करो दमन

● बढ़ती ट्यूशन फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे कई मामलों से हैं परेशान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हाथ में पोस्टर-बैनर लेकर बुलडोजर के साथ प्रदर्शन करते अभिभावक।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ रविवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अभिभावकों ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभिभावक बुलडोजर लेकर सड़क पर उतरे। इन लोगों ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भू.माफि या, खनन माफिया, शराब माफिया और गैंगस्टर पर कड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री का बुलडोजर इन माफि याओं पर लगातार चल रहा है। अब शिक्षा माफिया पर भी बुलडोजर चलाने की जरूरत है। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी ने अभिभावकों को बर्बाद कर रखा है। अभिभावकों के साथ प्रदर्शन में नेफ ोवा जैसे सामाजिक संगठन भी शामिल हुए।

रविवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सैंकड़ों अभिभावकों ने स्कूल फीस वृद्धि, दोगने ट्रांसपोर्ट चार्जेस, स्कूल ट्रांस्पोर्ट सुविधा के दिशा निर्देशों में अनियमताओं, राइट टू एजुकेशन के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस कोटे में भारी गड़बड़ी और एनसीईआरटी की जगह प्राइवेट पब्लिशर्स से बुक्स खरीदनें को बाध्य करने जैसे मुद्दों को लेकर प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन नेफ ोवा और एनसीआर पेरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले हुआ। अभिभावक बाकायदा जेसीबी मशीन लेकर सड़क पर उतरे।

नेफ ोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा, हम लोगों ने स्कूल फ ीस वृद्धि को लेकर दो हफ्ते पहले बूट पॉलिश करके सांकेतिक प्रदर्शन किया था। उसके बाद डीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया था लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं आया है। महंगाई की मार से अभिभावक पहले से परेशान हैं और जब तक सरकार फीस वृद्धि वापस नहीं ले लेती तब तक आंदोलन जारी रखेंगे। अगर मुखमंत्री से गुहार लगाने लखनऊ तक जाना पड़ा तो जायेंगे।

अभिभावकों ने बताया कि स्कूल फ ीस वृद्धि के साथ मनमर्जी के ट्रांसपोर्ट चार्जेस वसूल रहे हैं। गाजियाबाद में स्कूल बस में हुई छात्र की मौत से सब अभिभावक सहमे हुए हैं। उन्होने ने आगे कहा, स्कूल ट्रांसपोर्ट के फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं हैं। स्कूल ट्रांसपोर्ट कमेटी मात्र कागजों में हैं, यह बहुत चिंता के विषय है। उपस्थित दर्जनों महिलाओं ने एक सुर में कहा कि बढ़ती मंहगाई में रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के साथ फीस बढ़ोतरी ने कमर तोड़ दी है। एनसीआर पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखपाल सिंह तूर ने बताया कि स्कूल फीस में वृद्धि कोरोना वायरस का संक्रमण खत्म होने के नाम पर की गई लेकिन कोरोना की चौथी लहर ने दस्तक दे दी है। स्कूल दोबारा से ऑफ लाइन शिक्षा के लिए बंद हो रहे हैं। अभिभावक अभी वित्तीय संकट से उबर रहे हैं। ऐसे में फीस वृद्धि वापस होनी चाहिए। ट्रांसपोर्ट चार्जेस पर कैपिंग लगनी चाहिए।

पेड़ों में पानी डालते हुए नोएडा प्राधिकरण के दो कर्मचारियों को डंपर ने कुचला, मौत

● दुर्घटना के बाद वाहन छोड़कर चालक हुआ फरार, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी पेड़ों को पानी दे रहे थे। उसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने कर्मचारियों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद बीटा.2 पुलिस ने दोनों कर्मचारियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीटा.2 थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार की दोपहर यह घटना हुई। चुहडपुर अंडरपास के पास प्राधिकरण की तरफ से 2 कर्माचारियों द्वारा पेड़ों में पानी डालने का कार्य किया जा रहा था। तभी एक डंपर द्वारा उनको टक्कर मार दी गई। जिसमें दोनों कर्मियों पुनित और आजाद की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी डंपर चालक मौके पर गाड़ी को छोड़कर फ रार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक पुनित मूलरूप रूप से ग्रेटर नोएडा और आजाद मूलरूप से सिंकद्राबाद का रहने वाला था। दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है

पांच छात्रों को गाड़ी ने कुचला, एक की मौत

अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती चार छात्रों की हालत बनी हुई है नाजुक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती छात्र।

ग्रेटर नोएडा में बीती रात गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 5 छात्रों को एक अज्ञात गाड़ी ने कुचल दिया। इस हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 छात्र और छात्राएं ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं। सभी की हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी में भी मातम छा गया है। अस्पताल में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के अन्य छात्र और टीचर पहुंच गए हैं। मौके पर पुलिस बल भी है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि यह हादसा शनिवार की देर रात को हुआ है। बीटा.2 थाना क्षेत्र अंतर्गत रेयान गोल चक्कर के पास एक अज्ञात गाड़ी ने सड़क पर टहल रहे 5 छात्रों को टक्कर मार दी। घटना के बाद तत्काल आसपास के लोगों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

पंकज कुमार ने बताया कि इलाज के दौरान 23 वर्षीय आयुष शर्मा की मौत हो गई, जबकि अन्य छात्र अंजलि, ईशा, वैष्णवी और आदित्य का कैलाश अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। जांच में पता चला है कि सभी छात्र गलगोटिया यूनिवर्सिटी के थे। पुलिस द्वारा मृतक छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आयुष शर्मा के परिजनों से भी बातचीत करने का प्रयास कर रही है। अभी तक की जांच में यह भी पता चला है कि सभी लोग खाना खाकर टहलते हुए जा रहे थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीटा.2 थाने में मुकदमा दर्ज किया है।

बिल भुगतान में देरी पर हुई थी विवेक की हत्या

12वीं के छात्र रवि मावी को जिला न्यायालय ने दी उम्रकैद की सजा

● घटना के 8 साल बाद आया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

इस रेस्टोरेंट में हुई थी वारदात

रेस्टोरेंट में हुई हत्या के मामले में जिला न्यायालय ने 8 साल बाद अपना फैसला सुनाया है। जिला न्यायालय ने आरोपी को उम्र कैद की सजा सुनाई है जबकि उसके साथी को बरी कर दिया है।

बता दें कि यह मामला 2014 का सबसे हाईलाइट मामला था। दिनदहाड़े ग्रेटर नोएडा के एक नामी रेस्टोरेंट में खाना खाने आए एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हत्या बहुत ही मामूली सी बात पर की गई थी।

दरअसल, विवेक शर्मा बीते 14 अप्रैल 2014 को जगत फॉर्म में स्थित येलो चिली रेस्टोरेंट में खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद विवेक शर्मा जब बिल भुगतान करने बिल काउंटर पर पहुंचा तो उसने रेस्टोरेंट के कैशियर को 1000 रुपए का नोट दिया था, लेकिन वो 1000 रुपए का नोट थोड़ा सा फटा हुआ था। इस बात को लेकर रेस्टोरेंट के कैशियर और विवेक शर्मा के बीच बहस हो गई थी। इससे विवेक के पीछे खड़ा रेस्टोरेंट में खाना खाने आया कस्टमर रवि मावी परेशान हो गया था। रवि मावी कैश काउंटर पर विवेक शर्मा के पीछे खड़ा था।

रवि मावी को भी अपने खाने का बिल भुगतान करना था। रवि मावी को विवेक शर्मा और कैशियर के बीच हो रहे इस विवाद के कारण काफी देरी हो रही थी। इसी बीच पीछे खड़े रवि ने देर होने पर नाराजगी जताई तो काउंटर पर विवेक शर्मा और रवि मावी के बीच झगड़ा होने लगा था।

बिजली और पानी के संकट से परेशान हैं सोसायटी के लोग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● 800 परिवारों ने रिश्तेदारों के घर ली शरण

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील ग्रीन-2 सोसाइटी में रविवार को दूसरे दिन भी आठ टावर में बिजली और पानी की आपूर्ति शुरू न होने से निवासी परेशान हैं। गुस्साए लोगों ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। बिजली न होने की वजह से 1800 में से करीब 800 परिवार सोसाइटी छोड़कर रिश्तेदारों के घर चले गए हैं।

सोसाइटी के इलेक्ट्रिक पैनल में आग लगाने की वजह से कई टावर की बिजली आपूर्ति बाधित है। निवासियों को लगातार आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि सोसाइटी में करीब 13 टावर हैं, जिनमें 1800 परिवार रह रहे हैं। सोसाइटी में शुक्रवार देर रात इलेक्ट्रिक पैनल में आग लगाने के बाद बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित है। सोसाइटी के पांच टावर में डीजी से बिजली दी जा रही है, लेकिन अन्य टावर में बिजली और पानी की समस्या है। सोसाइटी के आठ टावर में दो दिन से बिजली गुल है।

12वीं मंजिल से कूदकर बुजुर्ग ने की खुदकुशी

नोएडा। एक हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले 60 वर्षीय बुजुर्ग ने 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बिसरख कोतवाली पुलिस ने बुजुर्ग व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि व्यक्ति काफी समय से मानसिक तनाव में चल रहा था, जिसकी वजह से बुजुर्ग ने दर्दनाक कदम उठाया।

बिसरख थाना प्रभारी ने बताया कि काफ ी समय से रॉयल नेस्ट हाउसिंग सोसाइटी में 60 वर्षीय कृष्ण पाल सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। कृष्ण पाल सिंह काफी समय से मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। जिसकी वजह से उन्होंने रविवार की सुबह 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कृष्ण पाल सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोसाइटी के एक निवासी ने बताया कि कृष्ण पाल सिंह रविवार की सुबह अपने फ्लैट से वॉक करने के लिए निकले थे। अपने टावर से निकलकर वो दूसरे टावर में आए और दूसरे टावर में 12वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया।

बैठक में महायोजना 2031 को बोर्ड की मिली मंजूरी

लोगों से मास्टर प्लान पर अब सुझाव व आपत्तियां मांगेगा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीडीए की शनिवार को हुई बोर्ड बैठक में महायोजना 2031 को मंजूरी मिल गई है। अब मास्टर प्लान पर आपत्तियां व सुझाव मांगे जाएंगे। फिर इन्हें दूर कर यह शासन को भेजा जाएगा। जहां से इसे लागू किया जाएगा। मास्टर प्लान में गाजियाबाद, डासना, मुरादनगर, मोदीनगर और लोनी क्षेत्र में करीब 130 हेक्टेयर जमीन का भू-उपयोग बदलकर उसे विकसित करने की तैयारी है।

इस कृषि भू-उपयोग को बदलकर आवासीय, व्यवसायिक और औद्योगिक किया जाएगा ताकि जीडीए क्षेत्र विस्तार हो सके और यहां वेयरहाउस, लाजिस्टिक पार्क, ट्रांसपोर्टनगर आदि योजनाएं लाई जा सके। जीडीए बोर्ड अध्यक्ष व मेरठ मंडल के मंडलायुक्त सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को मेरठ मंडलायुक्त के कार्यालय सभागार में जीडीए की 159वीं बोर्ड बैठक हुई। इसमें 19 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें से 14 प्रस्तावों को स्वीकृति मिल गई। बैठक में मास्टर प्लान 2031 के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। इस दौरान पूरे मास्टर प्लान का प्रजेंटेशन सभी को दिखाया गया।

मोहननगर से वैशाली तक चलाया जाएगा रोपवे

गाजियाबाद। जीडीए की बोर्ड बैठक में मोहननगर से वैशाली तक रोपवे प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है जबकि अन्य तीन रूट पर रोपवे चलाने की उपयोगिता देखी जाएगी। इसके बाद ही इन तीनों रूट पर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। अब मोहननगर से वैशाली के बीच पीपीपी माडल पर ही रोपवे का निर्माण होगा। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। जीडीए की बोर्ड बैठक में चार रूट पर रोपवे प्रोजेक्ट का संचालन करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें सबसे पहले मोहननगर मेट्रो स्टेशन से वैशाली मेट्रो स्टेशन के बीच इस मार्ग को जोड़ने के लिए रोपवे प्रोजेक्ट का प्रस्ताव था। इसके अलावा नया बस अड्डा मेट्रो स्टेशन से गाजियाबाद रेलवे स्टेशन, वैशाली मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-62 नोएडा मेट्रो स्टेशन और राजनगर एक्सटेंशन चौराहे से हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन रूट का प्रस्ताव भी शामिल किया गया था। बैठक में मोहननगर से वैशाली के बीच रोपवे प्रोजेक्ट पीपीपी माडल पर संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

मृतका को 9 साल बाद मिला इंसाफ

नोएडा। पूर्व सहकर्मी ही हत्या करने वाले को अदालत ने दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना ना भरने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। घटना 2013 में नोएडा के सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में हुई थी।

सेक्टर.58 थाना क्षेत्र में वर्ष 2013 में अपनी पूर्व सहकर्मी मीनाक्षी की हत्या करने के दोषी धनोज गिरी को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश वेदप्रकाश वर्मा की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

बकाया पैसा नहीं देने पर तीन बिल्डरों के दफ्तर किए सील

● संपत्ति जब्त करने की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

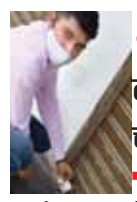

जिला प्रशासन की टीम ने शनिवार को ताबड़तोड़ करवाई की है। टीम ने तीन बिल्डरों के खिलाफएक्शन लिया है। जानकारी के मुताबिक टीम ने अंतरिक्ष इंजीनियर्स, हिमालय रियल एस्टेट और यूनिबेरा डेवलपर्स के कार्यालय को सील कर दिया।

इन बिल्डरों पर रिकवरी सर्टिफि केट के करीब 12 करोड़ बकाया है। तहसील की राजस्व टीम ने चेतावनी दी है कि अगर पैसा जमा नहीं किया गया तो बिल्डरों की अन्य संपत्ति कुर्क की जाएगी। दादरी के एसडीएम आलोक गुप्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर टेकजोन.4 में हिमालय रियल एस्टेट बिल्डर का दफ्तर सील किया गया है। उस पर यूपी रेरा की आरसी का 45 लाख रुपये बकाया है। अंतरिक्ष इंजीनियर्स बिल्डर पर आरसी का करीब छह करोड़ रुपये बकाया है। इन बिल्डरों को कई बार चेतावनी दी गई।

झगड़े में एक ड्राइवर ने दूसरे को टक्कर मारकर हवा में उड़ाया

नोएडा। महामाया फ्लाईओवर के पास नोएडा एक्सप्रेसवे पर दो गाड़ी चालकों के बीच विवाद हो गया। विवाद होने के बाद दोनों गाड़ी में बैठे सवार उतरकर बहस और मारपीट करने लगे। उस दौरान एक गाड़ी चालक ने दूसरी गाड़ी के ड्राइवर को इतनी जोर से टक्कर मारी कि ड्राइवर हवा में उड़ गया।

इस दर्दनाक हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना पाकर मौके पर पंहुची पुलिस ने घायल ड्राइवर को अस्पताल में भर्ती कराया है। फ रार आरोपी और कार की तलाश की जा रही है।

दूध में नींद की दवा देकर पत्नी रातभर करती थी चैटिंग

● परेशान होकर पति ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के कनावनी में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। मामले में उसकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोप है कि वह रात में पति को दूध में नींद की दवाई देकर खुद मोबाइल पर चैटिंग करती थी इससे आजिज आकर उसके पति ने आत्महत्या कर ली।

युवक इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में परिवार के साथ रहता था। उसकी मां का आरोप है कि युवक की पत्नी देर रात तक किसी व्यक्ति से मोबाइल पर बात करती रहती थी। उनके बेटे व उन्होंने उसे समझाने की कोशिश की लेकिन उस पर कोई फर्क नहीं पड़ा। उनका बेटा सुबह उठने पर नशे की हालत में रहता था। डाक्टर को दिखाने पर पता चला कि उसे रात में नींद की गोली दी जाती है। उन्होंने पड़ताल की तो पाया कि बहू बेटे को दूध में नींद की दवाई देकर सुला देती है।

संक्षिप्त समाचार

बढ़ती गरमी से राहत पाने को ट्यूबवैल में नहाता एक बच्चा।

गौतबुद्धनगर में 31 मई तक बढ़ी धारा 144

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने एक बार फिर जनपद में धारा 144 की तारीख बढ़ा दी है। आगामी त्यौहारों और कोविड-19 के बढ़ते मामलों की वजह से जिले में धारा 144 की समय सीमा बढ़ा दी गई है। पुलिस कमिश्नर का आदेश है कि अगर किसी भी व्यक्ति ने धारा 144 के नियमों का उल्लंघन किया तो उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौतमबुद्ध नगर के अपर पुलिस उपायुक्त कानून एवं व्यवस्था आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि जनपद में 31 मई 2022 तक धारा 144 लागू रहेगी। ऐसे में कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के सार्वजनिक स्थानों पर नहीं निकलेगा। कोई भी व्यक्ति बिना किसी आधिकारिक अनुमति के धरना-प्रदर्शन, अनशन या फि र कोई भी सामाजिक कार्यक्रम नहीं कर सकेगा। किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति के जुलूस निकालने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने बताया कि जनपद में कोई भी व्यक्ति उस स्थान पर पूजा-पाठ या नमाज नहीं करेगा, जो स्थान विवादित हो। अगर जनपद में किसी भी व्यक्ति ने किसी भी धार्मिक कार्यक्रमों के बीच विवाद पैदा करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर से स्कूल के लिए निकला छात्र लापता

नोएडा। पढ़ाई नहीं करने पर डांटने के नाराज गांव सुतियाना निवासी 8वीं कक्षा का छात्र बीते 26 अप्रैल से लापता है। वह घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, मगर अभी तक घर नहीं पहुंचा है। परिजनों ने ईकोटेक-3 थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता अपने इकलौते बेटे का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। बिहान के नवादा निवासी सिंघेश्वर प्रसाद फेस-2 स्थित कपड़ा फैक्ट्री में काम करते हैं। वह सुतियाना गांव में अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके दो बेटी और एक बेटा प्रिंस है जो आठवीं कक्षा का छात्र है। पढ़ाई नहीं करने को लेकर परिजनों से उसे डांट दिया था।

PUBLIC NOTICE

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

A notice is hereby given to the public at large that Priyanshu Mishra s/o Ramesh Kumar Mishra r/o Vill. Bibanmau, Jalalpur, Jaunpur , Uttar Pradesh -222136 ceased to be an employee of Sri Badrika Ashram Cum Charitable & Social Welfare Society, Vill Shalamu , Post Karganoo, Distt. Sirmour , Himachal Pradesh - 173223 with effect from 7th April 2022. Priyanshu Mishra is not authorized to collect funds on behalf of or otherwise act on behalf of or represent Sri Badrika Ashram Cum Charitable & Social Welfare Society, in any manner whatsoever. Sri Badrika Ashram Cum Charitable & Social Welfare Society is not responsible or liable for any actions, omissions or representations made by Priyanshu Mishra.

For and on behalf Sri Badrika Ashram Cum Charitable & Social Welfare Society

(Adminsitrative Head)

शारदा हॉस्पिटल,

स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च

प्लॉट नंबर 32,34, ग्रेटर नोएडा, यू0 पी0 - 201306,

मो0- 9803742732, 0120-2329-977, 892

पब्लिक नोटिस

शारदा अस्पताल सूचित करता है कि दिनांक 01.01.2015 से 31.12.2016 तक एमएलसी और मृत्यु रोगी रिकॉर्ड को छोड़कर इनडोर रोगी मेडिकल रिकॉर्ड अस्पताल नीति और अन्य नियामक मानदंडों के अनुसार नष्ट कर दिए जाएंगे। यदि किसी मरीज को अपने मेडिकल रिकॉर्ड की आवश्यकता होती है, तो वह 10 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकता है, इसलिए यह अनुरोध है कि उपरोक्त टेलीफोन नंबर पर अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड्स विभाग से संपर्क करें।

चिकित्सा अधीक्षक
शारदा हॉस्पिटल

सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में बढ़े लू से पीड़ित मरीज

तीन दिनों से लगातार बढ़ रहा तापमान बना बीमारी का कारण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

तीन दिनों से तापमान बढ़ने और गर्म हवा के कारण लू लगने के अस्पतालों में मरीज आने शुरू हो गए हैं। ज्यादातर में डिहाइड्रेशन की परेशानी है। साथ ही, डायरिया, पेट से संबंधित बीमारियों के मरीजों में भी बढ़ोतरी हुई है। इसमें से ज्यादातर मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। बच्चों में भी इस तरह की परेशानी बढ़ी है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 600-700 मरीज इंटरनल मेडिसिन और फ्लू क्लीनिक में आ रहे हैं जिसमें से ज्यादातर मरीज गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं। डायरिया और पेट से संबंधित बीमारी और लू के मरीज हैं। एक सप्ताह पहले प्रतिदिन जिला अस्पताल में 100 से ज्यादा मरीज पेट से संबंधित बीमारियों का इलाज कराने आ रहे थे।

अब यह संख्या 125-135 तक पहुंच गई है। दो-तीन दिनों से हीट स्ट्रोक के 20-25 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। इनके अलावा डायरिया, पेट से संबंधित बीमारी, वायरल फ ीवर, गले में संक्रमण, सर्दी जुकाम के मरीज सबसे ज्यादा हैं। शिशु अस्पताल में भी हीट स्ट्रोक के मरीज आने शुरू हो गए हैं। इनमें डिहाइड्रेशन की दिक्कत है।

साथ ही उल्टी-दस्त के भी पीड़ित हैं। निजी अस्पतालों में भी इस तरह के मरीज काफी संख्या में इलाज के लिए आ रहे हैं।

घर से बाहर निकलने से पहले बरतें एहतियात

- प्रतिदिन ओआरएस, नारियल पानी आदि का सेवन करें
- शरीर को पूरी तरह से ढंककर निकलें, दोपहर में छतरी का उपयोग करें
- जरूरी न हो तो 11 बजे से तीन बजे दोपहर तक घर से बाहर न निकलें
- कटे फल, खुले में रखे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें
- फास्ट फूड के सेवन से परहेज करें, घर में बने व्यंजन का सेवन करें
- बच्चों को दोपहिया वाहन में आगे न बैठाएं
- बच्चों को बाहर निकालने से पहले टोपी पहनाएं, छतरी का उपयोग करें
- घर से पानी का बोतल लेकर चलें
- घूप से आने के बाद कम से कम 10-15 मिनट बाद ही पानी पीएं।

बिल्डर के खिलाफ निवासियों का प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की जेपी ग्रीन सोसाइटी के निवासियों ने शनिवार को बिल्डर के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। निवासियों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। साथ ही अपनी मांग पूरी नहीं होने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी। अब सोसाइटी के निवासी कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

निवासियों ने बताया कि बिल्डर ने जनरेटर पावर बैकअप की दरें बढ़ा दी हैं। यह ग्रेनो में सबसे अधिक दर है। पहले 23.65 थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 31.75 रुपए प्रति यूनिट कर दी गई है। निवासियों ने बढ़ी दर को वापस लेने की मांग की है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह

बच्चों की प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में हो: नायडू

उपराष्ट्रपति ने सौ रुपए का स्मारक सिक्का, स्मारक शताब्दी टिकट और विवि के अब तक के सफर को प्रदर्शित करने वाली पुस्तिका जारी की

डीयू के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित शताब्दी समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू लोगों को संबोधित करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश का प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय एक मई को सौ साल का हो गया है। डीयू के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित शताब्दी समारोह का उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश में ऐसे चुनिंदा शिक्षा संस्थान हैं जिनकी आयु 100 वर्ष है। उन्हीं में से एक है दिल्ली विश्वविद्यालय। देश की आजादी में भी यह भागीदार रहा है। भगत सिंह भी यहां रात बिताए हैं। सेंट स्टीफेंस महात्मा गांधी के आगमन का साक्षी रहा है।

उपराष्ट्रपति ने मातृभाषा में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। सभी जानते हैं कि पूर्व में भारत की ज्ञान परंपरा का समृद्ध इतिहास रहा है।

नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु बनाया। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को हमारी संस्कृति पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा उनकी मातृभाषा में दी जाए तो वे उसे आसानी से समझ सकेंगे। लेकिन, यदि शुरुआती शिक्षा किसी अन्य भाषा में दी जाती है, तो पहले उन्हें वह भाषा सीखनी होगी और फिर वे समझेंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को पहले अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए और फिर दूसरी भाषाएं सीखनी चाहिए।

सभी को अपनी मातृभाषा में प्रवीण होना चाहिए और उससे संबंधित मूल विचारों का बोध होना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए जबकि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान विशिष्ट अतिथि थे।

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर सौ रुपए का एक स्मारक सिक्का, एक स्मारक शताब्दी टिकट और दिल्ली विश्वविद्यालय के अब तक के सफर को प्रदर्शित करने वाली एक स्मारक शताब्दी पुस्तिका भी जारी की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को एक कार्यक्रम में की गई उस टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें अदालतों में स्थानीय भाषा के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया था। कल प्रधानमंत्री मोदी ने अदालतों में स्थानीय भाषाओं की आवश्यकता के बारे में भी बात की थी। केवल अदालतें ही क्यों, इसे हर जगह लागू किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय को 100 साल पूरे करने पर बधाई भी दी। साथ ही कहा वह इस विश्वविद्यालय की उन्नति, विकास और प्रगति के लिए तथा इसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बनाने के लिए सभी लोगों को बधाई देना चाहते है। नायडू ने इस अवसर पर स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022 (हिंदी संस्करण) और स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा- 2022 (संस्कृत संस्करण) भी जारी किया।

छात्रों की रचनात्मकता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी: शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने से छात्रों की रचनात्मकता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषा के महत्व पर जोर दिया गया है। स्थानीय भाषा छात्रों की रचनात्मकता को दिशा देने में मदद करती है। इस अवसर पर डीयू के कुलपति योगेश सिंह ने कहा, उन्होंने अकादमिक उत्कृष्टता के 100 साल पूरे कर लिए हैं। डीयू बहुत अच्छा कर रहा है। वह देशवासियों के जीवन में अपना योगदान देना जारी रखेंगे।

सिविल लाइन में बुजुर्ग बिल्डर की चाकू घोंपकर हत्या

- गले और पेट में किए गए कई वार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के सिविल लाइन इलाके में एक बुजुर्ग बिल्डर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। वहीं हत्या के बाद नोट से भरे कुछ थौले भी गायब बताए जाते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा है कि मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। मौत का काण गले पर प्रहार और पेट पर चाकू से वार करने की पुष्टि हुई है। मृतक के घर से नकदी से भरे कुछ गत्ते के डिब्बे भी यहां से गायब पाए गए।

पुलिस ने कहा, संदेह है कि हत्या का कारण लूट हो सकता है। मृतक की पहचान रामकिशोर अग्रवाल के रूप में हुई है। उनके दो मंजिला घर जबकि बेटा और परिवार के अन्य सदस्य रहते थे। उनकी पत्नी की पिछले साल कोविड-19 के कारण मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने कहा कि परिवार के पास कम से कम चार घरेलू नौकर हैं। एक मई को सुबह 6.52 बजे सिविल लाइंस पर एक पीसीआर कॉल की मृतक के बेटे ने मामले की सूचना दीद्ध उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता का गला रेत दिया गया है और वहअस्पताल ले जाया गया था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर)सागर सिंह कलसी ने कहा कि अग्रवाल को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान में एक सुरक्षा गार्ड ने पुलिस को बताया कि तड़के घर से दो लोग भागते हुए देखे गए। मामले में पुलि ने धारा 302 (हत्या), 397 (डकैती,या डकैती, मौत या गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास के साथ) और 34 (सामान्य इरादा) के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले में टीम का गठिन किया है।

सिविल लाइन के राम किशोर रोड पर रहने वाले अजय दुबे ने बताया कि वह रामकिशोर अग्रवाल के पड़ोसी हैं। सुबह ले अचानक से शोर मचा जिसके बाद अजय दुबे जब अपने घर से बाहर आए तो उन्होंने देखा कि उनके सामने वाले घर में अफरा-तफरी का माहौल ह। रामकिशोर अग्रवाल को घायल अवस्था में ट्रामा सेंटर ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ये पता चला है कि दो बदमाश उनके घर में घुसे थे और अग्रवाल पर चाकू से वार करके हत्या कर दी।

भलस्वा लैंडफिल पर छठें दिन भी आग काबू में नहीं

- जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं आसपास के लोग, आंखों में जलन और सांस लेने में हो रही दिक्कत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भलस्वा लैंडफिल साइट पर कूड़े में लगी आग पर छठें दिन भी काबू नहीं पाया जा सका।

सौ घंटे से भी ज्यादा समय से आसपास रहने वाले जहरीली हवा में सांस लेने में मजबूर हैं। रविवार को भी कूड़े के पहाड़ में लगी आग से धुएं के गुबार से लोगों के आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए पानी का छिड़काव करते नजर आए लेकिन हर दिन की तरह ऊंचे कचरे के पहाड़ के सामने उनके प्रयास बौने नजर आए। मंगलवार शाम को भलस्वा लैंडफिल साइट पर कड़े में आग लग गई थी। इसके बाद से दमकल कर्मी और निगम के कर्मचारी लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन आग एक जगह से बुझती है तो दूसरी जगह फिर सुलग जाती है।

इसका मुख्य कारण लैंडफिल साइट पर फेंका गया गीला कचरा सड़ने पर मीथेन गैस पैदा करता है। गर्म मौसम में मीथेन खुद ही आग पकड़ लेती है, जिससे इस तरह की आग लगने की घटनाएं होती हैं। भलस्वा लैंडफिल साइट पर पिछले छह दिनों से लगी आग ने आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन और आजीविका को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

करीब 17 मंजिला ऊंचे कूड़ा के पहाड़ के आसपास रहने वाले ज्यादातर लोग कबाड़ कारोबारी हैं। एक ओर, जहां उनमें से कई अपनी दैनिक मजदूरी कमाने के लिए आग के बीच अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, वहीं कई अन्य काम नहीं कर रहे हैं क्योंकि वे धुएं के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। कबाड़ कारोबारी मसूदा बीबी ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब से आग लगी है, वे रात को सो नहीं पाई हैं। आग लगने के बाद से उन्हें नींद नहीं आ रही है। उन्हें अपने रिश्तेदार से अनुरोध करना पड़ा कि वह उनको अपने घर में शरण दें। कूड़ेघर का धुआं घर में घुस रहा है। वह किसी तरह चेहरा ढंककर खाना बना रही है। आग के कारण अपना काम एक दिन के लिए भी नहीं रोक सकते क्योंकि वे उसी से अपनीरोजी रोटी कमाते हैं।

कारोबारी फिरोज शेख के मुताबिक आग लगने के बाद खासकर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मजदूरों की संख्या कम हो गई है। जिस दिन से आग लगी है आंखों में बहुत जलन हो रही है। पिछले कुछ दिन उनके परिवार के लिए बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। पंखा चलाकर भी कोई राहत नहीं है। स्थानीय निवासी मानव ने बताया कि पिछले साल कूड़े का एक हिस्सा गिरने की घटना में उसके एक दोस्त की मौत हो गई थी। यहां काम शुरू करने के बाद त्वचा की एलर्जी हो गई है। यह हर साल गर्मियों के दौरान होता है और इसलिए, काम करना मुश्किल हो जाता है।

केजरीवाल झूठ बोलने के बड़े हेडमास्टर : आदेश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल झूठ बोलने के सबसे बड़े हेडमास्टर बन गए हैं। यह आरोप भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने लगाया है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ रविवार को संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल को 'फर्जीवाल' कहना ज्यादा बेहतर होगा। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक पर झूठ बोलना हो, यमुना सफाई पर झूठ बोलना हो, घर-घर साफ पानी पहुंचाने पर झूठ बोलना हो, बेरोजगारी और रोजगार देने पर झूठ बोलना हो या फिर दिल्ली के अंदर डीटीसी बसों पर झूठ बोलने का काम पिछले सात सालों से 'फर्जीवाल' करते आ रहे हैं।

केजरीवाल दूसरे प्रदेशों में जाकर कहते हैं कि उनके द्वारा बनाया गया 1000 मोहल्ला क्लीनिक 'वर्ल्ड क्लास' है जबकि सच्चाई यह है कि दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की संख्या सिर्फ 200 है और उनमें से भी 50 फीसदी मोहल्ला क्लीनिक खुद 'बीमार' पड़े है।

सोमवार को गर्मी का सितम जारी रहा। धूप से बचने के लिए गमछा पहने युवक।

'सवाल नहीं किए तो कृपलानी का संघर्ष अधूरा रह जाएगा'

नई दिल्ली। देश की शासन व्यवस्था में जिस तरह का तंत्र जनता पर हावी हो रहा है, वह आज के समाज के लिए एक गंभीर चिंता है।

इसको दुरुस्त करने के लिए नई पीढ़ी को सवाल करने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह संघर्ष अधूरा रह जाएगा जिसे आचार्य कृपलानी ने पंडित नेहरू के शासन काल मेँ शुरू किया था।

दिल्ली के गांधी शांति प्रतिष्ठान में रविवार को आयोजित आचार्य कृपलानी स्मृति व्याख्यान-2022 में भोपाल स्थित माधव राव सप्रे संग्रहालय के संस्थापक और वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने उपरोक्त बातें कही।

आयोजित व्याख्यान में विजय दत्त श्रीधर ने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया मानते थे कि जनता की बगावत ही संसद को अनुशासन में रख सकती है। डॉ. लोहिया के हवाले से उन्होंने कहा कि अगर जनता ने सवाल नहीं उठाया तो तानाशाही बढ़ती जाएगी।

ईद से पहले विजय गोयल ने जामा मस्जिद के आसपास चलाया विशेष सफाई अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के चांदनी चौकसे भाजपा के पूर्व सांसद विजय गोयल ने ईद से पहले रविवार कोजामा मस्जिद के आसपास सफाई अभियान का नेतृत्व किया।गोयल ने स्वच्छता से सद्भावना का नारा देते हुए कहा किईद सहित अन्य त्योहारों से पहले स्वच्छता आवश्यक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास औरसबका प्रयास के संदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस स्वच्छता अभियान में हर कोई हिस्सा ले रहा है।गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष गोयल ने लोकसभामें दो बार चांदनी चौक का प्रतिनिधित्व किया है। वह मोदीऔर अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली सरकारों में केंद्रीयमंत्री भी रहे हैं।उन्होंने कहा, मैंने जामा मस्जिद क्षेत्र में एक विरासत पार्कके विकास में मदद की है। दो दिन बाद ईद मनाई जाएगी और मेरा मानना है कि त्योहार से पहले सफाई होनी चाहिए। सफाई अभियान में उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने भी सहायता की।जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने गोयल की इस पहल की सराहना की।बुखारी ने कहा, यह बहुत अच्छा है। वह (गोयल) यह सुनिश्चित करनेमें भी सक्रिय रहे हैं कि क्षेत्र अतिक्रमण से मुक्त हो।उम्मीद है कि चांद दिखने के बाद ईद का त्योहार संभवत: मंगलवार को मनाया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री पौधारोपण नीति के प्रभाव की करेंगे समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विभिन्न विभागों से उनके द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में रोपित पौधों और उनकी स्थिति से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा है।

राय सोमवार को एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे जहां इन आंकड़ों का विश्लेषण दिसंबर 2020 में सरकार द्वारा अधिसूचित वृक्षारोपण नीति के प्रभाव का पता लगाने के लिए किया जाएगा। पर्यावरण विभाग के एक अधिकारी ने बताया, दिल्ली जल बोर्ड, नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, रेलवे, लोक निर्माण विभाग आदि सहित सभी संबंधित एजेंसियों से उनके द्वारा किए गए पौधारोपण संबंधी आंकड़े देने को कहा गया है। पौधारोपण नीति के तहत संबंधित एजेंसियों को अपने विकास कार्यों से प्रभावित होने वाले कम से कम 80 प्रतिशत वृक्षारोपण करने की जरूरत होती है।

शहरी रोजगार गारंटी योजना की घोषणा करें सीएम: चौधरी अनिल

नई दिल्ली। मजदूर दिवस के मौके पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल ने कहा कि भारत के मजदूरों ने ही हिंदुस्तान को बनाया है। किसी भी देश का विकास श्रमिकों के बिना असंभव है।

उन्होंने कहा मजदूरों से जुड़ी समस्या तथा उनको मिलने वाले सामाजिक सुरक्षा के विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने रोजगार गारंटी कानून बनाने की माँग करते हुए बुलडोजर राजनीति बंद करने की अपील की। केजरीवाल भाजपा की सरकार को मजदूर विरोधी बताया।

उन्होंने कहा मँहगाई ने मजदूरों को बेरोजगार बना दिया है, जो मजदूरी कर रहे है।

सीएम को आरएसएस मुख्यालय का दौरा करना चाहिए : प्रवेश वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश में 10 हजार तिरंगा शाखा खोलने के ऐलान के एक दिन बाद भाजपा सांसद परवेश वर्मा ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नागपुर स्थित आरएसएस के मुख्यालय का दौरा करना चाहिए और राष्ट्रवाद पढ़ने के लिए उसके तीन साल के पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज उठाने से कोई राष्ट्रवादी नहीं हो जाता।

पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सदस्य परवेज वर्मा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह अरविंद केजरीवाल को आरएसएस के झंडेवालान और नागपुर कार्यालय आने और राष्ट्रवाद के बारे में पढ़ने के लिए आरएसएस के तीन साल के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने का निमंत्रण देते हैं। अगर आरएसएस की विचारधारा की भावना का अनुपाल करें तो वह अच्छे इंसान बन जाएंगे। वर्मा ने सवाल किया कि केजरीवाल सर्जिकल स्ट्राइक और द कश्मीर फाइल्स फिल्म पर सवाल उठाकर कैसे राष्ट्रवादी बन सकते हैं।उत्तर प्रदेश, गोवा और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में हार के बाद यह आम आादमी पार्टी और केजरीवाल का फर्जी राष्ट्रवाद है।

लोगों के आकर्षण केंद्र रहा आतिथ्य मेला

- आयोजित मेले में एक लाख लोग आंगुतक शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रगति मैदान में रविवार को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) प्रमुख खाद्य और आतिथ्य 36वें आहार मेले का समापन हुआ। इस मेले में अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में व्यापार लेनदेन, आगंतुक प्रतिक्रिया और ब्रांड विस्तार से संबंधित गतिविधियां प्रमुख रहीं।

मेले ने अनुभवी होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे) क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जिसमें प्रमुख नेताओं, राजनयिक कोर के सदस्य, होटल व्यवसायी, रेस्तरां मालिक, टेक्नोक्रेट, पुरस्कार विजेता शेफ, प्रभावित करने वाले वैश्विक ट्रेंडसेटर व पत्रकार शामिल थे। मेले में भारत के विभिन्न हिस्सों और दुनिया के बाकी हिस्सों से लगभग 1,00,000 व्यापार आगंतुक शामिल हुए। पहले होस्टेड बायर्स प्रोग्राम में 30 देशों के 100 विदेशी खरीदारों का दौरा उभरते भारतीय बाजार में विदेशी खरीदारों की बढ़ती दिलचस्पी का प्रमाण है। उन्होंने न केवल खाद्य और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में बल्कि भारत में आतिथ्य क्षेत्र में निवेश के अवसरों में भी जबरदस्त रुचि दिखाई। गौरतलब है कि बड़े ब्रांड्स को आकर्षित करने में सफल साबित हुआ है।

भाजपा एमसीडी ने अनाम एनजीओ को दिया स्कूलों का काम : आप

नई दिल्ली। भाजपा ने एमसीडी के स्कूलों के काम का टेंडर एक ऐसे एनजीओ को दे दिया जिसका ना तो कोई नामोनिशान मौजूद है और ना ही वह फंड इकट्ठा करने में सक्षम है।

उस पर भाजपा ने एमसीडी के अधिकारियो को फंड जमा करने का आदेश दे दिया। यह आरोप आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने लगाया है। उन्होंने कहा कि जबकि ऐसे कामों के लिए एनजीओ खुद फंड इकट्ठा करता है। दुर्गेश पाठक ने ने कहा दुकानदार ने एमसीडी के अधिकारियों को फंड देने से मना किया तो उन लोगों ने दुकान सील करने की धमकी दी। तस्वीरें पेश करते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा कि हमने जानकारी निकाली तो हमें कुछ तस्वीरें मिली जो मैं आप लोगों को भी दिखाना चाहूंगा।

बिना फिटनेस वाले वाहनों पर 10 हजार तक का जुर्माना

- ऐसे वाहनों के खिलाफ जल्द अभियान चलाएगा परिवहन विभाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार राजधानी की सड़कों पर बिना बैध फिटनेस प्रमाण पत्र के चल रहे वाहनों के मालिकों और चालकों को चेताया है।

परिवहन विभाग ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के साथ ही व्यावसायिक वाहन चलाने की सलाह दी है। विभाग जल्द ही इसके लिए अभियान भी चलाएगा। परिवहन विभाग के अनुसार, उसे जानकारी मिली है कि कई वाहन मालिक और चालक बिना वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के सार्वजनिक परिवहन तथा व्यावसायिक वाहन चला रहे हैं।

इनमें सरकारी बिभागों के वाहन भी शामिल हैं। ऐसा करना मोटर वाहन अधिनियम-1988 एवं इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का उल्लंघन है। वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के बिना सड़कों पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत पहली बार अपराध के लिए दो से पांच हजार रुपये और दूसरी बार पकड़े जाने पर पांच से हजार रुपये तक का जुर्माना लगेगा। इसके बाद भी अपराध की पुनरावृत्ति होने पर एक वर्ष तक के कारावास का भी प्रावधान है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रवर्तन टीमों को सड़कों पर ऐसे वाहनों की तलाश जारी रखने के लिए कहा गया है और जल्द ही उल्लंघन करने वालों को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया जाएगा।

जिनमें सरकारी, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक उपक्रमों के वाहन शामिल हैं। सभी वाहन मालिकों और चालकों सलाह दी जाती है कि कार्रवाई से बचने के लिए अपने वाहनों के लिए निर्धारित समयावधि में फिटनेस प्रमाण पत्र हासिल करें। नियम-62 के अनुसार आठ वर्ष तक के पुराने वाहनों के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र दो वर्ष में एक बार और आठ वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के लिए एक वर्ष के लिए वैध होता है।

जल संरक्षण के लिए करने होंगे सामूहिक प्रयास : केंद्रीय मंत्री

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा, गांव चांदला डुंगरवास से शुरू हुआ 'मिशन अमृत सरोवर'

जिला गुरुग्राम में पुनर्जीवित किए जाएंगे 75 तालाब और जोहड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव चांदला डुंगरवास में मिशन अमृत सरोवर की शुरुआत के मौके पर संबोधित करते केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत सिंह।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आने वाले समय में हमारे लिए बिना पानी के जीना कठिन हो जाएगा, ऐसे में हम सभी को जल की महत्ता समझते हुए इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। वे रविवार को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत गांव चांदला डुंगरवास में मिशन अमृत सरोवर का विधिवत शुभारंभ करने के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों को सोनीपत में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से जोड़ा गया था, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा की गई थी। प्रधानमंत्री के जल संरक्षण के आह्वान पर प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा मिशन अमृत सरोवर की शुरुआत की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने राव इंद्रजीत सिंह ने पावरग्रिड के सहयोग व जिला प्रशासन के माध्यम से गुरुजल सोसाइटी द्वारा पुनर्जीवित किए जा रहे गांव के जोहड़ का शिलान्यास करने उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि दशकों के बाद केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में इस सार्थक पहल की शुरुआत की गई है कि कैसे हम जल संरक्षण के इन प्राकृतिक संसाधनों को सहेजते हुए अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर व जल से पूर्ण वातावरण देकर जाएं। उन्होंने कहा कि पहले के समय में गांव के जोहड़ पानी के अन्य स्रोतों जैसे कि कुएं आदि को रिचार्ज करने के प्रमुख माध्यम होते थे, लेकिन समय के साथ हुए बदलाव व लोगों की उदासीनता के चलते आज लगभग अधिकतर गांवों में जोहड़ व तालाब पूरे गांव के गंदे पानी की निकासी का साधन बन कर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया हमारी धरा के जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने के साथ साथ हमारे जल संरक्षण के प्राकृतिक संसाधनों के अस्तित्व को भी मिटा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार ने हमें यह अवसर प्रदान किया है कि हम अपने इन प्राकृतिक संसाधनों को पुनर्जिवित करने के लिए सामूहिक प्रयास करें। यह परिवर्तन हमको स्वयं के लिए करना है। उन्होंने बताया कि मिशन अमृत सरोवर के तहत अगले एक साल में पूरे प्रदेश में 1650 जोहड़ों व तालाबों को पुनर्जिवित व जीर्णोद्धार करने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें सभी जनसाधारण की सहभागिता अपेक्षित है।

इस अवसर पर पटौदी की पूर्व विधायक बिमला चौधरी, पटौदी की खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवनीत कौर, पूर्व चेयरमैन राव अभय सिंह, पावरग्रिड से रामवतार मीणा, धर्मबीर मानेसर गुरुजल सोसाइटी से मधुमिता व ओशो, चांदला डुंगरवास के पूर्व सरपंच सूबे सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हुड्डा की कठपुतली बनकर काम करेंगे अध्यक्ष उदयभान

गुरुग्राम। कांग्रेस में न तो कार्यकर्ताओं का सम्मान है, न नेताओं का और न ही महिलाओं का। अंतर्कलह में उलझी कांग्रेस ने हरियाणा में कुमारी शैलजा को अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित बेटी का अपमान किया है। इनसे पहले दलित समाज से आने वाले अशोक तंवर के साथ भी कांग्रेस में माहौल खराब किया गया और उन्हें तो पार्टी ही छोड़नी पड़े। भले ही नए अध्यक्ष उदयभान बनाए गए हैं, लेकिन स्वागत भूपेंद्र हुड्डा के हो रहे हैं। इससे साफ है कि अध्यक्ष उदयभान तो तरकश के तीर की तरह रहेंगे, कमान हुड्डा की होगी। यह बात पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने यहां जारी बयान में कही है।

नवीन गोयल ने कहा कि देश में भाजपा के लगातार बढ़ रहे जनाधार को कांग्रेस पचा नहीं पा रही है। इसलिए आपस में ही उलझती जा रही है। हरियाणा प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कांग्रेस बिखरी पड़ी है। इसमें ना तो सही नेता हैं और ना ही सही नीतियां हैं। हरियाणा की बात करें तो यहां हर नेता का अपना अलग गुट है। हुड्डा के रास्ते अलग हैं तो कैप्टन अजय सिंह यादव के अलग। रणदीप सुरजेवाला अलग ढपली बजा रहे हैं तो कुलदीप बिश्नोई अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस से निकलकर कांग्रेस

नवीन गोयल।

में ही आए कुलदीप बिश्नोई की स्थिति नाजुक दौर में चल रही है। पार्टी में उनकी अहमियत नजर नहीं आती। पहले तो हुड्डा ने पूर्व सीएम भजनलाल को पार्टी में हाशिये पर धकेला, जिससे क्षुब्ध होकर भजनलाल ने कांग्रेस को अलविदा कहा। कांग्रेस पर पूरी तरह से हुड्डा का कब्जा हो चुका है। वे कांग्रेस में अपना एक छत्र राज चाहते हैं। अपने बाद अपने सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा को कांग्रेस में मजबूत कर रहे हैं।

नवीन गोयल ने हरियाणा में कुमारी शैलजा को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने पर प्रतिक्रिया में कहा कि एक तरफ तो पार्टी की बड़ी नेता प्रियंका गांधी लड़की हूं लड़ सकती हूं और दूसरी तरफ हरियाणा की बेटी कुमारी शैलजा को हटाकर कांग्रेस ने बेटियों के प्रति अपनी सोच को जाहिर कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

दमकल कर्मियों ने साढ़े 11 घंटे की में बुझाई अरावली में लगी आग

सोहना के गांव सांप की नंगली की अरावली पहाड़ी में लगी आग तथा काबू करते हुए दमकल कर्मी।

सोहना। नगर परिषद का गांव सांप की नंगली से लगता अरावली पहाड़ी में लगी आग को दमकल कर्मियों ने 11 घंटा की कड़ी मशक्कत के बाद काबू किया। गाड़ी का रास्ता न होने के कारण आग को शांत करने के लिए बाल्टी व गाड़ियों की मदद ली गई। शनिवार की सुबह आठ बजे गांव सांप की नंगली से लगती अरावली पहाड़ी की सबसे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में आग लगने का धुआं ग्रामीणों को आसमान की तरफ उठता हुआ नजर आया। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने दमकल विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलने के साथ ही पुलिस और दमकल कर्मी दो गाड़ियों को लेकर पहुंचे। लेकिन आग वाले स्थान पर गाड़ियों के पहुंचने का रास्ता नहीं था। आग तक पानी पहुंचाने के लिए पहाड़ी की तलहटी में गाड़ियों को खड़ा किया। किसानों से पानी के वाले पाइप लगाकर आग को काबू करना चाहा, लेकिन तेज हवा के चलने के कारण काबली कीकरों में खड़ी दो से चार फुट ऊंची झाड़ी, पहाड़ी घास और अन्य छोटे पौधों के पत्तों से आग बढ़ती जा रही थीं। जिनती आग को काबू किया जाता। उससे दो गुणा वह बढ़ रही थीं। काटे वाले पौधों में से निकलना और आग को काबू करना बहुत ही मुश्किल हो गया था। जिसे सायं साढ़े 6 बजे तक काबू किया। लेकिन जैसे ही अग्निशमन विभाग कर्मी अपने घटना स्थल से अपने कार्यालय में पहुंचे। वैसे ही आग ने एक बार फिर से विकराल रूप ले लिया। उस आग को ग्रामीणों की मदद से रात्रि करीब 11 बजे जाकर पूर्ण रुप से शांत किया। फायर स्टेंशन प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि उनके कर्मचारियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है।

सरकारी कार्यालय भ्रष्टाचार के अड्डेः सुखबीर तंवर

सुखबीर तंवर।

गुरुग्राम। पटौदी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सुखबीर तंवर ने फर्रूखनगर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि सभी सरकारी कार्यालय भ्रष्टाचार के अड्डे बने हुए हैं। नियमों की अवहेलना करके कृषि योग्य भूमि को टुकड़ों में बांटकर अवैध कॉलोनियों का मकड़जाल विस्तृत पैमाने पर फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों की अवैध प्लॉटिंग में भूमाफिया दलालों से सांठगांठ और अधिकारियों के नाम पर प्लाटधारकों से वसूली करके रातोंरात अमीर बन गए हैं। सरकारी संरक्षण में अवैध कॉलोनियां काटी जा रही है। अवैध कॉलोनियों में अवैध निर्माण जोरों पर है। नगरपालिका में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभी सरकारी कार्यालय दलालों की गिरफ्त में है। सामान्य जनता के उचित कार्य नहीं हो पा रहे है, जबकि दलालों के माध्यम से अनुचित कार्यों की भरमार है। ब्लॉक स्तर पर सभी अधिकारी निरंकुश है। भ्रष्टाचार के अनेक विषयों का संज्ञान के बावजूद जिला और प्रदेश के अधिकारी मूकदर्शक बने हुये है। सुखबीर तंवर ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाये, बिजली संकट से निजात दिलाने और सुरक्षा व्यवस्था कायम करे।

प्राकृतिक स्रोतों का हर स्तर पर संरक्षण करना जरूरी : विधायक

गुरुग्राम के गांव गढ़ी वाजिदपुर में मिशन अमृत सरोवर के तहत तालाब की खुदाई की शुरुआत करते विधायक सुधीर सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सुधीर सिंगला ने कहा, जल, पेड़, पर्यावरण समेत अन्य क्षेत्रों में करना होगा काम

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन अमृत सरोवर का विधिवत शुभारंभ

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन अमृत सरोवर का रविवार को विधिवत रूप से शुभारंभ हो गया। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सोहना खंड के गांव गढ़ी वाजिदपुर से इसकी शुरुआत की। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लिए गये संकल्पों में से 75 अमृत सरोवर की यह योजना शुरू की गई है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गढ़ी वाजिदपुर में करीब 1.84 एकड़ क्षेत्र पर अमृत सरोवर का निर्माण किया जाएगा। यह अपने आप में बहुत बड़ा काम है। सरकार के हर संभव प्रयास हैं कि पानी की जो कमी हम झेल रहे हैं, उसमें सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक जल स्रोतों को फिर से जिवित करना होगा। यह हमारे और हमारी पीढ़ियों के लिए बहुत जरूरी है। सिर्फ जल स्रोत ही नहीं, बल्कि प्रकृति में सुधार के लिए भी हमें हरियाली और शुद्ध वातावरण के लिए पेड़-पौधे अधिक से अधिक लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि अगर हमें किसी कारणवश एक पेड़ को काटना पड़ता है तो उसके बदले 10 पेड़ लगाकर उनका पोषण करना चाहिए, ताकि पर्यावरण संतुलन सही रह सके।

श्रीसिंगला ने कहा कि सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना है, इसके माध्यम से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की समस्याओं का समाधान होगा। वहां होने वाली पानी की किल्लत को दूर किया जा सकेगा। कम से कम एक एकड़ भूमि पर ये अमृत सरोवर विकसित होने हैं। इसमें 10 हजार क्यूबिक मीटर जल संग्रहण की क्षमता होगी।

प्रत्येक अमृत सरोवर कम से कम एक एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा जिसकी जल संग्रहण की क्षमता लगभग 10 हजार क्यूबिक मीटर होगी। इस अमृत सरोवर मिशन में विकास एवं पंचायत विभाग व हरियाणा पोंड एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट प्राधिकरण मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से ग्रामीण विकास मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय और पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालयों की इसमें भूमिका भी रहेगी। तालाब का जीर्णोद्धार होने के बाद प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त के दिन संबंधित गांव के पदमश्री अवॉर्ड विजेता, शहीदों के परिजनों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों द्वारा वहां राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। रविवार को इस कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाद, बीज व कीट नाशक का किसान बिल अवश्य लें

गुरुग्राम। खाद, बीज व कीटनाशक दवाइयां किसी भी विक्रेता से खरीदते समय किसान बिल अवश्य लें। उपायुक्त निशान्त कुमार यादव ने किसानों से यह आह्वान करते हुए कहा है कि अगर बिल नहीं लिया तो आप द्वारा कही भी इसकी शिकायत नहीं की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि जिला में सभी खाद व बीज विक्रेताओं को बिल सहित इनपुट देने बारे दिशा-निर्देश दिए गए है। अगर कोई विक्रेता इस पर लापरवाही करता है तथा बिल नहीं देता हो उससे कोई इनपुट ना लें। उन्होंने बताया कि खाद भी बाजार में कई तरह के उपलब्ध है। इनमें ऑर्गेनिक, बायो फर्टिलाइजर, केमिकल फर्टिलाइजर व माइक्रो न्यूट्रेंट आदि शामिल हैं।

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बने पारस बक्शी

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का पारस बक्शी ने किया धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पारस बक्शी।

भारतीय जनता पार्टी में एनजीओ प्रकोष्ठ की हरियाणा प्रदेश संयोजक स्वाति यादव ने पारस बक्शी पुत्र तिलक बक्शी को प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया है। अपनी नियुक्ति पर पारस बक्शी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल, एनजीओ प्रकोष्ठ की हरियाणा प्रदेश संयोजक स्वाति यादव का धन्यवाद किया है। इस दायित्व के लिए पारस बक्शी को रेल सलाहकार समिति के सदस्य डीपी गोयल, भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ हरियाणा के सदस्य बाली पंडित, जिला-सह संयोजक ईशु वाल्मीकि, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गगन गोयल पर्यावरण संरक्षण विभाग हरियाणा भाजपा गुरुग्राम जिला संयोजक प्रवीण अग्रवाल, कमल शर्मा, राजेश बंसल, मोहित वत्स, डिम्पल राठी, कमांडर उदयवीर यादव, धर्मेंद्र शर्मा, हनीष केडिया, अजय राज, विहिप अध्यक्ष लोकेश नारंग, रिषी अग्रवाल, सुधीर कलसन, विजयपाल यादव, मनीष सौदा, श्रीराम वेल्फेयर सोसायटी के संस्थापक पंकज पाठक, योगेश शर्मा, एडवोकेट जय बक्शी, एडवोकेट साहिल शर्मा आदि ने बधाई दी है।

हरियाणा में 2024 के विस चुनावों में कांग्रेस की होगी एक तरफा जीत: भारद्वाज

शहरवासियों ने फूलमालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया

एक वर्ष के बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी की पोल खुल जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना में कांग्रेस कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज का स्वागत करते लोग।

हरियाणा कांग्रेस पार्टी कार्यकारिणी के हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष बने जितेन्द्र भारद्वाज का सोहना पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। जितेन्द्र भारद्वाज का दावा है कि 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की एकतरफा सरकार बनेगी।

हरियाणा कांग्रेस पार्टी कार्यकारिणी के हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अपने गृह नगर पहुंचे जितेन्द्र भारद्वाज का कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने फूलमालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। जितेन्द्र भारद्वाज का शहर में 5 से 6 स्थान पर आतिशीबाजी चलाकर और ढोल बाजार स्वागत किया।

इस अवसर पर पत्रकारवार्ता करते हुए जितेन्द्र भारद्वाज ने दावा कर कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को राज्य में सत्ता एक तरफा बहुमत से मिलेगी। प्रदेश में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का शासनकाल अब भी प्रदेशवासियों को याद आ रहा है।

सोहना शहर में 2014 में जो विकास कार्य हुए थे। उसके बाद बीते 8 वर्षों में एक नई ईंट भाजपा के शासनकाल में नहीं लगी है। यहां पर केवल घोषणाओं की बात की जाती है। कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी को हरियाणा के लोगों ने कभी भी महत्व नहीं दिया। एक वर्ष के बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी के पोल खुल जाएगी। सम्पूर्ण राज्य में कार्य करना आसान नहीं होता है। उन्होने कहा कि हरियाणा के पिछले 8 वर्ष से भाजपा की सरकार है। लेकिन आज हरियाणा में बिजली संकट गहरा गया। अभी ऐसे और कई संकट जनता को परेशान करने के लिए जल्द आने वाले है।

दुबई के बाद गुरुग्राम में शुरू हुआ पिकअप एंड ड्रॉप ऑफ प्वाइंट

वरिष्ठ पत्रकार डा. वेदप्रकाश वैदिक व जीआईसी अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पिकअप एंड ड्रॉप ऑफ प्वाइंट का उद्घाटन करते वेदप्रकाश वैदिक व अशोक बुवानीवाला।

दुबई के बाद अब गुरुग्राम में पिकअप एंड ड्रॉप ऑफ प्वायंट फैसिलिटी मिलनी शुरू हो गई है। इसका उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार डा. वेदप्रकाश वैदिक और जीआईसी अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने यहां मेगा मॉल में किया।

इस सुविधा के शुरू होने से अब गुरुग्राम के लोगों को मॉल में आना-जाना और अधिक सुविधाजनक हो गया है। डा. वेदप्रकाश वैदिक ने कहा कि गुरुग्राम से पहले यह प्रोजेक्ट दुबई में चल रहा है और हिट है। लाखों लोग इसका लाभ ले रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम की आईटी सिटी गुरुग्राम में विश्वस्तरीय सुविधाएं होना समय की मांग है। यहां विदेशी लोगों, विदेशी कंपनियों की भरमार है। ऐसे में यहां की संस्कृति अब मिली-जुली हो गई है। उसी हिसाब से यहां पर कंपनियां सुविधाओं में भी इजाफा कर रही हैं।

जीआईसी अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि यह सही है कि निजी क्षेत्र गुरुग्राम में बहुत सुविधाएं दे रहा है। सीएसआर के तहत यहां कंपनियों ने सरकारी संस्थाओं की कायापलट की है। सरकार को भी चाहिए कि जिस हिसाब से यहां से रेवेन्यू लिया जा रहा है, उस हिसाब से यहां पर सुविधाएं दे। जो सरकारी सुविधाएं इस समय हैं, वे कम हैं। यहां सरकार की ओर से प्रयोग अधिक हो रहे हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता उस हिसाब से नहीं है। यह कहीं न कहीं सिस्टम की कमी है। इस अवसर पर मॉल एसो. अध्यक्ष अमित गोयल, विकास चावला, संजीव माथुर, गौतम माथुर, संदीप खटाना, ओमप्रकाश चौधरी मॉल के दुकानदार समेत काफी लोग उपस्थित रहे।

मंडी में किसानों को नहीं मिले रहे सब्जियों के उचित दाम

किसानों से सस्ते में खरीद मासाखोर दो-तीन गुणा अधिक कीमत में बेच रहे

मासाखोरों के मनमाने भाव ग्राहकों की जेब पर पड़ रहे हैं भारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंडी में सुबह के समय में सब्जियों की बोलियां लगाते सब्जी के कमीशन एजेंट।

मंडी में किसानों की सब्जियों का कोड़ियों के भाव खरीद मासाखोर दो से तीन गुणा अधिक कीमत में बेच रहे हैं। ग्राहक मंडी में मासाखोरों द्वारा बेचे जाने वाली सब्जियों के हर दिन सरकार की तरफ से कीमत निरधारित किए जाने की मांग कर रहे है। मासाखोरों की मनमानी के भाव ग्राहकों की जेब पर भारी पड़ रहे है।

सोहना मंडी में सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने देश में बढ़ती मंहगाई को भी पीछे छोड़ दिया है। सब्जी के रिटेलर दुकानदार किसानों से खरीदी जाने वाली सब्जी को दो से तीन गुणा अधिक कीमत में मनमर्जी भाव से बेच रहे है। मासाखोर आढ़त और मार्केट कमेटी की फीस को भी कई गुणा ग्राहक से सब्जी की कीमतों में बढ़ाकर वसूल रहे है।

मंडी में बिकने वाली सब्जियों की कीमत में अंतर

नाम सब्जी	किसान से खरीदी सब्जी	रिटेल की कीमत
घीया	10	30
ककड़ी	15	30
तोरई	20	40
खीरा	10	20
आलू	13	25
प्याज	15	25
पालक	15	40
भिन्डी	20	40
कटहल	30	60
मटर	60	80

ग्राहक पर जेब पर सब्जी कीमत भारी

मंडी परिसर में मासाखोर (सब्जी के छोटे दुकानदार) द्वारा बेची जा रही सब्जियों की कीमत हर दिन मार्केट कमेटी द्वारा अन्य मंडियों की भांति निर्धारित हो। ग्राहक सतपाल का कहना है कि मासाखोर दो से तीन गुणा अधिक कीमत वसूल करके सीधी जेब काटने का काम कर रहा है। लगभग 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कम नहीं है। इसके अलावा अन्य सब्जियों की कीमत 60 से 120 रुपये तक बेची जा रही है।

किसानों को नहीं मिल रहे है भाव

सुबह मंडी सब्जी लेकर आ रहे किसान चंद कदम दूरी पर सड़क पर अपना वाहन खड़ा करके नूंह, तावडू, गुरुग्राम, भिवाड़ी से आने वाले बड़े व्यापारी व दुकानदार खरीद कर ले जाते हैं। किसान वेदपाल का कहना है कि मंडी से बाहर उनकी सब्जी को दूसरे शहरों से आने वाले ग्राहक दो से पांच रुपये अधिक कीमत में खरीद ले जाते हैं। जबकि मंडी में सब्जी ले जाने के बाद किसान को आढ़त व पल्लेदारी की फीस देनी होती है।

संगठन को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता

पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने आयोजित की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पंजाबी बिरादरी महा संगठन की बैठक में बोलते प्रधान बोधराज सीकरी।

रविवार को पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने पालम विहार में समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष तथा हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन बोधराज सीकरी ने की। बैठक में संगठन द्वारा हाल ही में आयोजित किये गए बैसाखी मिलन समारोह के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई।

महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस बैठक में पंजाबी बिरादरी महा संगठन के समस्त पदाधिकारी व गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। स्वामी धर्मदेव ने अपने सम्बोधन में उपस्थितजनों को समाज में समरसता और सौहार्द की भावना को प्रगाढ़ करने का संदेश दिया। साथ ही सभी से आह्वान किया कि सदस्यता अभियान को सफल और सुदृढ़ करने में अपना पूर्ण सामर्थ्य से योगदान दें। बोधराज सीकरी ने बताया कि बैसाखी मिलन समारोह के माध्यम से पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने समाज को यह संदेश देने की कोशिश की है कि हमारे पर्व हमारी गौरवशाली परम्परा व संस्कृति के प्रतीक हैं हमें धमज़ जाति के भेदभाव से ऊपर उठकर इन्हें मिल जुलकर मनाना चाहिए। भविष्य में भी पंजाबी बिरादरी महासंगठन ऐसे ही समाज मे समरसता बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगा, इसकी प्रतिबद्धता भी बोधराज सीकरी ने जताई। प्रमोद सलूजा, पीके दत्ता और हरीश बेकरी ने बैसाखी कार्यक्रम में उदारता दिखाई इसके लिए उनका साधुवाद। बोधराज सीकरी ने बताया कि बैठक में सदस्यों ने कैसे समाज और संगठन को मजबूत किया जाए, इस संदर्भ में सुझाव भी दिए। इस बैठक के दौरान दिनेश नागपाल और उनकी टीम की तरफ से लोगों की सेवा के लिए एम्बुलेंस दी गई। साथ ही पूरनचंद खरबन्दा ने मोर्चरी (शव गृह) वाहन की सेवा प्रदान की है। एम्बुलेंस के ड्राइवर का वेतन हर महीने सुभाष दुडेजा ने अपनी ओर से देने की बात कही। अशोक सेठी ने सोनी नेक कमाई से इक्यावन हजार की दान राशि भेंट की। बैठक के दौरान बोधराज सीकरी ने उन सभी गणमान्य जनों का विशेष कर ओम प्रकाश कथूरिया, रामकिशन गांधी, रमेश कालरा, रामलाल ग्रोवर, जीएन गोसाईं आदि का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने बैसाखी मिलन समारोह को भव्य और सफलता पूर्वक संपन्न कराने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। ह्यह्य

कैसा बेटी बचाओ : बेटी बचाने की सजा भुगत रही एक मां

कविता। फरीदाबाद

गर्भपात का विरोध करने पर ससुरालियों द्वारा प्रताड़ित महिला की पुलिस नहीं सुन रही

एक तरफ सरकार बेटी बचाओं का नारा दे रही है। वहीं दूसरी तरफ बेटी को बचाने का प्रयास करने वाली महिला न्याय के लिए भटक रही है। पीड़िता का कसूर इतना है, कि वह गर्भ में पल रहे बच्चे को इस दुनिया में लाना चाहाती थी, लेकिन ससुराल वालों ने मारपीट कर गर्भपात करवा दिया। पीड़िता को घायल अवस्था में 27 अप्रैल को बीके अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन अभी तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

यह है पूरा मामला : डबुआ कालोनी निवासी रघुवीर शर्मा ने अपनी छोटी बेटी प्रीति का विवाह राजस्थान निवासी सुरेन्द्र शर्मा के संग गत 22 फरवरी 2017 को किया था। लेकिन शादी के बाद ससुराल वाले प्रीति को परेशान करने लगे।

घायल पीड़िता प्रीति शर्मा।

देवर द्वारा छेड़छाड़ करने पर उसे अलग कर दिया गया। इस दौरान बेटी को जन्म देने के बाद ससुराल वाले और परेशान करने लगे। छोटे भाई शादी में यहां आने पर तबीयत बिगड़ी तो अल्ट्रासाउंड में सामने आया कि वह गर्भवती है।

22 मार्च को भाई की शादी के बाद वह ससुराल पहुंची तो ससुराल पक्ष ने उसका 28 मार्च को एक अल्ट्रासाउंड करवा दिया। जिसमें बच्चा हेल्थी बताया गया, लेकिन ससुराल पक्ष ने उसे दवा लाकर दे दी और कहा कि इस बार भी लड़की है और गर्भपात की दवा दी। दवा न खाने पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब इससे बात न बनी तो 20 अप्रैल को उसके साथ जमकर मारपीट की। सास, ससुर, देवर और पति की मारपीट के बाद उसे ब्लीड़िग शुरू हो गई। चिकित्सक के पास पहुंची, तो उन्होंने 21 अप्रैल को सोनोग्राफी के बाद बताया कि बच्चे की मौत हो गई है। जिस पर 22 को गर्भपात कर दिया गया।

अस्पताल से घर पहुंची तो उसे जान से मारने की नियत से उसके साथ एक बार फिर मारपीट की गई। घर से बाहर उसके साथ मारपीट होने पर उसे पड़ोसियों ने बचाया। जिस पर उसने परिजनों को सूचना दे दी। परिजन उसे 27 की रात को फरीदाबाद लेकर आए, तो उसके शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे।

शरीर पूरा सूजा हुआ था, जिस पर उसे बीके अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उसकी जांच के बाद मेडिकल किया गया। मेडिकल के साथ ही संबंधित थाने को सूचना भेजी गई। मां उर्मिला और प्रीति का कहना है कि पुलिस ने मात्र दहेज का मामला दर्ज करने की बात कही है। मारपीट और गर्भपात का मामला उन्होंने राजस्थान जाकर दर्ज करवाने को कहा है।

'विपक्ष आपके समक्ष': कांग्रेस ने भरी सत्ता परिवर्तन की हुंकार

रैली के सफल आयोजन के लिए पूर्व सीएम हुड्डा ने दी विजय प्रताप को बधाई

जुमलों को इवेंट बनाने के अलावा बीजेपी ने कुछ नहीं किया : महेंद्र प्रताप सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दशहरा मैदान एनआईटी कांग्रेस द्वारा आयोजित विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व मुख्य मंत्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा, कांग्रेस के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष विधायक उदय और विजय प्रताप सिंह। कार्यक्रम में उमड़ा जनसमूह।

जिले में आज 'विपक्ष आपके समक्ष' कार्यक्रम के पांचवें पड़ाव पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओ ने बीजेपी-जेजेपी सरकार के खिलाफ जोरदार हुंकार भरी। इस मौके पर भारी भीड़ से गदगद पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 'विपक्ष आपके समक्ष' कार्यक्रम को जनता की हाजिरी ने रैली में तब्दील कर दिया है। क्योंकि आज फरीदाबाद समेत पूरे हरियाणा की जनता बिजली संकट से परेशान है। इसलिए यह कार्यक्रम भी बिजली संकट विरोधी रैली में बदल गया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सबसे पहले सभी को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि श्रमिक और किसान दो ऐसे वर्ग हैं, जिन्होंने देश का विकास किया है। कोरोना काल में भी यही दोनों वर्ग अपने काम पर लगे रहे, नहीं तो देश ठप हो जाता। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि मजदूर और किसानों के लिए हमेशा आवाज उठाएं और उनकी समस्याओं के लिए के निदान की खातिर संघर्ष करें। साथ ही उन्होंने ईद की भी अग्रिम बधाई भी दी।

हुड्डा ने चौधरी उदयभान को हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हाईकमान ने एक कर्मठ, मेहनती और जमीन से जुड़े नेता को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपी है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने कार्यक्रम के मंच से नयी जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस हाईकमान और भूपेंद्र सिंह हुड्डा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यहां से बदलाव की जो हवा चली है, वह तीन चौथाई बहुमत के साथ प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाकर ही रुकेगी।

राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी बिजली संकट पर बोलते हुए कहा कि समझ नहीं आ रहा आज बिजली में कट है या कट में बिजली है। बिजली और सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं के लिए भी लोग तरस रहे हैं। फरीदाबाद में सड़कों को इस कदर उधेड़ रखा है कि बस तो क्या बाइक निकालना भी मुश्किल है। बीजेपी ने फरीदाबाद नगर निगम को 'नरक निगम' बना दिया है। जहां-तहां कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और लोगों को पानी तक खरीदकर पीना पड़ रहा है। इन सब के बीच नगर निगम में 200 करोड़ रुपए के घोटाले को अंजाम दे दिया गया।

पूर्व मंत्री चौधरी महेंद्र प्रताप ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 8 साल में इस सरकार ने जुमलों को इवेंट बनाने के सिवाय कोई कार्य नहीं किया। नोटबंदी से लेकर किसानों के मुद्दों तक, हर नीति में यह सरकार विफल नजर आई। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चौधरी महेंद्र प्रताप, विधायक नीरज शर्मा, विजय प्रताप,पूर्व विधायक रघुबीर तेवतिया, वरिष्ठ नेता लखन सिंगला समेत तमाम आयोजकों को बधाई दी।

मजदूरों के अधिकारों को छीन रही सरकार : शास्त्री

मजदूर व कर्मचारियों के खिलाफ तथा पूंजी पतियों के हक में कानून बन रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के कर्मचारियों को संबोधित करते कर्मचारी नेता नरेश शास्त्री।

मजदूरों, कर्मचारियों द्वारा लंबे संघर्ष एवं कुर्बानियों के बाद प्राप्त किए गए अधिकारों को एक-एक कर छीन रही है सरकारें, श्रम कानूनों में बदलाव करना, कम वेतन, काम के घंटे बढ़ाना एवं मजदूरों के अन्य अधिकारों सहित नियमित रोजगार बंद कर युवाओं को कच्चे रोजगार की ओर धकेल कर मंहगाई, बेरोजगारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम आदमी व मजदूर कर्मचारियों के खिलाफ व पूंजीपतियों के हक में कानून बना रही हैं सरकारें।

ये बातें अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कमेटी द्वारा स्थानीय नगर निगम परिसर में आयोजित कि गई जिला स्तरीय आम कर्मचारी सभा को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने कही। आज की सभा की अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला वरिष्ठ उप प्रधान अतर सिंह केशवाल ने की तथा सभा का संचालन सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव बलबीर सिंह बालगोहर ने किया सभा में सर्वप्रथम 1 मई 1886 को शहीद हुए मजदूरों एवं अन्य मजदूर, किसान, छात्र आंदोलनों में शहीद हुए साथियों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में मुख्य वक्ता नरेश कुमार शास्त्री के अलावा सभा को हरियाणा टूरिज्म विभाग के महासचिव सुभाष देशवाल, नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के उप महासचिव सुनील चंडालिया भी वक्ता के तौर पर संबोधित किया।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि 1 मई 1886 में अमेरिका के शहर शिकागो में मजदूरों ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए शहादते दी थी। इस संघर्ष के बाद 1889 में मालिकों और मजदूरों के बीच समझौता हुआ। मजदूरों की मांगे 8 घंटा काम के तय किये गए व साप्ताहिक अवकाश एवं अन्य मांगों पर फैसला हुआ।

रात्रि प्रवास में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

गांव गढ खेडा में रात्रि प्रवास के कार्यक्रम का रिबन काट कर शुभारंभ करते डीसी जितेंद्र यादव।

फरीदाबाद। डीसी जितेन्द्र यादव ने गांव गढखेड़ा के रात्रि प्रवास कार्यक्रम में बतौर अतिथि शिरकत की। एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद सहित तमाम विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों गर्मजोशी से स्वागत किया। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन पार्टी के कलाकारों ने सरकारी योजनाओं के विकास गीत के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध किया। विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी ग्रामीणों को अपने अपने विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। डीसी जितेन्द्र यादव का बुजुर्ग मागेराम ने टीम के साथ गांव की तरफ पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। अन्य विभागों के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। राजकीय हाई स्कूल गढखेड़ा में रात्रि प्रवास हुआ।

हैडमास्टर सुनील कुमार, अध्यापिका रेखा, रीतिका, अध्यापक सुरेश शास्त्री, अमित किशोर, शिवप्रकाश, योगेश भी मौजूद रहे। डीसी जितेन्द्र यादव, एडीसी मोहम्मद इमजान रजा, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद सहित तमाम विभागों के कर्मचारियों और कर्मचारियों का स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ स्वागत किया जा रहा है। ड्राइंग कम्पीटिशन विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी एनआईटी नितीश अग्रवाल के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए थाना एनआईटी प्रबंधक महिला इंस्पेक्टर सुनीता की टीम ने नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी मोहित उर्फ लाला (18 साल 1 महिना) स्थाई रूप से उत्तर प्रदेश के जिले गौतम बुद्ध नगर के गांव दनकौर का रहने वाला है। आरोपी अस्थाई रूप से ओल्ड फरीदाबाद के वस्सा पाडा में रहता है। आरोपी की लड़की से मुलाकात ओल्ड फरीदाबाद की मार्केट में हुई थी। आरोपी ने लड़की से संपर्क कर कई बार अपने घर बुलाया था। आरोपी लड़की को 24 अप्रैल के दिन बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया। दिल्ली से आरोपी लड़की को हिमाचल प्रदेश के मनाली नाम के स्थान पर ले गया था। परिजनों की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ थाना एनआईटी में शादी की नियत से भगाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर आरोपी को एनआईटी एरिया से गिरफ्तार कर लिया।

सीएम फ्लाइंग ने राशन डिपोधारकों की दुकानों पर मारा छापा

फरीदाबाद और पलवल के दो डिपो धारकों के पास मिला ज्यादा स्टॉक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आदर्श कालोनी में मौके पर मिले अनाज की जांच करती टीम।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सीएम फ्लाईंग के द्वारा थाना एसजीएम नगर एरिया और थाना चांदहट जिला पलवल में राशन डिपोधारक के पास ज्यादा स्टॉक पाए जाने पर की गई कार्यवाही की गई। छापेमारी के दौरान दोनो की डिपुओं पर अनियमितता सामने आई, जहां डिपो धारक लोगों को पूरा राशन देने की बात कहकर आधा राशन बांट रहे थे।

सीएम फ्लाईंग को सूचना मिली कि एनएच-चार की आदर्श कॉलोनी में सुनील जैन राशन डिपोधारक द्वारा कम राशन दिया जाता है। सूचना के आधार पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता द्वारा दीपक सोनी निरीक्षक व सन्दीप कुमार उप निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग फरीदाबाद व स्थानीय पुलिस के साथ सुरेश जैन लाइसेंस नम्बर 808 आदर्श कॉलोनी के राशन डिपो को चैक किया गया। मौका पर खाद्य आपूर्ति विभाग के निरीक्षक द्वारा डिपोधारक को अलॉट किये गए राशन व वितरण किये गए राशन का मिलान किया गया। मौके पर डिपोधारक ने बताया कि उसे माह मई का कुछ राशन दिनांक 29.04.2022 को भेजा गया है, जिस बारे बिल पेश करने को कहा गया लेकिन उससे सम्बंधित कोई बिल पेश नही कर सका। जो राशन डिपो पर रिकॉर्ड अनुसार 138 क्वींटल गेहू ज्यादा, 323 किलोग्राम नमक कम, 43 किलोग्राम चीनी कम पाई गई। राशन डिपोधारक द्वारा राशन वितरण में अनियमितता करने पर दीपक सोनी निरीक्षक खाद्य एव आपूर्ति विभाग की तहरीर पर राशन डिपोधारक सुरेश जैन के विरुद्ध अभियोग थाना एसजीएम नगर में अंकित किया गया है।

ज्यादा मिला स्टॉक: मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद द्वारा थाना चांदहट जिला पलवल तथा थाना एसजीएम नगर फरीदाबाद एरिया में राशन डिपोधारक के पास ज्यादा स्टॉक पाए जाने पर कार्यवाही की गई। शनिवार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि गांव ककड़ीपुर जिला पलवल में राशन डिपोधारक के पास 6 क्विंतल गेंहू अधिक पाया जाने पर प्रहलाद निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग पलवल की तहरीर पर राकेश डिपोधारक के विरुद्ध पलवल में अभियोग दर्ज किया।

कारगर होगी अमृत सरोवर योजना : कृष्णपाल

सामुहिक रूप से सभी को मिलकर लेना होगा तालाबों के उद्धार का जिम्मा : कृष्णपाल गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव अटाली में तालाबों के पुर्नउद्धार कार्य का शुभारंभ करते केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व अन्य।

केंद्रीय उर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि तालाब हमारी पहचान और हमारी सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत का हिस्सा हैं। हम वर्षों से तालाबों की पूजा करते रहे हैं, लेकिन आज धीरे-धीरे हमारी लापरवाही के चलते यह तालाब समाप्त होते जा रहे हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई अमृत सरोवर योजना इन तालाबों के पुर्नउद्धार के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री मंत्री रविवार को अटाली गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गांव के तालाब के पुर्नउद्धार कार्य का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस लगभग तीन एकड़ के तालाब के पुर्नउद्धार पर 97.66 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके कार्य को आज शुरू करवा दिया गया है। इस पैसे से तालाब के सफाई के साथ-साथ इसकी जल संचय क्षमता में वृद्धि, चारों तरफ ट्रैक, गऊ घाट और सीढ़ियों का निर्माण किया जाएगा।

हमारे तालाब गांव की पहचान: परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि गांवों के तालाब हमारे गांव के पहचान है। ऐसे में इन तालाबों का रख-रखाव हमारी जिम्मदारी है और हमें भावी पीढ़ियों के लिए इन्हें संरक्षित करना होगा। शर्मा रविवार को गढ़खेड़ा गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तालाब के पुर्नउद्धार कार्य का शुभारंभ करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

गुलिया तालाब का शुभारंभ: बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा ने फरीदाबाद ब्लाक के सबसे बड़े गांव धौज के गुलिया तालाब के पुर्नउद्धार कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले श्रमिक दिवस व रमजान की बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहले प्रत्येक गांव में दो-चार कुएं तालाब, बावड़ी होते थे। धीरे-धीरे यह खत्म होनी शुरू हो गई।

तिगांव तालाब का पुर्नउद्धार: तिगांव से विधायक राजेश नागर ने तिगांव में अमृत सरोवर मिशन के तहत तिगांव तालाब के पुर्नउद्धार कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस मिशन से ना सिर्फ जल की समस्या से निजात मिलेगी बल्कि सौंदर्यकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

गांव मोहला में : गांव मोहला में अमृत सरोवर कार्यक्रम का विधायक नरेंद्र गुप्ता ने नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तालाबों का पुर्नउद्धार करने का फैसला आमजन के लिए हितकारी साबित होगा।

यूनीवर्सल अस्पताल में मरीज को मिला जीवनदान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मरीज के साथ यूनिवर्सल के डाक्टर।

यूनिवर्सल अस्पताल, बाईपास रोड ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीज अरुण के हृदय के चारों वाल्व बदलकर उसे नया जीवनदान दिया है। मरीज अरुण जो जिला पलवल का रहने वाला है, को सांस लेने में शिकायत थी। मरीज को बैठे-बैठे सांस फूलता था।

मरीज ने हार्ट का इको फरीदाबाद स्थित बीके अस्पताल में करवाया, जिसमें पता चला कि उसके चारों वाल्व खराब हैं, जिनमें तीन वाल्व लीक कर रहे थे जबकि एक में सिकुडन आ चुकी थी। मरीज के दिल के चारों के तरफ फेफड़े और पेट में पानी भर गया है। मरीज का ऑक्सीजन स्तर 85 प्रतिशत के आसपास था। मरीज काफी गरीब था और उसका प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड बना हुआ था। मरीज दिल्ली के एक नामी अस्पताल में गया वहां उसे ऑपेरशन का खर्चा साढ़े पांच से छह लाख रुपया बताया और यह भी बताया कि यह आयुष्मान भारत योजना का कार्ड बड़े अस्पतालों में नहीं चलता। साथ ही ऑपेरशन में 50 प्रतिशत जान जाने का खतरा बताया। इसके बाद मरीज यूनिवर्सल अस्पताल में आकर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेश जैन से मिला। डॉ. शैलेश जैन ने मरीज की गंभीर अवस्था को देखते हुए कुशल चिकित्सकों की टीम जिसमें डॉ. रीति अग्रवाल, डॉ. संजीव दिवाकर फिजीशियन, डॉ. आर. रहमान कार्डियोलॉजिस्ट को शामिल किया।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय मजदूर संघ ने किया केंद्रीय मंत्री का स्वागत

फरीदाबाद। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल फरीदाबाद में केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय राज्यमंत्री भारी उद्योग एवं ऊर्जा मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और बड़खल विधायिका सीमा त्रिखा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित। जिसमें भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, आर सी कटोच जिला अध्यक्ष, शैलेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष और नीरज त्यागी जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ फरीदाबाद विशेष रूप से शामिल रहे। कई अन्य श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी और उद्योग जगत के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिनमें जीएस त्यागी और जेपी मल्होत्रा प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे। अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर ईट भट्टा महिला कामगारों की स्वास्थ्य व पोषण जांच और नियोक्ता तथा ट्रेड यूनियन संगठन के साथ संवाद के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल फरीदाबाद में पहुंचे भूपेंद्र यादव श्रम एवं रोजगार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा कृष्ण पाल गुर्जर विद्युत एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री का भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि मंडल ने श्रमिकों संबंधित विषयों पर चर्चा की। अशोक कुमार ने हरियाणा में बिजली संकट के बारे में बताया कि बिजली संकट को सकारात्मक सोच में देखें क्योंकि देश तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। बिजली की खपत बढ़ रही है जबकि उत्पादन कम पड़ने लगा है जिसकारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। इसलिए घबराने और चिंता करने के बजाय यह चिंतन का विषय होना चाहिए।

पंजाबी संस्कृति संघ प्रदेश लगायेगा 5100 पौधे

फरीदाबाद। हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ की बैठक सेक्टर 29 कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष हरीश चन्द्र आज़ाद की अध्यक्षता में सम्पपन हुई तथा सभा का आयोजन उपाध्यक्ष अशोक खुराना ने किया। बैठक में सबसे पहले वैसाखी के सफल कार्यक्रम की सभी सदस्यों को बधाई दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हरीश चन्द्र आज़ाद ने कहा कि जिस तरह से पंजाबी संस्कृति ने निर्णय लिया था कि अपनी संस्कृति के लिये कार्यक्रम करेगें तथा देशहित के लिये कार्य भी करेंगे। उसी कड़ी में हम देशहित में स्वच्छ वातावरण के लिये फरीदाबाद में बरसात के मौसम में 5100 पौधे लगवायेंगे। शहर में जहां जहां पौधे लगाने के लिये जगह खाली है। वहां तथा पार्कों में पौधे लगायेंगे। पंजाबी संघ के वरिष्ठ सलाहाकर एंव पूर्व पार्षद सुभाष आहूजा ने कहा कि वह पौधों कों को नर्सरी से दिलवायेंगे तथा ओल्ड फरीदाबाद नगर निगम कार्यालय के बाहर नई सडक़ के आस पास पौधे लगाकर उन्हे हरा भरा करेगें। इस मौके पर उपाध्यक्ष अशोक खुराना, सलाहाकार सुभाष आहूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अश्वनी कालड़ा, उपाध्यक्ष परविन्द्र मल्होत्रा, प्रदेश सचिव नीतू लांबा, उपाध्यक्ष बाद्वराज मक्कड़, प्रदेश सचिव रवि ढुढेजा, प्रदेश सचिव अमित कपूर, युवा उपाध्यक्ष प्रिंस रहेजा, सदस्य विजय कुमार, सदस्य रजत लांबा, हरीश खुराना, सदस्य लोकेश कुमार, रजनी खुराना, भूपेन्द्र नारंग, दलीप मलिक, जगदीश नागपाल, जोगिन्द्र ढूढेजा, अनुज व अध्यक्ष हरीश चन्द्र आजाद उपस्थित थे।

गुर्जर समाज ने की शादी की वेबसाइट लॉन्च

फरीदाबाद। गुर्जर भवन सेक्टर-16 फरीदाबाद में गुर्जर समाज की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय गुर्जर समन्वय समिति के अध्यक्ष चौधरी अंतराम तंवर ने की। वहीं इस मौके पर गुर्जर सभा हरियाणा के अध्यक्ष सीबी रावल, चौधरी ब्रह्म सिंह तंवर दिल्ली, रामफूल सिंह भाटी, चौ. रणबीर सिंह चंदीला, तिलकराज बैंसला, ज्ञानचंद भड़ाना, एडवोकेट प्रकाश वीर नागर विशेष रूप से उपस्थित थे। आए हुए सभी अतिथियों का एडवोकेट राजकुमार ने स्वागत किया। एडवोकेट राजकुमार ने बैठक चर्चा की गई कि आजकल के परिवर्तित समय में समाज के लोगों को अपने बच्चों की शादी विवाह करने के लिए योग्य वर या वधू ढूंढने में बहुत समस्याएं आ रही हैं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखकर गुर्जर समाज की अपनी आवश्यकताओं के अनुसार और समाज के प्रबुद्ध लोगों से सुझाव लेकर गुर्जर विवाह डॉट कॉम के नाम से एक वेबसाइट लॉच की। इसी दौरान समाज के लोगों से आह्वान किया गया है कि जो भी लोग समाज के लिए कुछ करना चाहते है या इस पुण्य के काम में सहभागी बनना चाहते है। उनसे आग्रह है कि वे इस वेबसाइट में एडमिन बनने के लिए वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं ताकि वे अपनी जानकारी में विवाह योग्य बच्चों की प्रोफाइल को अपलोड कर सकें क्योंकि इस वेबसाइट में केवल एडमिन बनकर ही किसी की प्रोफाइल अपलोड की जा सकती है। इसका उद्देश्य यह है कि वेबसाइट पर सही प्रोफाइल ही लोड की जा सके और उसका समुचित लाभ समाज के लोगों को मिल सके ! यह भी कहा गया कि यह एक पुण्य का काम है। इस मौके पर सतीश चंदीला, सुदर्शन नागर, तानिया चौहान आदि मौजूद थे।

पेट्रोल के सदुपयोग को लेकर मैराथन दौड़ का आयोजन

फरीदाबाद। सेक्टर-16ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के इको क्लब एवं एनएसएस तथा लायंस क्लब फरीदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में पेट्रोल एवं मिट्टी को बचाने के लिए सेक्टर 12 पार्क से 2 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की 180 से अधिक छात्राओं व स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया। मैराथन को हरी झंडी दिखाते हुए प्राचार्या डॉ सुनिधि ने कहा कि आज भौतिक सुखों की दौड़ ने मनुष्य के सामने बहुत सी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जिसका प्रमुख कारण मनुष्य द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन है। उन्होंने छात्राओं को प्राकृतिक संसाधनों के सीमित उपयोग करने एवं आसपास के लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इको क्लब इंचार्ज मीनल सभरवाल ने बताया कि मैराथन का आयोजन लायंस क्लब फरीदाबाद के सहयोग से हुआ है जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्राकृतिक संसाधनों को बचाने एवं समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से हुआ है। मैराथन को लेकर छात्राओं में खासा उत्साह नजर आया है। इस मौके पर लायंस क्लब के सदस्य एवं महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सायबरस्पेस सुरक्षा

तानाशाहों से खतरा

तानाशाही शासकों से साइबरस्पेस की सुरक्षा जरूरी है। 60 पश्चिमी देशों के समूह ने एक संयुक्त घोषणापत्र में इंटरनेट की किसी तानाशाह सरकार द्वारा लगाए नियंत्रणों से सुरक्षा की आवश्यकता जताई है। ऐसे समय यह एक स्वागत योग्य कदम है जब मीडिया पर हमले की स्थिति में केवल साइबरस्पेस ही खबरों के प्रसारण का एकमात्र माध्यम बचता है। इस पहल का नेतृत्व अमेरिका ने किया है और इसके समर्थन में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व जापान जैसे देश तथा यूरोपीय संघ के सदस्य हैं। इस घोषणा में ठीक ही कहा गया है कि इंटरनेट को खुला, सुरक्षित तथा सभी लोगों के मानवाधिकारों का संरक्षक होना चाहिए। घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि इसका प्रयोग डिजिटल तानाशाही के अधिक विस्तार के लिए नहीं होना चाहिए। इन देशों से यह सुनिश्चित करने के प्रयासों का आह्वान किया है कि 'डिजिटल तकनीकों के प्रयोग से लोकतंत्र व मानवाधिकार कमजोर होने के बजाय मजबूत हों तथा खोज के अवसर मिलें' एवं समाजों को जोड़ने में सहायता मिले। इंटरनेट को तानाशाहियों के दुरुपयोग से मुक्त करने की आवश्यकता कुछ शासकों में बढ़ती प्रवृत्तियों के कारण अनुभव की जा रही है जो इस पर नियंत्रण करते या इसे पूरी तरह बंद कर देते हैं अथवा सूचनाओं का प्रवाह रोक देते हैं। अधिकांश मामलों में ऐसे नियंत्रण लगाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा या कानून-व्यवस्था का तर्क दिया जाता है। लेकिन सभी जानते हैं कि तानाशाही सरकारें राष्ट्रीय सुरक्षा व कानून व्यवस्था का बहाना बना कर विरोधी स्वरों का गला घोंटती हैं तथा जनता को आतंकित करती हैं। निश्चित रूप से राज्य के पास ऐसे व्यक्ति या समूह को दंड देने का अधिकार होना चाहिए जो इंटरनेट का प्रयोग आतंक फैलाने या आपराधिक उद्देश्य से करता है। लेकिन ऐसे दुरुपयोग की संभावना आम प्रयोगकर्ता को किसी भी समय उसके साइबरस्पेस में भ्रमण करने के अधिकार से वंचित करने का बहाना नहीं बननी चाहिए। इस संबंध में एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'हमने डिजिटल तानाशाही की बढ़ती प्रवृत्ति देखी है जहां कुछ देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचलने का प्रयास करते हैं, स्वतंत्र खबरिया स्रोतों को सेंसर करते हैं, चुनावों में हस्तक्षेप करते हैं, दुनिया में दुष्प्रचार को बढ़ावा देते हैं तथा अपने नागरिकों को अन्य मानवाधिकारों से वंचित करते हैं।'

रूस द्वारा की जाने वाली 'इंटरनेट सेंसरशिप' की ओर इशारा करते हुए अधिकारी ने कहा कि इंटरनेट नीति के इस खतरनाक नए माडल के प्रयोगकर्ताओं में मास्को अकेला नहीं है, बल्कि इसमें चीन लोक गणराज्य तथा दुनिया के कुछ सर्वाधिक सेंसर वाले राज्य शामिल हैं। मजेदार बात है कि 2021 में अधिकतम इंटरनेट शटडाउन वाले देश भारत ने इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसमें विभिन्न देशों का आह्वान किया गया है कि वे 'इंटरनेट शटडाउन अथवा घरेलू इंटरनेट पहुंच को पूरी तरह या आंशिक रूप से कमजोर करने' से बचें। घोषणापत्र में कहा गया है कि 'इंटरनेट या गणितीय औजारों या तकनीकों का प्रयोग अवैध निगरानी, उत्पीड़न व दमन के लिए नहीं होना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सिद्धान्तों के अनुकूल न हों। इनमें घरेलू सामाजिक नियंत्रण अथवा अपराध-पूर्व हिरासत या गिरफ्तारी के लिए सोशल स्कोरकार्ड या अन्य व्यवस्थायें विकसित करना शामिल है।' यह घोषणापत्र इंटरनेट एडवोकेसी समूह की अनेक ऐसी खबरों के बाद आया है कि दुनिया भर में जबरन इंटरनेट शटडाउन की घटनायें पहले की तुलना में 2021 में बढ़ीं। इस दृष्टिकोण से भारत लगातार चौथे वर्ष दुनिया के सबसे बड़े दोषियों में है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब देश में शटडाउन की संख्या में कमी आई है। समय आ गया है कि दुनिया कम से कम साइबरस्पेस में जनता की स्वतंत्रता सुरक्षित करने के कदम उठाए।

महरौली का विवादास्पद पूजास्थल परिसर

संतोष की बात यह है कि दिल्ली की एक अदालत ने कुतुबमीनार परिसर से गणेश जी की मूर्तियां हटाने के खिलाफ आदेश दिया।

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

मीडिया अक्सर सामने आने वाली ऐसी खबरों से भरा है कि किसी अधिकारी का इरादा कुतुब मीनार से सटी 'कुव्वतुल इस्लाम' मस्जिद की बाहरी दीवालों पर लगी दो गणेश भगवान की मूर्तियों को हटाना चाहता था। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण-एएसआई ने इस फर्जी मस्जिद के प्रवेश द्वार के बाहर एक पट्टिका लगवाई थी। इसमें घोषणा की गई थी कि कथित मस्जिद का निर्माण आंशिक रूप से गिराए गए 27 जैन मंदिरों के मलबे से किया गया था। इस इमारत के बारे में 1871 में एएसआई के वरिष्ठ अधिकारी जे.डी. बेगलर ने कहा था कि परिसर के आंगन में अनेक पत्थरों की कई पर्तों को हटाया जाना चाहिए। उस समय यह कहना आसान था कि शायद पहले इस स्थान पर एक विशाल मंदिर बना था। प्रख्यात व्यक्ति इब्न बतूता ने स्पष्ट रूप से कहा था कि यह मस्जिद अनेक मंदिरों में परिवर्तन कर बनाई गई थी।

उसने लिखा कि मस्जिद के स्थान पर पहले एक बुतखाना या अनेक मूर्तियों वाला स्थल था। दिल्ली पर विजय के बाद मुस्लिम शासकों ने इसे मस्जिद में बदल दिया। शताब्दियों पहले हुए भारी विध्वंस के बावजूद आज भी भगवान गणेश की मूर्तियां मंदिर की नीव में दिखाई देती हैं। संभवत: महरौली में विध्वंस पहली बार मुहम्मद गौरी ने करवाया था।

यह स्थल प्रख्यात कुतुब मीनार से सटा हुआ है। मस्जिद उस स्थान पर बनी है जिसे पहले किला राय पिथौरा कहा जाता था। मंदिरों के स्थान पर मस्जिद बनाने का सिलसिला 1192 में तराइन युद्ध के फौरन बाद शुरू हुआ था जिसमें मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को हरा दिया था और बाद में उनका वध कर दिया था। तराइन के पहले युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने गौरी को हरा दिया था, लेकिन बाद में उसे आजाद कर दिया। दिल्ली के शासक और महान नायक पृथ्वीराज चौहान के दिमाग में 'क्षमा वीरस्य भूषणम' यानी पराजित को माफ करने का विचार था। 'आक्सफोर्ड हिस्ट्री आफ इस्लाम' में दिए वर्णन के अनुसार दिल्ली में बड़ी संख्या में नमाजियों को जगह देने वाली इस मस्जिद का नाम कुव्वतुल इस्लाम था और यह भारत में अपने किस्म का पहला निर्माण था। 1192 में बनना शुरू होने वाली इस विशाल मस्जिद के स्थान पर इस्लाम आने के पहले अनेक मंदिर थे जिनके विध्वंस के बाद बचे खंडहरों को मस्जिद में शामिल कर लिया गया। आंगन में लगा ऊंचा लौह स्तंभ मूलत: भगवान विष्णु को समर्पित था और इसका निर्माण 400 ईस्वी में हुआ था। बाद में इसे हिंदुस्तान पर इस्लाम की विजय के एक प्रतीक के रूप में पुन: खड़ा किया गया। इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि हजारों मंदिरों को ध्वस्त किया गया या मस्जिदों में बदल दिया गया। इसका प्रमाण ढांचों पर बनी आकृतियों या इस्लामी शासकों के इतिहासकारों से मिलता है।

इतिहास और पहचान के इस संदर्भ से बाहरी दीवाल में लगी शानदार नक्काशी वाली दो गणेश मूर्तियां अमूल्य हैं। जिस भी व्यक्ति ने कुतुब परिसर से भगवान गणेश की मूर्तियां हटाने की याचिका दायर की, उसका इरादा स्पष्ट रूप से दुष्टतापूर्ण था। वह दिल्ली में सुल्तान वंश के शासकों द्वारा कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद बनाने के लिए मंदिरों के विध्वंस की बात छिपाना चाहता था।

इतिहास और पहचान के इस संदर्भ से बाहरी दीवाल में लगी शानदार नक्काशी वाली दो गणेश मूर्तियां अमूल्य हैं। जिस भी व्यक्ति ने कुतुब परिसर से भगवान गणेश की मूर्तियां हटाने की याचिका दायर की, उसका इरादा स्पष्ट रूप से दुष्टतापूर्ण था। वह दिल्ली में सुल्तान वंश के शासकों द्वारा कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद बनाने के लिए मंदिरों के विध्वंस की बात छिपाना चाहता था। लेकिन यह संतोष की बात है कि दिल्ली की एक अदालत ने भगवान गणेश की मूर्तियों को कुतुब परिसर से हटाने की याचिका खारिज कर दी।

अतिरिक्त जिला न्यायालय ने एएसआई को आदेश दिए कि अगले आदेशों तक कुतुब परिसर से भगवान गणेश की दो मूर्तियां न हटाई जाएं। यदि गणेश जी की मूर्तियां परिसर से हटा दी जातीं तो इसका अर्थ हमारी विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से का सभ्यतामूलक परिवर्तन होता। इसके साथ ही यह हिंदुओं का मौन अपमान भी होता। सबसे बुरी बात है कि इसका अर्थ एक अमूल्य प्रमाण से छेड़छाड़ होता जिसके बिना भविष्य में कोई पुरातात्विक व सभ्यतामूलक पुनरुत्थान बहुत कठिन हो जाता।

कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद ने नष्ट किए गए 27 हिंदू व जैन मंदिरों को मस्जिद में बदल दिया था। यह जनता के अपमान व उत्पीड़न का प्रतीक है। यदि ऐसा न होता तो उन सभी छोटी मूर्तियों का बेशर्मी से प्रदर्शन न किया जाता जो अब भी मस्जिद के स्तंभों पर बनी हुई हैं। जैसा कि पहले था वैसा ही 800 साल बाद आज भी है कि विजेता इनको देख सकते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अलीगढ़ के सर सैयद अहमद खान ने इन 27 मंदिरों के विनाश का वर्णन बहुत गर्व से किया है। इसे देख कर सर अहमद और उनकी सोच के बारे में किसी की भी धारणा टूट सकती है। उनके लेखन को उनकी मूल कृतियों में सबसे अच्छी तरह देखा जा सकता है। उर्दू में लिखी उनकी पुस्तक असार-उस-सनादीद का दिल्ली के प्रोफेसर खालिक़ अंजुम ने अंग्रेजी में अनुवाद किया था। शहाबुद्दीन गौरी ने दिल्ली में एएच 587 में कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद दीन का निर्माण करवाया था जो 1191 ईस्वी तथा 1248 विक्रमी है। राय पिथौरा के इस मूर्ति स्थल या मंदिर को मस्जिद में बदल दिया गया। मंदिर से मूर्तियां बाहर ले जाई गईं, दीवालों या दरवाजों या स्तंभों पर बनी कुछ छवियां पूरी तरह हटा दी गईं और कुछ के चेहरे बदल दिए गए।

लेकिन मूर्ति स्थल या मंदिर का ढांचा पहले जैसा बना रहने दिया गया। 27 मंदिरों की सामग्री का मूल्य पांच करोड़ या चालीस लाख दिलवाल था। उसका प्रयोग मस्जिद बनाने में किया गया और पूर्वी फाटक पर एक शिलालेख लगाया गया जिसमें विजय की तारीख तथा विजेता का नाम लिखा था। अलीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक ने जिस शान से यह सारा वर्णन किया वह वास्तव में आश्चर्यजनक है। उस समय भारत की राजधानी कोलकाता थी। यदि राजधानी दिल्ली आ गई होती तो शायद उनका आनन्द कई गुना बढ़ जाता। भारत पर वर्तमान समय में शासन करने वाली रायसीना पहाड़ी महरौली से कुछ ही किलोमीटर दूर है जहां हिंदू अपमान का प्रतीक अब भी खड़ा है।

भारत-आस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता

विनोद गिरि
(लेखक भारतीय एल्कोहलिक बेवरेज कम्पनी के महानिदेशक हैं)

भारत का एक प्रमुख विकसित देश ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना ऐतिहासिक है। यह सही संकेत देता है कि भारत न तो व्यापार के लिए बंद है और न ही अमीर देशों से निपटने से डरता है। हमारी अवचेतन स्मृति पर भारित ईस्ट इंडिया कंपनी की यादें आखिरकार उठा रही हैं।

भारत की पेशकश पर रियायतें देने के लिए पश्चिमी देशों की अनिच्छा से इस दुविधा में मदद नहीं मिली, जबकि उन्होंने अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए बाजार तक पहुंच में बाधा डाली। यह ऐसा था जैसे पश्चिम का मानना था कि पश्चिमी उत्पाद और सेवाएं स्वाभाविक रूप से भारत की पेशकश की तुलना में बेहतर थीं।

खैर, यह बदल रहा है। यदि एकल माल्ट व्हिस्की मादक पेय पदार्थों में विवेक का शिखर है, तो अमृत, पॉल जॉन या रामपुर जैसे भारतीय उत्पाद शिखर की सवारी कर रहे हैं, जिसे आलोचकों और विशेषज्ञों द्वारा समान रूप से दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के रूप में दर्जा दिया गया है। भारत में भी, सबसे ज्यादा बिकने वाली सिंगल माल्ट व्हिस्की प्रसिद्ध ग्लेन्स नहीं है, बल्कि बेंगलुरु के हमारे अपने पॉल जॉन हैं। और यह उसी कीमत पर बिकता है, ध्यान रहे। जैसा कि हम जानते हैं, एक अच्छे व्यापार सौदे के चार आधार होते हैं।

(ए) यह दोनों पक्षों को समान अवसर प्रदान करता है, (बी) टैरिफ दरों को वास्तविक स्तर की क्षेत्रीय शाम को असमानताओं को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, (सी) टैरिफ और गैर-टैरिफ दोनों मुद्दों को कवर करने वाला व्यापक है, और (डी) दुरुपयोग को रोकने के लिए तंत्र है।

भारत ऑस्ट्रेलिया एफटीए इन सभी पर मादक पेय पदार्थों की आपूर्ति करता है। सबसे पहले, यह ताकत के क्षेत्रों - ऑस्ट्रेलिया के लिए वाइन, भारत के लिए शराब को पहचानकर आपसी अवसरों को बढ़ाता है। यह ऑस्ट्रेलियाई वाइन के लिए तुरंत भारतीय बाजार पहुंच में सुधार करता है, और ऑस्ट्रेलिया को भारतीय शराब के निर्यात को किकस्टार्ट करने के मार्ग की रूपरेखा तैयार करता है।

दूसरे, यह अन्तर्निहित असमानताओं को तौलते हुए टैरिफ में कमी की मात्रा और चरणबद्धता निर्धारित करता है। उच्च पूंजी लागत, पैमाने पर नियामक प्रतिबंधों और वाष्पीकरण के नुकसान के कारण भारतीय निर्माताओं को लागत नुकसान का सामना करना पड़ता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, वाइन पर शुल्क वर्तमान 150त्न से तुरंत 100त्न तक और फिर 10 वर्षों के क्षितिज में 50त्न तक कम करना है। भारतीय पक्ष में असमानताओं को दूर करने के लिए 50 प्रतिशत का समापन बिंदु अच्छी तरह से रखा गया है। चरणबद्ध एक सहज संक्रमण सुनिश्चित करता है। पश्चिमी देशों द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए उत्पाद और प्रक्रिया मानकों के रूप में गैर-टैरिफ बाधाओं के कारण भारतीय मादक उत्पाद यूरोप, यूके और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात करने में असमर्थ हैं। शराब के मामले में, जहां भारत एक प्रमुख उत्पादक है, यूरोपीय मानकों के अनुसार स्प्रिट को कम से कम 3 वर्षों के लिए परिपक्व होना आवश्यक है। यह इस बात पर विचार नहीं करता है कि गर्म भारतीय जलवायु में आत्मा 3-5 गुना तेजी से परिपक्व होती है और ठंडे स्कॉटलैंड में प्रति वर्ष 1-2 प्रतिशत की तुलना में वाष्पीकरण के नुकसान (जिसे एंजेल का हिस्सा कहा जाता है) में हर साल 10 प्रतिशत खो देता है। भारत में 3 साल के लिए परिपक्व होने वाली आत्मा का मतलब है कि 30 प्रतिशत तरल खो गया है। इसका बिना किसी संगत लाभ के लागत पर बहुत स्पष्ट प्रभाव पड़ता है क्योंकि एक वर्ष से भी कम समय में समान परिणाम प्राप्त होता। यह भारतीय उत्पादों को अप्रतिस्पर्धी बनाता है। भारत-ऑस्ट्रेलिया एफटीए इस मुद्दे को पहचानता है और भले ही यह तत्काल समाधान की पेशकश नहीं करता है, लेकिन यह इसे समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए एक मार्ग की रूपरेखा तैयार करता है। यह एक शानदार जीत है। अंत में, एफटीए प्लग प्रीडेटरी प्राइसिंग और डंपिंग की शर्तों को न्यूनतम आयात मूल्य 5 डॉलर प्रति 750 मिलीलीटर की अवधारणा पेश करके। यह सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतरीन उपकरण है कि कम शुल्क व्यवस्था का लाभ उठाकर सस्ते उत्पादों को आगे नहीं बढ़ाया जाए। यह अंडर-इनवॉइसिंग से सरकारी राजस्व की भी रक्षा करता है, जो वैश्विक व्यापार में इतनी असामान्य प्रथा नहीं है। इसके अलावा, एफटीए दी गई रियायतों का लाभ उठाने वाले तीसरे देश के उत्पादों के ट्रांस-शिपमेंट को रोकने के लिए उत्पत्ति के नियमों को स्पष्ट करता है।

एफटीए कम से कम मादक पेय क्षेत्र के लिए व्यापार को खोलने और घरेलू हितों की रक्षा करने के परस्पर विरोधी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक संतुलित करता है। इसे निश्चित रूप से यूरोप और यूके के साथ भविष्य के एफटीए के लिए मानक टेम्पलेट के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

सरकार के लिए भारी राजस्व उत्पन्न करने और किसानों और श्रमिकों की संख्या का समर्थन करने के बावजूद भारत में मादक पेय लंबे समय तक छाया में रहने के लिए मजबूर हैं। एफटीए का हिस्सा होने के कारण यह सूर्य के प्रकाश में आता है। अगला प्राकृतिक कदम निर्यात को बढ़ावा देना होगा। वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा 0.3 प्रतिशत से भी कम (220 अरब डॉलर) है। यह फ्रांस (18 बिलियन डॉलर), यूके 10 बिलियन डॉलर) या यहां तक कि विकासशील मेक्सिको (6.4 बिलियन) जैसे देशों के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। भारत में बड़ी आसवन क्षमता के साथ-साथ फेनी, महुआ आदि जैसे कई अनूठे उत्पाद हैं। शराब के निर्यात से चीनी उद्योग के अधिशेष का प्रबंधन करने में भी मदद मिलेगी।

मुक्त व्यापार समझौते के तहत निर्यात भी एक संघीय निकाय के तहत समान मानकों और प्रोटोकॉल की मांग करता है। अल्कोहल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा अब भारत की अच्छी सेवा की जाएगी।

आप की बात

मातृभाषा का सम्मान करें

हिंदी हमारी मातृभाषा हैं, भले ही हिंदी को लेकर किसका नजरिया कैसा भी हो हर किसी को हिंदी का सम्मान करना चाहिए। अगर अंग्रेजी नहीं आती तो शान से हिंदी बोलनी चाहिए। पिछले दिनों बॉलीवुड के अभिनेता अजय देवगन ने हिंदी को लेकर कन्नड़ के एक स्थापित कलाकार को हिंदी के ऊपर टिप्पणी करने पर करारा जवाब दिया, सही भी किया! दक्षिण भाषी राज्यों में भाषा के नाम पर दंगे होना आम बात हैं उन्हें हिंदी की चिंता नहीं सिर्फ अपनी राज्य क्षेत्र की भाषा की फ़िक्र हैं। चाहे कोई कितना बड़ा सैलिब्रिटी बन जाते हैं, उसे हिंदी का सम्मान करना चाहिए। जब कोई हिंदी भाषी किसी उच्च पद पर पहुंच जाता है तो उसे हिंदी बोलने में शर्म लगती है, वह बड़े गर्व से कहता है कि 'यू नो माई हिंदी इज नाट दैट गुड' यह शर्म की बात है! हिंदी अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा से कोई विरोध नहीं, लेकिन विरोध न होने का यह मतलब भी नहीं कि आप अपनी श्रेष्ठता के नाम पर हिंदुओं और हिंदी भाषियों को हर बार नीचा दिखाएं। जमीनी हकीकत यह है कि स्कूली स्तर पर अंग्रेजीकरण हो रहा ही, जिससे नई पीढ़िया हिंदी को नजरअंदाज कर रही हैं। किसी भी देश में भले ही बहुभाषी लोग हो मगर एक भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है।

- **विभुक्ति बुपक्या**, आष्टा, मप्र

ऐसे अपराध की कड़ी सजा मिले

एक कर्मचारी अपने जीवन में 30 से 35 साल की शासकीय नौकरी पूरी करने के बाद जब वह पेंशन धारक बनता हैं तब वह उसकी जिंदगी भर की कमाई का सरमाया रहता है उसे अपनी सेवा के बदले में पेंशन का हक पाना तो बनता है क्योंकि उसकी बुढ़ापे की लाठी यही टेंशन ही रहती है ये उसकी दाल -रोटी का इंतजाम भी कह सकते हैं कारण अक्सर जिन बच्चों की पढ़ाई पूर्ण होने के बाद उनकी नौकरी लगते ही जब उनकी शादी हो जाती है तब कई बार लड़के अपनी पत्नी के कहने में आकर अपने माता पिता को छोड़कर चले जाते हैं तब दो टाइम की दाल रोटी के लिए उनके सामने एक बड़ी समस्या रहती है तब यह शासन द्वारा दी जाने वाली पेंशन ही उन्हें एक बड़ा सहारा देती है। एक समाचार पढ़ा की फतेहाबाद की 58 वर्षीय विधवा माया देवी को मृत घोषित दिखाकर उनकी पेंशन बंद कर दी गई इसी तरह से यमुनानगर के 9 व्यक्तियों को भी मृत बताकर कर उन्हें भी पेंशन से वचिंत कर दिया गया । अब ये सभी कर्मचारी स्वयं को जीवित दिखाने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं ऐसे में जो पीड़ा और अपमान इन्हें झेलना पड़ रही है उसका तो कुछ कहना ही क्या?

- **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

आरक्षण का आधार

देश में आरक्षण की प्रासंगिकता पर खुली बहस एवं समीक्षा के उपरांत न्यायपूर्ण निर्णय लेने का समय आ गया है, क्योंकि आरक्षण के माध्यम से रोजगार पाने वालों के अंक जब अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से अधिक आने लगें, तब यह समझना नितांत जरूरी है कि प्रतिभाओं को जातीय आरक्षण की कोई आवश्यकता नही है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी एक फैसले में कहा है कि मेरिट बेहतर हो तो अभ्यर्थी सामान्य कोटे का हकदार है, यानी ऐसे में उसे अनारक्षित कोटे में माना जाना चाहिए। मेरा मानना है कि स्वाधीनता के उपरांत से आरक्षण की सीमा और अवधि बढ़ा बढ़ा कर देश की राजनीति को आरक्षण के नाम पर समाज को विभाजित करने का अवसर प्रदान किया गया है। सो अब क्यों न आरक्षण की समीक्षा करके इसे पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया जाए तथा दुर्बल आय वर्ग के बालकों को भले ही वे किसी भी जाति या धर्म से जुड़े हों, प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी कराई जाए। आरक्षण जातिगत आधार पर न होकर केवल दुर्बल आय वर्ग के लिए हो। वह भी मात्र दस प्रतिशत।

- **डॉ. सुधाकर आशावादी**, मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

मैं केवल यूपी की मुख्यमंत्री या देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना देखती हूं, कभी भी राष्ट्रपति बनने का नहीं।

- **मायावती**
बसपा सुप्रीमो

भारत इतना विविधतापूर्ण देश है कि वहां एक राष्ट्रीय भाषा नहीं हो सकती है। भारत का विचार सबको स्थान देना है।

- **उमर अब्दुल्ला**
जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

भाइयों, बहनों, हम इस्राइल को भीतर से तोड़ने वाला गुटबाजी का खेल नहीं चलने देंगे।

- **नफ्ताली बेनेट**
इस्राइली प्रधानमंत्री

ब्लाक स्तर पर गौशालाएं स्थापित करने की योजना बनाएं

● अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद पर बिजली आपूर्ति सुचारू रखें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गाय तथा गौवंश के पुर्नवास तथा उनको सुरक्षित स्थान पर रखने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खासे चिंतित हैं। उन्होंने भीषण गर्मी से इन्हें बचाने के लिए ब्लाक स्तर पर बड़े गौ-आश्रय स्थल बनाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने रविवार को टीम-9 के अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि एक ही स्थान पर दो से ढाई हजार गायों को समायोजित करने की क्षमता वाली गौशाला बनाएं। उन्होंने कहा कि ब्लाक स्तर पर गौशालाएं स्थापित करने की योजना बनाएं। सभी गौशालाओं में व्यवस्था सुचारू रूप से रखी जाए। गायों को गर्मी या धूप से सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवंश को गर्मी अथवा धूप से सुरक्षित रखने के प्रबंध किए जाएं। हरा चारा, भूसा आदि के समुचित प्रबंध हों। इन दिनों गेहूं की कटाई चल रही है। ऐसे में पशु चारे की खरीद अभी कर लेना उचित होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि दुग्ध समितियों के गठन की प्रक्रिया को और तेज करने की अपेक्षा है। इस प्रक्रिया के गति मिलने से दूध तथा इससे बनने वाले खाद्य पदार्थ का उत्पादन भी ब्लाक स्तर पर हो सकेगा। इसमें लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और वह लोग काम में व्यस्त रहेंगे।

सीएम ने कहा कि 15 करोड़ गरीब जनता के सुचारु भरण-पोषण के लिए सरकार मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। केन्द्र सरकार की ओर से भी मुफ्त राशन दिया जा रहा है। राशन के अतिरिक्त दाल, नमक और खाद्य तेल भी दिया जा रहा है। अंत्योदय कार्ड धारकों को चीनी भी मुफ्त दी जा रही है। व्यापक जनहित की यह योजना सुव्यवस्थित रूप से चलती रहे, इसके लिए वितरण सामग्री की उपलब्धता, वितरण प्रणाली आदि की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाती रहे। बैठक में सीएम ने कहा कि अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद के अवसर पर बिजली आपूर्ति सुचारू रखें। अनावश्यक कटौती न हो। धर्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता, पेयजल आदि के प्रबंध किए जाएं। लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी उपभोक्ता को गलत बिजली बिल न मिले और सभी को समय से बिल मिल जाए। ओवरबिलिंग अथवा विलंब से बिल दिया जाना उपभोक्ता को परेशान तो करती ही है, व्यवस्था के प्रति निराश भी करती है और वह बिल जमा करने के प्रति उत्साहित नहीं होता। ऐसे में समय से बिल और सही बिल दिया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

टेस्टिंग और टीकाकरण को और रफ्तार दें: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● बीते 24 घंटे में प्रदेश में मिले कोरोना संक्रमण के 269 नए केस, चार जिलों में अलर्ट जारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उच्चस्तरीय बैठक में कोविड गाइडलाइन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि एनसीआर के जिलों व लखनऊ में लिए सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क की अनिवार्यता को प्रभावी बनाया जाए। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन के लिए जागरूक किया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। इसके साथ ही स्कूलों में कोविड प्रोटोकॉल का बारे में बच्चों को जागरूक भी किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। चौथी लहर को लेकर सभी टीमें अलर्ट मोड पर जमीनी स्तर पर मोर्चा संभालें हुई हैं। गांव और शहरी क्षेत्रों में तेजी से टेस्टिंग और टीकाकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में सीएम को अवगत कराया गया कि बीते 24 घंटों में प्रदेश में कुल 1587 एक्टिव केसों की पुष्टि हुई। प्रदेश में 99 फीसदी लोग होम आइसोलेशन में हैं। जिनके स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जा रही है। सर्वाधिक आबादी वाले यूपी में कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। पिछले दो हफ्तों से एनसीआर के जिले गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में केस तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 269 नए केस की पुष्टि हुई है। जिसमें गौतमबुद्ध नगर में 117, गाजियाबाद में 55, लखनऊ में 26 और आगरा में 15 नए केसों की पुष्टि हुई। इन चार जिलों में अलर्ट जारी किया गया है।

सीएम ने कहा कि जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया को अनिवार्य करें। प्रदेश में कम से कम डेढ़ लाख कोविड टेस्ट किए जाएं। पॉजिटिव पाए जा रहे लोगों का सैम्पल लेकर जीनोम सिक्वेंसिंग का काम लगातार किया जाए। यूपी में अब तक 11 करोड़ 14 लाख से अधिक कोविड टेस्ट किए जा चुके हैं। जबकि कोविड टीके की 31 करोड़ 49 लाख डोज दी जा चुकी है। 18 से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज दी चुकी हैए जबकि 88 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 95.33 प्रतिशत से अधिक किशोरों को पहली खुराक और 66.84 प्रतिशत से किशोरों को दोनों डोज दी जा चुकी हैं। 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण को और तेज किए जाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपति डॉ. बिमल एन. पटेल ने भेंट की।

छह मई से शुरू होगा मिशन शक्ति का चौथा चरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिये योगी सरकार मिशन शक्ति अभियान के चौथे चरण की शुरुआत छह मई से करने जा रही है। चौथा चरण नए कलेवर में नजर आएगा। महिलाओं और बेटियों के उत्थान और उनके सुरक्षा सम्मान व स्वावलंबन के लिए शुरू किए गए इस महाभियान से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की परिवेश से जुड़ी महिलाओं व बेटियों को संबल मिला है। ऐसे में मिशन शक्ति के बेहतर परिणामों के चलते सरकार अभियान को गति देने की कवायद शुरू हो गई है।

महिला कल्याण विभाग के निदेशक मनोज राय ने बताया कि प्रदेश में योगी सरकार के पिछले कार्यकाल में मिशन शक्ति अभियान में सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाने संग स्वर्णिम योजनाओं से बेटियों और महिलाओं को जोड़ा गया था। इस बार भी प्रदेश के अलग-अलग विभाग मिशन शक्ति के तहत विशेष कार्यक्रमों को आयोजित कराएंगे। महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा से जुड़े विभिन्न कानूनों व प्रावधानों के बारे में लोगों जागरूक करने का कार्य सभी जिलों में किया जाएगा। जिसमें महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, नशे में मारपीट, तस्करी, बाल विवाह, भेदभाव, मिशन शक्ति अभियान के तहत एक मई से बाल श्रम और बाल विवाह के खिलाफ ऑपरेशन मुक्ति की शुरूआत रविवार से हुई। महिला कल्याण बाल विकास विभाग की ओर से प्रदेश भर में सात दिनों तक यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

राष्ट्र निर्माण में मजदूरों का बहुत बड़ा योगदानः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी भी देश के विकास में मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान होता है क्योंकि देश को बनाने की नींव मजदूर ही रखते हैं। इन्हीं को सम्मान मे प्रतिवर्ष 1 मई को श्रमिक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा मजदूरों का न केवल सम्मान करना है बल्कि उनके अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक कर उनके अधिकारों को सुरक्षित रखने का संकल्प मजदूर दिवस के अवसर पर हम सबको लेना चाहिए। मनरेगा कार्यक्रम ग्रामीण प्रगति का वाहक है। मनरेगा सबसे बड़ा सामाजिक कल्याण कार्यक्रम है, इस कार्यक्रम से ग्रामीण क्षेत्र के लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में कामयाबी मिली है। केशव प्रसाद मौर्य ने यह बात रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कही। इस अवसर पर उन्होंने मनरेगा श्रमिकों को सम्मानित भी किया।

उन्होंने कहा कि जिन मनरेगा श्रमिकों ने 100 दिन का काम कर लिया है, उनका श्रम विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण संबंधित गांव के रोजगार सेवक उनकी मदद करते अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित कराएं। इस काम को अभियान चलाकर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के पोर्टल पर श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन हो जाने से उन्हें बिना प्रीमियम दिए ही दो लाख का बीमा हो जाता है, बच्चों की शिक्षा, इलाज, मातृत्व योजना तथा राज मिस्त्री को प्रशिक्षण आदि की सुविधाएं भी श्रमिकों को दी जाती है। उन्होंने कहा कि अभी तक मनरेगा के तहत 11 लाख 37 हजार श्रमिकों का श्रम विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन हुआ है लेकिन जिन लोगों का रजिस्ट्रेशन अभी पूरा नहीं हुआ है उनका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रूप से करा लिया जाए ताकि श्रमिकों के परिवारों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का भरपूर लाभ समय से मिल सके। कहा कि उत्तर प्रदेश में 34419 महिला मेट चयनित किए हैं और 19000 महिला मेटों का प्रशिक्षण भी हो गया है । उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना के तहत जहां ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली लानी हैए वहीं महिलाओं को सशक्त और स्वावलम्बी भी बनाना है। उन्होंने कहा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। मनरेगा के तहत 5 वर्ष में 135 करोड़ 76 लाख मानव दिवस सृजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत गांव में खुशहाली लाने के लिए बकरी, मुर्गी आदि के लिए सेड बनाने की भी व्यवस्था मछली पालन के लिए तालाब बनाने आदि की भी व्यवस्था की गई है।

यूपी-112 को अपग्रेड करने के लिए बनी 3600 करोड़ रुपये की कार्ययोजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का असर दिखना शुरू हो गया है। योगी 2.0 में कानून व्यवस्था के मामले में यूपी पुलिस को देश में नंबर एक पुलिस बनाने की तैयारी है। इसीलिए किसी भी मुसीबत में औसतन 12 मिनट में पहुंचने वाली यूपी 112 का रिस्पांस टाइम घटाकर 10 मिनट से कम करने का प्रयास शुरू हो गया है। इसके लिए कार्य योजना बनाकर चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। सीएम योगी के सामने हाल ही में गृह विभाग ने सूक्ष्म, लघु और दीर्घकालीन रणनीति का प्रस्तुतिकरण किया था जिसमें सीएम ने यूपी 112 के रिस्पांस टाइम को घटाने के निर्देश दिए थे। सीएम के निर्देश पर गृह विभाग ने यूपी 112 को अपग्रेड करने के लिए करीब 36 सौ करोड़ रुपए की कार्य योजना बनाई है। आने वाले समय में एनएचआईए, यूपीडा 1033, यीडा 1070 और आपदा हेल्प लाइन 1070 हेल्पलाइन को भी यूपी 112 से कनेक्ट किया जाएगा। इसके अलावा मौजूदा फ्लीट में 13 सौ चार पहिया और पांच सौ दुपहिया पीआरवी को जोड़ा जाएगा और पुराने पीआरवी को बदला जाएगा। साथ हीए इन वाहनों में जीपीएस डिवाइस और फ्लीट के अन्य उपकरण भी दिए जाएंगे। वर्तमान में यूपी 112 को कॉल करने पर दो से ढाई मिनट संबंधित व्यक्ति की लोकेशन समझने और पुलिस बल भेजने में समय लगता है। इस समय को घटाने के लिए गूगल के इमरजेंसी लोकेशन सर्विस के साथ यूपी 112 को जोड़ा जाएगा। इससे यूपी 112 को संबंधित व्यक्ति की लोकेशन खोजने में तत्काल मदद मिलेगी। पूरे प्रदेश में यूपी 112 की सुविधा लोगों को देने के लिए संसाधनों में इजाफा किया जाएगा और अधिक से अधिक तकनीक के उपयोग पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए करीब 65 हजार और पुलिस कर्मियों की जरूरत होगी। यूपी 112 में स्वचालित तकनीकी का उपयोग कर चैट बोट के माध्यम से सोशल मीडिया और एसएमएस में लगने वाले मानव संसाधन को कम किया जाएगा। लोगों का फीडबैक भी आटोमेटिक होगा। जिससे कम से कम मानव संसाधन होगा। 19 नवंबर 2016 से 28 फरवरी 2022 तक यूपी 112 को 12 करोड़ से अधिक लोगों ने कॉल किया है। इसमें साढ़े 33 लाख लोगों ने चिकित्सा संबंधी, ढाई लाख आग से संबंधी और 18 लाख महिला संबंधी कॉल यूपी 112 को आई हैं। फिलहाल यूपी 112 को रोजाना 60 हजार कॉल लोग करते हैं। वर्तमान में यूपी 112 के पास 32 सौ चार पहिया और 16 सौ दुपहिया पीआरवी हैं।

विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के हर सम्भव प्रयास हो रहेः एके शर्मा

● ऊर्जा मंत्री ने निर्बाध विद्युत सप्लाई के लिए जालौन में सब स्टेशन का किया दौरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रविवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जालौन ज़िले के 33 केवी विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने फीडर ओवरलोड के लिए क्षमता विस्तार एवं सामान्य मेन्टिनेंस के कई मुद्दों पर ज़रूरी निर्देश दिए। आवश्यक उपकरणों के रखरखाव एवं इसकी पर्याप्त उपलब्धता पर भी ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने सम्बंधित कर्मचारियों, अधिकारियों को विद्युत फाल्ट एवं जर्जर लाइनों व पोलो तथा झूलते तारों को आवश्यकतानुरूप समय से ठीक करने। साथ ही खराब ट्रांसफॉर्मर को समय से बदलने व रिपेयर करने के भी निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया है कि 24 घंटे सातों दिन सभी अपने फोन चालू रखे और जनता से संवाद करने में तथा उनकी समस्यओं के समाधान में ढिलाई न बरतें। छुट्टियों में तथा रात में भी जरूरत पड़ने पर ईमानदारी से कार्य करें।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के हर सम्भव प्रयास हो रहे हैं। कुछ स्रोतों से आज से अतिरिक्त बिजली मिलने की शुरुआत हो रही है। जिससे स्थिति बेहतर होगी। विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के क्रम में अनपरा ताप विद्युत गृह की इकाइयों के लिए 10 लाख मीट्रिक टन कोयला नार्दन कोल फील्ड लिमिटेड की खदानों से रेल के साथ-साथ रोड मार्ग से भी लाया जा सके इसके लिए निर्णय लिया गया है। इस अतिरिक्त कोयले की आपूर्ति से अनपरा उत्पादन गृह में कोयले का पर्याप्त भण्डारण बना रहेगा, जिसका उपयोग अवश्यक्तानुसार विद्युत उत्पादन में किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देशित किया है कि रेल्वे के रेक को जल्दी ख़ाली करने के प्रयास किए जायं जिससे वो कोयला लाने के लिए ज़्यादा फेरा कर सकें। उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए विद्युत संयंत्रों की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। टोल फ्री नम्बर 1912 की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। स्थानीय दोषों के पूर्वानुमान सहित उनको कम से कम समय में ठीक कराने की कोशिश हो रही है। जिससे जो विद्युत उपलब्ध है वह उपभोक्ताओं तक निर्बाध पहुँचे। उधर कारपोरेशन चेयरमैन ने शक्ति भवन में अधिकारियों के साथ बैठक में कहाकि एक मई रविवार से रात 12 बजे से प्रातः पांच बजे तक 1686 मेगावाट अतिरिक्त बिजली राज्य को मिलने लगी है। इसमें काम्पटीटीव बिडिंग के माध्यम से 838 मेगावाट, हाइड्रो के माध्यम से 131 मेगावाट तथा मध्य प्रदेश और राजस्थान से 717 मेगावाट बिजली बैंकिंग से मिलनी शुरू हो गई है। इस अतिरिक्त बिजली से विधुत आपूर्ति में एक से डेढ़ घंटे का सुधार हुआ है। विपरीत परिस्थितियों में भी महानगरों तथा जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे बिजली दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत जरूरी होने पर ही बिजली काटी जाए। पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में आंधी-तूफान आने से बिजली की मांग में थोड़ी कमी आई है। चेयरमैन ने निर्देश दिए कि तकनीकी कारणों से बिजली उत्पादन की जो इकाइयां बंद हैं उन्हें जल्द चालू कराने का प्रयास किया जाए। बैठक में यह बताया गया कि सभी वितरण निगमों में उपभोक्ताओं की सेवा के लिए 24 घंटे कंट्रोल रूप चालू कर दिया गया है। पिछले 10 दिनों से चली आ रही किल्लत के बाद रविवार को बिजली सप्लाई की स्थिति कुछ बेहतर हुई। 1686 मेगावाट अतिरिक्त बिजली का प्रबंधन हो जाने से गांवों और कस्बों में जहां बिजली की भारी कटौती की जारी थी। वहां कटौती के घंटे कम कर दिए गए। बिजली की मांग यदि और नहीं बढ़ी तो अगले दो तीन दिन में पावर कारपोरेशन प्रबंधन शिड्यूल के मुताबिक बिजली देने की स्थिति में आ सकता है। रविवार को उत्पादन गृहों के कोयले के स्टाक में भी आंशिक सुधार हुआ। पारीछा जहां पर पिछले कुछ दिनों से लगातार एक दिन का स्टाक शेष रहता था, रविवार को दो दिन का स्टाक था। अनपरा पांच दिन, ओबरा तीन दिन व हरदुआगंज उत्पादन गृह के पास चार दिन के कोयले का स्टाक था। मांग के मुताबिक करीब 2000 मेगावाट बिजली की उपलब्धता कम है। 30 अप्रैल को राज्य में बिजली की अधिकतम मांग 21445 मेगावाट रही। कई दिनों बाद इस दिन गांवों को 12 घंटे बिजली देने में सफलता मिली। इससे पूर्व के दिनों में गांवों को बामुश्किल से नौ घंटे बिजली दी जा रही थी।

बिजली आपूर्ति को लेकर कोल सचिव ने की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय ऊर्जा सचिव आलोक कुमार ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग कर पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज से राज्य की बिजली व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने यूपी को पर्याप्त बिजली मुहैया कराने में हर संभव सहयोग की बात कही। इस कांफ्रेन्स में कोल इंडिया, रेलवे, एनटीपीसी के अधिकारी भी जुड़े थे। चेयरमैन ने रविवार को शक्ति भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर बिजली की उपलब्धता और उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

पेंशन दावों के निस्तारण के लिए वित्त विभाग ने जारी किया शासनादेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● एसीएस, प्रमुख सचिव सचिव, विभागाध्यक्षों, कार्यालयाध्यक्षों को जारी किए दिशा-निर्देश

प्रदेश शासन द्वारा राज्य सरकार की सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन दावों के निस्तारण, पेंशनर से जुड़ी अन्य सेवाओं को सरल, पारदर्शी तरीके से प्रदान किये जाने तथा पूरी प्रक्रिया को कर्मचारी, पेंशनर के लिए सहज व समाधान के लिए ई-पेंशन पोर्टल क्रियाशील किया गया है। इस सम्बन्ध में एसीएस वित्त ने शासनादेश जारी किया है।

शासनादेश के अनुसार ऑनलाइन प्रणाली का उद्देश्य सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण का निस्तारण समयबद्ध रूप से किया जाना है। इसके लिए प्रत्येक चरण में जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए एवं पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण नहीं की जाती है तो सिस्टम द्वारा प्रकरण उच्च स्तर के प्राधिकारी को स्वत: आगे बढ़ा देगा। इस प्रणाली में कर्मचारी के लिए यह आवश्यक है कि उसकी लॉग इन आईडी के क्रियाशील हो जाने के एक माह के अन्दर उसके द्वारा अपने यूनीक इम्प्लॉयमेंट कोड तथा पंजीकृत मोबाइल नम्बर का प्रयोग कर, ई-पेंशन पोर्टल पर डिस्प्ले हो रहे फॉर्म को ऑनलाइन भर दिया जाए। सम्बन्धित कर्मचारी को यह विकल्प उपलब्ध होगा कि वह अपनी सेवा से सम्बन्धित विवरण एवं सुसंगत अभिलेख पोर्टल पर अपलोड कर सकता है। इस सम्बन्ध में ई-पेंशन पोर्टल के डाउनलोड लिंक पर जाकर सम्पूर्ण प्रक्रिया का डेमो तथा प्रत्येक चरण के लिए निर्धारित समयावधि एवं उत्तरदायी प्राधिकारी का विवरण देखा जा सकता है। आहरण एवं वितरण अधिकारी का यह उत्तरदायित्व होगा कि कर्मचारी द्वारा फॉर्म प्रेषित कर दिये जाने के एक माह के अन्दर कर्मचारी से सम्बन्धित विवरण सत्यापित करते हुये अथवा यथास्थिति संशोधित करते हुये पेंशन प्राधिकार पत्र पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी को अग्रेषित कर दिया जाए। यदि उक्त निर्धारित अवधि में ऐसा नहीं किया जाता है तो कर्मचारी द्वारा भरा गया फॉर्म, पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी को स्वत: अग्रेषित हो जाएगा। यह माना जायेगा कि पेंशन प्रपत्रों में अंकित विवरणों का सत्यापन आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा कर लिया गया है। इसकी सूचना विभागाध्यक्ष को आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रेषित हो जायेगी। यदि भविष्य में कोई त्रुटि अथवा विसंगति प्रकाश में आती है जिसके कारण सेवानिवृत्त कार्मिक को अनुमन्यता से अधिक भुगतान हुआ हो तो इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आहरण एवं वितरण अधिकारी का होगा। सम्बन्धित विभागाध्यक्ष उस आहरण एवं वितरण अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करेंगे एवं राज्य सरकार को हुयी आर्थिक क्षति की वसूली आहरण एवं वितरण अधिकारी के वेतन से की जायेगी। आहरण एवं वितरण अधिकारी से पेंशन प्रपत्र प्राप्त हो जाने पर पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी द्वारा एक माह के अन्दर परीक्षण कर, पेंशन प्रपत्रों के सही पाये जाने की दशा में पीपीओ निर्गत कर दिया जायेगा। यदि पेंशन प्रपत्रों में कोई त्रुटि अथवा कमी परिलक्षित होती है तो पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी द्वारा पेंशन प्रपत्रों पर आपत्ति लगाकर वापस नहीं भेजा जायेगा अपितु आवश्यक संशोधन के साथ पीपीओ निर्गत कर दिया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में सुस्पष्ट सकारण टिप्पणी पीपीओ में अंकित कर दी जायेगी। यदि निर्धारित समय सीमा में पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी द्वारा उपरोक्तानुसार कार्यवाही नहीं की जाती है तो प्रकरण स्वत: निदेशक पेंशन को परीक्षण, जाँच के लिए अग्रेषित हो जायेगा। निदेशक पेंशन पीपीओ निर्गत करने वाले प्राधिकारी से विलम्ब के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्राप्त करेंगे तथा विलम्ब के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कार्यवाही करेंगे।

पीपीओ निर्गत हो जाने के उपरान्त ग्रेच्युटी तथा राशिकरण का भुगतान सेवानिवृत्ति तिथि के अगले तीन कार्य दिवसों में तथा पेंशन प्रारम्भ होने की नियत तिथि को पेंशनर के बैंक खाते में पेशन का भुगतान ऑनलाइन कर दिया जायेगा। शासनादेश में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रथम भुगतान के लिए कोषागार में पेंशनर की व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होगी। ऑनलाइन ई-पेंशन पोर्टल के द्वितीय चरण में उक्त व्यवस्था स्वयं के लिए आहरण एवं वितरण अधिकारियों आईएएस, आईपीएस, आईएफएस पर भी 1 जुलाई 2022 से लागू होगी।

राज्य विश्वविद्यालयों की परीक्षा में लगे शिक्षकों को होगा ऑनलाइन भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अब राज्य विश्वविद्यालयों की परीक्षा में लगे शिक्षकों को उनके पारिश्रमिक का भुगतान ऑनलाइन बैंक खाते में किया जायेगा। नई व्यवस्था के तहत परीक्षा के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा महाविद्यालयों को दी जाने वाली अग्रिम धनराशि की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। इसके लिए केंद्राध्यक्ष को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह शिक्षकों की उपस्थिति आनलाइन व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय को भेजेंगे। साथ ही इनका बैंक खाता विवरण व पैन नंबर भी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर सभी विश्वविद्यालयों में यह व्यवस्था लागू की जा रही है। नई व्यवस्था के तहत अब विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा के लिए विभिन्न महाविद्यालयों को उनके यहां स्थापित परीक्षा केंद्र के खर्च के लिए आवंटित परीक्षार्थियों की संख्या और प्रति परीक्षा के लिए निर्धारित दर के आधार पर गणना कर के केंद्र व्यय की पूरी धनराशि परीक्षा से पहले ही एकमुश्त दी जाएगी। यह धनराशि अग्रिम के रूप में नहीं होगी और न ही इसका समायोजन होगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक मई सुबह आठ बजे से टोल टैक्स वसूली शुरू हो गई। लखनऊ से गाजीपुर तक अलग-अलग श्रेणी के वाहनों के लिए 25 प्रतिशत छूट के साथ टोल की दरें तय की गई हैं। कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन के लिए 675 रुपये चुकाने होंगे। प्रति किमी 2.45 रुपये टोल टैक्स लगेगा। फिलहाल टोल टैक्स नकद लिया जा रहा है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल शुरू करने से पहले यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी ने पूजा की और फिर टोल प्लाजा शुरू हुआ। टोल पर पहले वाहन चालक के हाथों रिबन कटवाकर टोल कलेक्शन की शुरुआत की गई। एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर कार्यरत श्रमिकों के साथ अवनीश अवस्थी ने जलपान किया और उनका हाल जाना। यूपीडा के अनुसार दो-तीन दिन के भीतर सभी टोल प्लाजा पर फास्टैग से भुगतान की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर जितनी दूरी तय करेंगे, उसी अनुपात में टोल टैक्स चुकाना होगा। यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि लखनऊ से गाजीपुर तक दो मुख्य टोल प्लाजा समेत कुल 13 टोल प्लाजा होंगे। एक्सप्रेसवे के बीच के एंट्री व एग्जिट प्वाइंट पर 11 छोटे टोल प्लाजा होंगे। बीच में कहीं से भी सफर शुरू करने वाले को टोल टैक्स देना होगा। टोल की यह दरें चालू वित्त वर्ष में प्रभावी रहेंगी। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थापित सभी टोल प्लाजा के संचालन, टोल कलेक्शन और 6 एंबुलेंस व 12 पेट्रोलिंग वाहनों के लिए चयनित एजेंसी को कैबिनेट का अनुमोदन पहले ही मिल चुका है। राज्य सरकार को टोल वसूली से राजस्व मिलने के साथ ही वाहनों और यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा भी मिल सकेगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल शुरू करने से पहले पूजा करते यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी

पिछले चौबीस घंटे के दरम्यान सीतापुर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

अभियान से अपराधियों में मची खलबली

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर पुलिस ने जिले के अपराधियों पर पिछले 24 घंटे में बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के बाद जरायम की दुनिया से ताल्लुक रखने वालों में खलबली मच गई है। जिले के अलग-अलग थानों में चिन्हित कुल 31 अपराधियों के विरुद्ध यूपी गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। यह सभी अभियुक्त लूट, चोरी, नकबजनी, अवैध शस्त्र निर्माण, विक्रय, अवैध मादक द्रव्य पदार्थ, अवैध शराब निष्कर्षण, परिवहन ब्रिक्री, गोवध, बलवा, हत्या के प्रयास जैसे अपराधों में लिप्त रहे हैं। इनमें से 22 अपराधियों को विभिन्न आपराधिक अभियोगों में पूर्व में ही जेल में निरुद्ध किया जा चुका है। आपको बता दें, कि थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा लूट, चोरी, हत्या के प्रयास जैसे आपराधिक कृत्यों में लिप्त 07 अभियुक्तों जितेन्द्र उर्फसतेन्द्र वर्मा पुत्र काशीराम वर्मा, सोनपाल उर्फसोनू पुत्र श्रीराम पासी निवासीगण मिर्जापुर थाना रामकोट, शाहरुख पुत्र मुजाहिद, तौहीद पुत्र मुस्तफा निवासीगण ओवरी थाना रामकोट, अंशलाल पुत्र रविन्द्र श्रीवास्तव निवासी तामसेनगंज कोतवाली नगर, अमन मिश्रा पुत्र सोनू निवासी श्यामनाथ कोतवाली नगर तथा अभिजीत पुत्र सुशील कुमार निवासी तरीनपुर कोतवाली नगर के विरुद्ध गैंग चार्ट अनुमोदित कराकर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना रेउसा पुलिस द्वारा 07 अभियुक्तों कमाल पुत्र पुर्रन उर्फ अहमद हसन निवासी करसा थाना रेउसा, इस्लाम व कय्युम पुत्रगण हबीब, एजाज पुत्र साबिर, इश्तियाक पुत्र सत्तार व मुजीब पुत्र बुलबुल निवासीगण बाजारपुरवा थाना रेउसा व साफिक के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अभियोग पंजीकृत किया गया है। कोतवाली महोली पुलिस ने हत्या जैसे आपराधिक कृत्य में संलिप्त 04 अभियुक्तों संजू उर्फ शशिकान्त पुत्र सत्यपाल, सुधीर त्रिवेदी पुत्र लक्ष्मीनारायन, अनुराग बाजपेयी पुत्र सत्यपाल व अंकित बाजपेयी पुत्र उमांशकर निवासीगण रोहिला थाना महोली के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना पिसावां पुलिस ने 04 अभियुक्तों श्यामजी पुत्र राम नरेश, अजीत त्रिपाठी उर्फ प्रमीत पुत्र स्व. श्रवण कुमार, अजीत त्रिपाठी उर्फ स्त्रान्जल पुत्र स्व. श्रवण कुमार निवासीगण सिकटिहा थाना हरगांव तथा शुभांकन मिश्रा पुत्र कृष्ण कुमार मिश्रा निवासी महेवागढी थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी के विरुद्ध गैंग चार्ट अनुमोदित कराकर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना खैराबाद पुलिस ने 03 अभियुक्तों प्रेम पासी पुत्र स्व. श्रीराम पासी निवासी बम्भनपुरवा थाना कोतवाली देहात, राम लखन पुत्र पुत्तने निवासी सरफापुर थाना खैराबाद, रामे पुत्र स्व. नान्हू पासी निवासी मनवा थाना अटरिया के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना थानगांव पुलिस ने गोवध जैसे आपराधिक कृत्य में 02 अभियुक्तों इन्तिजार पुत्र अकबर अली निवासी मोहल्ला नवाब शाहपुरवा कस्बा व थाना तम्बौर तथा अनीश कुरैशी पुत्र सुकरु निवासी तमनदारपुरवा मजरा रामीपुरवा गोड़वा थाना थानगांव के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना मानपुर पुलिस ने अवैध शराब निष्कर्षण, बिक्री, परिवहन जैसे आपराधिक कृत्य में लिप्त 02 अभियुक्तों विनोद पासी व मनोज कुमार पासी पुत्रगण स्व. सुन्दरलाल पासी निवासीगण मखुवापुर थाना मानपुर के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। थाना लहरपुर पुलिस ने 02 अभियुक्तों अतीक उर्फ शफीक पुत्र खलील निवासी मोहल्ला कटरा कस्बा व थाना लहरपुर तथा कल्लू पुत्र चन्द्रभाल यादव निवासी सलारपुर थाना लहरपुर के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एनपी सिंह ने कार्रवाई की जानकारी दी।

- जिले में 31 पर पुलिस ने की गैंगेस्टर की कार्रवाई
- अलग-अलग थानों में दर्ज किए गए दर्जनों अभियोग

देश की अर्थव्यवस्था में मजदूरों का बड़ा योगदान: राकेश राठौर

संवाददाता। सीतापुर

किसी भी निर्माण या सृजन मे बुनियाद का काम श्रमिक ही करते है, उनका सम्मान और उनके अधिकारो की रक्षा हम सबका दायित्व है। यह बात पूर्व विधायक और समाजवादी चिंतक राकेश राठौर ने मजदूर दिवस के मौके पर खैराबाद की दरी फैक्ट्रियों मे श्रमिको से भेंट कर उनके सम्मान मे आयोजित एक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कही। श्री राठौर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था मे मजदूरो का बड़ा योगदान है लेकिन चाहे वो लाक डाउन का समय हो, करोना काल या और परिस्थितया,बीजेपी सरकार लगातार श्रमिको के हितो पर कुठाराघात करने पर लगी हुई है,ऐसे मे हम सबको एकजुट होकर मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए मौजूदा हुकूमत के खिलाफ खुलकर खड़ा होना होगा,उन्होंने इस मौके पर अनेको कामगारो को सम्मानित किया और उनके साथ सहभोज किया। समाजवादी पार्टी के तहत विविध वर्गों के साथ संवाद की इस श्रंखला के अंतर्गत मजदूर दिवस पर आयोजित इस आयोजन मे सपा के विधानसभा अध्यक्ष महेन्द्र यादव ने सपा की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए मजदूर हितो के लिए अखिलेश सरकार के दौरान हुए प्रयासों की चर्चा की वही नौमान सिद्दीकी ने मजदूर दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवर्स पर आयोजित संगोष्ठी को अधिवक्ता ब्रजेन्द्र पाण्डेय आशीष वर्मा गगन राठौर सुनील पाल शालू किरमानी मुन्ना अंसारी सबी अंसारी उत्कर्ष चौधरी फरहान अली अनुपम राठौर अंकित भार्गव ब्रज किशोर राहुल राठौर अशोक बघेल शिवम आजाद प्रधान निर्मल यादव ने भी सबोधित किया। इस अवसर पर पूरे जिले मे मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सम्पर्क की कार्ययोजना तैयार की गई।

जिला अस्पताल में खामियों पर राज्यमंत्री खफा

संवाददाता। सीतापुर

प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री व हरगांव से भाजपा विधायक सुरेश राही के पीएसओ संजय को अचानक चक्कर आ जाने के चलते उसकी तबीयत खराब हो गई जिसके बाद मंत्री पीएसओ को लेकर कार से जिला अस्पताल पहुंचे जहां उसका इलाज कराया, इलाज के बाद मंत्री ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान काफी अवस्थाएं दिखी निरीक्षण में उन्होंने मरीजों से उनका हालचाल जाना इसके साथ ही सीतापुर में एकमात्र जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिव नारायण लाल शर्मा जो कई दिनों से बीमार चल रहे हैं उनका इलाज भी जिला अस्पताल में चल रहा है उन से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना साथ ही अस्पताल के हाल पर सीएमएस आर.के. सिंह को फटकार भी लगायी। निरीक्षण के दौरान मंत्री सुरेश राही ने बताया कि अस्पताल में काफी अव्यवस्था फैली हुई है कोई भी मरीज अस्पताल की कार्यप्रणाली से खुश नहीं है सभी में नाराजगी है लगातार डिप्टी सीएम बृजेश पाठक निरीक्षण कर रहे हैं निरीक्षण करने के बाद भी यहां के डॉक्टर डर नहीं रहे हैं मेरे आने के बाद ही यहां झाड़ू लगाई जा रही है और मरीजों को बेडशीट दी जा रही है इससे पहले मरीज ऐसे ही लेटे हुए थे दवाएं भी सही से नहीं दी जा रही जब मैं अपने मरीज को लेकर आया हूं तब मुझे आधा घंटा से ऊपर लग गया उसे दिखाने में तो अन्य मरीजों का क्या हाल होगा इसकी शिकायत में मुख्यमंत्री योगी नाथ और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से जरूर करूंगा।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर दो बच्चों की मौके पर मौत, आठ गंभीर

संवाददाता। संडीला(हरदोई)

तेज गति से आ रही कार और टैंपों में हुई आमने सामने की भीषण टक्कर से दो सगे भाईयों की मौत हो गयी जबकि माता पिता की हालत गंभीर है। हादसे में दस लोग घायल हुए हैं जिनमें से दो को बेहद गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कासिमपुर के अंतर्गत ग्राम बेंहदर खुर्द निवासी रमेश कश्यप पुत्र राम अवतार कश्यप दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहकर काम करते थे। वह रविवार की सुबह सपरिवार दिल्ली से लौटकर आए तथा घर जाने के लिए ऑटो नं0 यूपी 30 टी /3532 को किराए पर लिया। रमेश उनकी 32 वर्षीय पत्नी बबिता, पुत्री आरुषी, दस वर्षीय पुत्र अरुण तथा छः वर्षीय पुत्र वरुण इस ऑटो में सवार हुए। ऑटो ग्राम ऐमाखेड़ा मजरे कुदौरी निवासी तुलाप्रसाद पुत्र मोहन चला रहा था। जब यह ऑटो बांगरमऊ रोड पर ग्राम अदिलापुर के पास पहुंचा तो सामने से आ रही मारुती स्विफ्ट डिजायर कार न0 यूपी 32 सीएस / 0846 जिसमें जानकीपुरम निवासी उत्कर्ष सक्सेना उनकी मां अजली, भाई प्रियांश, बहन स्वाती और ग्यारह वर्षीय भाई आदित्य सवार थे तथा यह कार त्रिलोष यादव चला रहे थे। दोनों वाहनों की आमने सामने भीषण टक्कर हो गयी। सुबह सुबह हुए इस भीषण हादसे से चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक वेणीमाधव त्रिपाठी मौके पर पहुंचे तब तक दस वर्षीय अरुण और छः वर्षीय वरुण की मौत हो गयी थी। सभी घायलों को पुलिस तत्काल सीएचसी ले गई। जहां रमेश और उसकी पत्नी बबिता की बेहद खराब हालत को देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। शेष घायलों को सीएचसी पर भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। इस भीषण टक्कर से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए जिन्हें पुलिस ने जेसीबी की सहायता से उठवाकर सड़क पर आवागमन पुन: बहाल किया।

केमिस्ट ड्रगिस्ट एसो. की बैठक

संवाददाता। सीतापुर

शहर के बापू बालक विद्यालय परिसर में केमिस्ट एवंड्रगिस्टस की आम बैठक का आयोजन हुआ इस बैठक में गोपाल टंडन का संगठन के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया बैठक में अरविंद रस्तोगी ने दवा व्यवसाय के बदलते परिवेश पर विस्तृत जानकारी दी तो वही शैलेश महेंद्र द्वारा संगठन की एकता पर बल देते हुए संपूर्ण जनपद में लाइसेंसी दवा विक्रेताओं को सदस्यता प्रदान करने पर बल दिया गया अंत में सभा को गोपाल टंडन द्वारा संबोधित करते हुए सभी सदस्यों से एक सूत्र में बंधकर संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया वही उन्होंने बताया कि प्रदेश संगठन के द्वारा जोन महामंत्री काजो दायित्व दिया गया है उसमें मथुरा कानपुर व लखनऊ सम्मिलित है इन जनपदों के संगठन को मजबूत किया जाएगा बैठक में प्रदीप धवन के द्वारा आए हुए सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया बैठक का संचालन बसंत गोयल द्वारा किया गया बैठक के दौरान संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पत्रकार अमित शुक्ला उर्फबबलू को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

खीरी के लोगों को आंखों के इलाज के लिए अब नहीं जाना पड़ेगा दिल्ली

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

डा. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल ग्राम सहदेवा मोहम्मदी में ऑक्युलर माइक्रोबायोलॉजी लैब एवं ;राबद्ध कम्युनिटी में अंधता के कारणों सर्वे का उद्घाटन सहदेवा में ऑक्युलर माइक्रोबायोलॉजी राब सर्वे का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉण् अनिल कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि डॉण् जीडी अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली से आए मुख्य संचालक डॉण् उमंग माथुर ने संबोधन में कहा कि यह लैब सर्विस प्रारंभ होने से पुतली से संबंधित गंभीर बीमारियों को उचित समय पर सही इलाज उपलब्ध हो पाएगा। आम जनता को इस इलाज हेतु दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। संस्था के सहयोगी चिकित्सा अधिकारी डॉण् शैलेंद्र सभरवाल ने राब शोध के बारे में बताया कि इस सर्वे के आसपास के क्षेत्र में आंखों में होने वाली अंधता एवं कमजोर दृष्टि से ग्रसित लोगों के बारे में उचित जानकारी मिल जाएगी।

जिससे कि जिला एवं प्रदेश स्तर पर उचित रूप से आंखों के स्वास्थ्य चिकित्सा स्तर को और मजबूत किया जा सकेगा। इस शुभ अवसर पर संस्था प्रबंधक मिस्टर अनुराग मिश्रा डॉ बीआर समन्ना प्रोफेसर एवं राब ट्रेनर एशिया डॉ संदीप बुट्टन डॉ अर्पण गांधी गांधी मोहम्मद जावेद समीर अली संतोष दिलीप विपिन पाण्डेय मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

मजदूर मिस्त्री महासंघ ने मनाया मजदूर दिवस

लखीमपुर-खीरी। मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी विश्व श्रमध् मजदूर दिवस स्थान नसरुद्दीन विलोबी मेमोरियल हॉल लखीमपुर के प्रांगण टिन सेट के नीचे सुबह दिन के 10 बजे से मनाया गया। भारत की गरीबी व बेरोजगारी भरष्टाचार ठेके दारी प्रथा जड़ से खत्म करने के लिए भारत के 40 करोड़ मजदूर मिस्त्रियो ए भारत के 35 लाख ग्राम पंचायत सदस्योंए अति पिछड़े अति दलित ऐसी 50 जातियों के लोग जो भारत में अलग थलग पड़े है। और विश्वकर्मा समाज की दिन दशा पर विचार विमर्श किया गया। विश्व का सबसे बड़ा 101 सूत्री ज्ञापन जिला अधिकारी खीरी के प्रतिनिधि के रूप में आये राजेश कुमार उप जिलाधिकारी सदर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, नरेंद्र मोदी प्रधान मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विरोधी दल नेता अखिल यादव को सौंपा गया। श्रम दिवस को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने कहा जब तक भारत के 40 करोड़ मजदूर मिस्त्रियों की पोस्टिंग नही की जाती है। और मनरेगा मजदूरों की मजदूरी कम से कम 700 रुपए प्रति दिन किया की जाए। जो मनरेगा मजदूरों की आय 60 वर्ष हो गई है। उनको प्रतिमाह पांच हजार रुपए पेंशन दी जाए गन्ना का मूल्य सात सौ रुपए प्रतिकुंटल ए गेहूं व धन का मूल्य चार हजार रुपए प्रति कुंटल किया जाए श्री शर्मा ने जोर देकर कहा कि पूरे भारत की सभी ग्राम पंचायतों में बस अड्डा बनाए जाय गांवों में 25 फुट चौड़ा रास्ता बनकर अतिक्रमण हटाया जाए। पूरे भारत में सरकार द्वारा पंडित्व कार्य करने की ट्रेनिग दी जाए। भारत के 35 लाख ग्राम पंचायत सदस्यों को विधान परिषद के चुनाव में मतदान करने का अधिकार दिया जाए। ग्राम पंचायतों व ब्लॉकों में उपप्रधान व उपप्रमुख का चुनाव कराएं जाए। सभा को पंडित वेद प्रकाश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष ग्राम पंचायत सदस्य प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश ए प्रदेशकोषा अध्यक्ष अंजनी कुमार, प्रदेश सचिव समीजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ एड संतोष शर्मा, राम किशोर शर्मा वरिष्ट नेता भाजपा, राम नरेश यादव, इंद्रेश कुमार शर्मा, माया देवी शर्मा ग्राम पंचायत सदस्य, सुभाष चन्द्र शुक्ला एइस्लाक मोव, राधा देवी शर्मा ग्राम पंचायत सदस्य एमिश्री लाल शर्मा, अजय शर्मा, मिश्रा शर्मा आदि ने सभा को संबोधित किया बड़ी संख्या में बढ़ई मिस्त्रीए लोहार मिस्त्रीए राजगीर मिस्त्रीए पुताई रंगाई मिस्त्रीए अति पिछड़ेए अति दलित एएेसी पाच जातियों के मौजूद रहे।

माटीकला रोजगार योजना में 10 मई तक करें आवेदन

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्डए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय लखीमपुर.खीरी को वित्तीय वर्ष 2022.23 के लिए छह अभ्यर्थियों का भौतिक लक्ष्य आवंटित किया। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी लखनऊ मंडल लखनऊ की अध्यक्षता व डीएम सीडीओ द्वारा नामित सदस्य द्वारा गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी द्वारा लाभार्थियों का चयन किया जाना है। उक्त आशय की जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी डीके सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी खीरी के माध्यम से अपना रोजगार स्थापित करने हेतु विभिन्न उद्योगों यथा खिलौना निर्माण घरेलू उपयोग के उत्पाद प्रेशर कुकर घड़ा सुराही जगए कुल्हड़ गिलास कटोरी अचार दानी कप.प्लेट डोंगे इत्यादि भवन निर्माण सामग्री फ्लोर टाइल्स रूफ टाइल्स लेट्रिन पैन पाइप वाशबेसिन इत्यादि सजावटी सामान गुलदस्ता गार्डन पाट्र्स लेंपस इत्यादिद्ध उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को रुपया 10 लाख तक के प्रोजेक्ट पर बैंक से ऋण स्वीकृत किए जाएंगे।

प्रोजेक्ट लागत का पांच फीसदी उद्यमी का अंशदानए तथा 95 फीसदी बैंक ऋण अनुमन्य होगा जो नियमानुसार 5 वर्ष के लिए देय होगा। बैंक द्वारा वितरित टर्म लोन पर 25: मार्जिन मनी उपादान के रूप में शासन द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों से आनलाइन 10 मई तक आवेदन आमंत्रित किए।

पेज एक का शेष

लू से...

आसपास के इलाकों में भारी बारिश होने के आसार नजर आ रहे हैं। इस वजह से मौसम विभाग ने 4 से लेकर 6 मई के बीच मछुआरों को समुद्र में जाने से मना किया है। फिलहाल अगले 24 घंटों के दौरान इस दबाव की स्थिति और साफ होने के आसार हैं। हालांकि निजी एजेंसियां इस लो प्रेशर सिस्टम के चक्रवात में बदलने की बात कह रही हैं लेकिन मौसम विभाग ने कहा है कि इस बारे में अभी स्पष्ट रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है लेकिन इस लो प्रेशर के कारण 05 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। आपको बता दें कि इस वक्त पूरा उत्तर भारत भयंकर गर्मी की चपेट में हैं। आसमान से आग के गोले बरस रहे हैं और लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। दिल्ली में तो गर्मी का रिकॉर्ड टूट गया है।

जीएसटी राजस्व...

सबसे ऊंचा कर संग्रह 20 अप्रैल को हासिल हुआ। उस दिन 9.58 लाख लेनदेन के जरिए 57,847 करोड़ रुपए के जीएसटी का भुगतान हुआ। डेलॉयट इंडिया के भागीदार एम एस मणि ने कहा कि मार्च की तुलना में अप्रैल में जीएसटी संग्रह हमेशा ऊंचा रहता है। लेकिन इस बार अप्रैल में रिकॉर्ड संग्रह के लिए कई अनुकूल कारक हैं। इनमें से एक कारक वेंडरों द्वारा समय पर अनुपालन की स्थिति में ही इनपुट कर क्रेडिट की अनुमति से जुड़े बदलाव से संबंधित है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी के भागीदार विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी के ऊंचे संग्रह से पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के प्रभाव से उबर रही है और तेजी से आगे बढ़ रही है।

तेज रफ्तार...

तेज चल रही थी। करीब एक बजे जब उनकी कार विकास मार्ग होते हुए शकरपुर चुंगी पहुंचीं तो उनके चपेट में कार सवार आ गए।

भारतीय शिक्षा...

से 58 प्रतिशत के निशाने पर भारतीय या भारत आधारित शैक्षणिक संस्थान और ऑनलाइन मंच थे। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें बाइजूज, आईआईएम कोझीकोड और तमिलनाडु के तकनीकी शिक्षा निदेशालय पर किए गए हमले शामिल हैं। साइबर खतरे के 10 प्रतिशत लक्ष्य इंडोनेशिया में थे। कुल मिलाकर अमेरिका दुनियाभर में दूसरा सबसे अधिक प्रभावित देश था, जहां कुल 19 दर्ज घटनाएं दर्ज की गईं, जो उत्तरी अमेरिका में 86 प्रतिशत खतरों के लिए जिम्मेदार थीं। इनमें हार्वर्ड विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों पर रैमसमवेयर हमले शामिल हैं। क्लाउडसेक के खतरा विश्लेषण से जुड़े मुख्य शोधकर्ता दर्शित आशारा के मुताबिक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से बढ़ते वैश्विक शिक्षा और प्रशिक्षण बाजार के वर्ष 2025 तक 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने रिपोर्ट में जोर देकर कहा है कि शिक्षा क्षेत्र के आकार और प्रभाव को देखते हुए, संस्थानों, छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि एकत्रित और संग्रहित जानकारी लीक ना हो और साइबर अपराधी इसका दुरुपयोग न कर सकें।

वैध वीजा...

कि इन युवकों को सीमा पार बरगलाया गया था और उनमें से कुछ को हथियारों का प्रशिक्षण दिया गया या धन शोधन के लिए इस्तेमाल किया गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने एक हुर्रियत नेता और अन्य के खिलाफ पाकिस्तान के विभिन्न कॉलेज की एमबीबीएस सीटें बेचने और इससे प्राप्त धन का उपयोग आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करने के मामले में आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्रों ने हाल के वर्षों में उच्च अध्ययन के लिए पाकिस्तान की यात्रा की है और उनमें से कुछ को बरगलाया गया। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को हथियारों का प्रशिक्षण दिया गया या स्लीपर सेल में भर्ती किया गया ताकि सीमा पार बैठे हैंडलर के साथ साझा करने के लिए जानकारी एकत्र की जा सके।

कुलगाम में...

किए गए। पुलिस के मुताबिक इसके अलावा एक और हाइब्रिड आतंकवादी को यहां शहर के नौगाम इलाके से गिरफ्तार किया गया। श्रीनगर पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, एक विशेष खुफिया सूचना के आधार पर श्रीनगर पुलिस और (50 राष्ट्रीय राइफल्स) ने श्रीनगर के नौगाम से बडगाम के मुछवा के रहने वाले शेख शाहिद गुलजार नाम के एक हाइब्रिड आतंकवादी को गिरफ्तार किया।

मुसलमानों पर...

डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने उन्हें एआर कैंप के बाहर काले झंडे दिखाए। वहीं, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन भी वहां पहुंचे, लेकिन उन्हें एआर कैंप में प्रवेश नहीं करने दिया गया। टीवी चैनलों पर प्रसारित दृश्यों में डीवाईएफआई के कथित कार्यकर्ता जॉर्ज की गाड़ी पर अंडे फेंकते दिखाई देते हैं। एआर कैंप में प्रवेश की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद मुरलीधरन ने वहां पत्रकारों से बातचीत में 70 वर्षीय नेता को गिरफ्तार करने को लेकर जल्दबाजी पर सवाल उठाया। मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं की हत्या के मामले में इतनी जल्दबाजी नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि जॉर्ज न तो आतंकवादी हैं और न ही अपराधी, वह एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता हैं, पूर्व विधायक हैं और उन्हें गिरफ्तार करने में जल्दबाजी क्यों की? मुरलीधरन ने कहा कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के युवा संगठन मुस्लिम यूथ लीग की एक शिकायत के आधार पर कार्वाई की जा रही है और आरोप लगाया कि केरल में सरकार यूथ लीग की शिकायत पर मिनटों में किसी को भी गिरफ्तार कर लेगी। उधर, जॉर्ज के बेटे शौन जॉर्ज ने तिरुवनंतपुरम में एक समाचार चैनल से कहा कि अगर उनके पिता को फोर्ट थाने बुलाया जाता तो वह वहां जाते और अपने बयान के कारणों के बारे में बताते। उन्होंने कहा कि उनके पिता फरार नहीं होते। दूसरी ओर, विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक वी डी सतीशन ने कहा कि कथित घृणास्पद भाषण देने के फौरन बाद प्राथमिकी दर्ज की जानी थी, न कि 24 घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना था।

सऊदी अरब...

समर्थक माना जा रहा है। पाकिस्तानी जायरीनों ने शिष्टमंडल के सदस्यों के खिलाफ अपशब्दों का भी प्रयोग किया। मदीना पुलिस ने दावा किया है कि इस संबंध में पांच पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब पुलिस ने शनिवार रात इमरान और 150 अन्य लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में पूर्व मंत्री फवाद चौधरी और शेख रशीद, इमरान के पूर्व सलाहकार शाहबाज गुल, नेशनल असेंबली के पूर्व उपाध्यक्ष कासिम सूरी व लंदन में इमरान के करीबी सहयोगी अनिल मुसर्त तथा साहिबजादा जहांगीर भी नामजद हैं। अधिकारियों के अनुसार, लाहौर से लगभग 180 किलोमीटर दूर फैसलाबाद के एक पुलिस थाने में स्थानीय निवासी नईम भाटी की शिकायत पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मनुष्यों में...

के बीच पहली बार मिलने की संख्या वर्ष 2070 तक दोगुनी हो जाएगी, जिससे वायरस संचरण का हॉटस्पॉट बन जाएगा। वाशिंगटन डीसी में जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय में रोग पारिस्थितिकीविद् और अध्ययन के सह-लेखक ग्रेगरी अल्बेरी कहती हैं कि यह शोध हमें और अधिक निर्विवाद सबूत प्रदान करता है कि आने वाले दशक न केवल गर्म होंगे, बल्कि लोग अधिक बीमार होंगे। अलबेरी और उनके सहयोगियों ने अपनी भविष्यवाणी करने के लिए मॉडल विकसित और परीक्षण किए और पांच साल की अवधि तक इसका परीक्षण किया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिकता के कारण स्तनधारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विभिन्न जलवायु-परिवर्तन परिदृश्यों के तहत वायरस संचरण और प्रजातियों के वितरण के मॉडल का परीक्षण किया। टीम ने प्रजाति वितरण मॉडल का निर्माण यह अनुमान लगाने के लिए किया कि स्तनधारी ग्रह के गर्म होने पर अधिक रहने योग्य आवास खोजने के लिए कहां जाएंगे। वायरस ट्रांसमिशन मॉडल पहली बार प्रजातियों के बीच एक वायरस के प्रवेश की संभावना को ध्यान में रखते हुए भविष्यवाणी करता है जहां प्रजातियां उनके निवास स्थान में बदलाव के रूप में मिल सकती हैं, और वे कितनी बारीकी से संबंधित हैं (वायरस संबंधित प्रजातियों के बीच संचारित होने की अधिक संभावना है)। वह आगे कहती हैं कि कई कारक मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम को कम कर सकते हैं, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल में निवेश में वृद्धि या एक वायरस आश्चर्यजनक रूप से मनुष्यों को संक्रमित करने में असमर्थ है। लेकिन शोधकर्ताओं का आग्रह है कि बर्बाद करने का समय नहीं है। पृथ्वी पूर्व-औद्योगिक तापमान से पहले ही 1 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म हो चुकी है और यह प्रजातियों के प्रवास और रोग की अदला-बदली को आगे बढ़ा रही है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 2 मई, 2022

देश में पर्याप्त कोयला उपलब्ध है: एसएन प्रसाद

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोयला और बिजली संकट को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व निदेशक (विपणन) एसएन प्रसाद से पीटीआई-भाषा के सवाल और उनके जवाब-

सवाल : बिजली उत्पादन घटने के लिए कोयला आपूर्ति में कमी को जिम्मेदार माना जा रहा है।

जवाब : घरेलू स्तर पर कोयला आपूर्ति बिजली संकट का कारण नहीं है। देश में कोयला उत्पादन और उपभोक्ताओं को इसकी आपूर्ति में लगातार वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में उपभोक्ताओं को 66.3 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई थी, जो एक रिकॉर्ड है। बिजली संकट का बड़ा कारण आयातित कोयला और गैस आधारित संयंत्रों में ईंधन की कमी है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कोयले और अन्य ईंधन के दाम बढ़े हैं। इससे बिजली संयंत्र कोयला आयात करने से बच रहे हैं। घरेलू स्तर पर बात की जाए तो कोयला क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। कोल इंडिया का उत्पादन वित्त वर्ष 2021-22 में 62.26 करोड़ टन पर पहुंच गया। सिंगरेनी और निजी उपयोग वाली कोयला खदानों का उत्पादन भी बढ़ा है। इसके अलावा, सरकार ने क्षेत्र के लिए नियमों को उदार बनाया है और कारोबार सुगमता को बढ़ाया है। इससे खदानों में उत्पादन बढ़ा है। मौजूदा बिजली संकट का एक कारण पारा चढ़ने से बिजली की मांग का अचानक बढ़ना भी है। इसका एक कारण गर्मी के साथ-साथ हर घर में बिजली पहुंचना भी है। साथ ही आज एयर कंडीशनर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का उपयोग भी काफी बढ़ा है। इसके अलावा, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की वित्तीय स्थिति खराब होने से भी आपूर्ति प्रभावित हुई है। गर्मी से पनबिजली संयंत्रों में भी समस्या उत्पन्न होती है। कोल इंडिया के पास अब भी करीब छह करोड़ टन कोयला है। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के पास चार करोड़ टन से अधिक कोयला भंडार होने का अनुमान है। अगर कुछ समस्या है तो वह बुनियादी ढांचे की हो सकती है।

सवाल : क्या कोयले की आपूर्ति में कमी का कारण कोयला, बिजली और रेल मंत्रालयों में तालमेल का अभाव तो नहीं?

जवाब: मेरे हिसाब से ऐसा नहीं है। ढांचागत सुविधाओं की कमी से जरूर कुछ समस्या है। मालगाड़ी और यात्री ट्रेन एक ही पटरी पर चलेंगी तो समस्या होना स्वाभाविक है। मालगाड़ियों में भी कोयले के अलावा अन्य सामान को भी जाना है। ऐसे में सरकार प्राथमिकता तय करती है कि जरूरत क्या है। हालांकि, मालगाड़ियों के लिए अलग गलियारे का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इसके पूरी तरह से चालू होने से समस्या दूर होगी। एक चीज और महत्वपूर्ण है और वह है कोयला उत्पादक कंपनियों का बिजली कंपनियों पर बकाया। कोल इंडिया का 12,000 करोड़ बिजली उत्पादक कंपनियों पर शेष है। वहीं, बिजली उत्पादक कंपनियां कहती हैं कि वितरण कंपनियां पैसा नहीं दे रही हैं, हम कहां से दें। इससे भी समस्या पैदा होती है।

सवाल : क्या कोयला उत्पादन को लेकर हाल के वर्षों में सरकार की कोयला नीति में बदलाव हुए हैं? क्या ये बदलाव ठीक हैं?

जवाब : सरकार कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर कई स्तरों पर काम कर रही है। इसमें निजी कंपनियों को वाणिज्यिक खनन की अनुमति देना आदि शामिल है। यह कदम बिल्कुल सही है। इसे बहुत पहले उठाया जाना चाहिए था। वाणिज्यिक खनन से कोल इंडिया के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे अंतत: कोयला उत्पादन बढ़ेगा। साथ ही खदान विकास एवं परिचालक व्यवस्था बड़ी खदानों में लागू की गई है। ऐसी करीब 15 खदानों की पहचान की गई है, जिन्हें एमडीओ के जरिए विकसित किया जाएगा। इसमें कोल इंडिया चीजों को सुगम बनाने वाली भूमिका में होगी, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। एक चीज जरूर है, हमें देखना है कि कोयला ले जाकर हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में बिजली पैदा करें या फिर कोयला खदानों के आसपास स्थित संयंत्रों को ज्यादा से ज्यादा कोयला देकर अधिक बिजली उत्पादन कर उन राज्यों को दें। इस बारे में निर्णय करने की जरूरत है। पहले औसतन कोयला ढुलाई 1,100 से 1,200 किलोमीटर तक होती थी। इससे परिवहन लागत ज्यादा आती थी, लेकिन कोयला की व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाकर ढुलाई को 700 किलोमीटर के स्तर पर लाया गया है। इसमें और कमी किए जाने की जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि 100 से 150 किमी की दूरी के बिजलीघरों को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति की जाए और फिर वहां से उत्पादित बिजली दूसरी जगह ले जाई जाए। सरकार ने कोयला व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाकर इस दिशा में कदम उठाया है।

सवाल : क्या कोयला क्षेत्र में अनुसंधान पर अधिक जोर देने की जरूरत है?

जवाब : शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। अभी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट खदानों में संभावनाओं, भंडार आदि पर काम करता है। इसके अलावा कोल बेड मिथेन पर काम चल रहा है। झरिया और रानीगंज में इस पर काम जारी है। कोल इंडिया के पास जो जमीन है, वहां नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

कांग्रेस ने पवन हंस के विनिवेश को लेकर कई सवाल उठाए

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को सरकार द्वारा हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) में अपनी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि सरकार ने कंपनी का ओएनजीसी में विलय करने की संभावनाएं तलाश करने के बजाय इसे एक ऐसे कंसोर्टियम को सौंपे जाने का निर्णय क्यों लिया जोकि मात्र छह महीने पुराना है।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया था कि सरकार ने पीएचएल में अपनी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी 211.14 करोड़ रुपए में स्टार9 मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को प्रबंधकीय नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ बेचने की मंजूरी दे दी है। सरकार के इस निर्णय पर निशाना साधते हुए कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि अपनी वित्तीय नीतियों को सही ठहराने के लिए गलत गणना और अविवेकपूर्ण विनिवेश संबंधी फैसलों के चलते वे एक के बाद एक गलतियां कर रहे हैं। वल्लभ ने सवाल उठाया कि जब 51 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए आरक्षित मूल्य 199.92 करोड़ रुपए तय था, इसके बावजूद दो बोलीकर्ताओं ने क्रमश: 181.05 करोड़ रुपए एवं 153.15 करोड़ रुपए की बोली लगाई। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह एक सामान्य विनिवेश लग सकता है जबकि इसमें कई ऐसी चीजें हैं जोकि ध्यान आकर्षित करती हैं, जैसे स्टार9 मोबिलिटी एक समूह है जिसमें बिग चार्टर प्राइवेट लिमिटेड, महाराजा एविएशन प्राइवेट लिमिटेड और अल्मास ग्लोबल ऑपरच्युनिटी फंड एसपीसी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह कंसोर्टियम केवल छह महीने पहले 29 अक्टूबर 2021 को गठित किया गया था। वल्लभ ने कहा कि स्टार9 मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के पास अपना एक भी हेलीकॉप्टर नहीं है जबकि बिग चार्टर प्राइवेट लिमिटेड के बेड़े में तीन हेलीकॉप्टर हैं। उन्होंने कहा कि अल्मास ग्लोबल ऑपरच्युनिटी फंड एसपीसी के पास भी इस क्षेत्र में काम करने का कोई अनुभव नहीं है। वल्लभ ने कहा कि पवन हंस कर्मचारी संघ ने भी विनिवेश प्रक्रिया में रुचि दिखाई थी और यह भी सिफारिश की थी कि पवन हंस का ओएनजीसी में विलय कर दिया जाए या इसे एक सहायक कंपनी बना दिया जाए, जिसे सरकार ने दरकिनार कर दिया। पीएचएल की 51 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए आरक्षित मूल्य 199.92 करोड़ रुपए तय किया गया था। पवन हंस की बिक्री के लिए सरकार को तीन कंपनियों से बोलियां मिली थीं। इनमें से स्टार9 मोबिलिटी 211.14 करोड़ रुपए की बोली के साथ सबसे बड़ी बोलीकर्ता के रूप में सामने आई है। बाकी दो बोलियां 181.05 करोड़ रुपए एवं 153.15 करोड़ रुपए की थी।

मंदिर तोड़ा जाना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास : प्रवीण तोगड़िया

भाषा। जयपुर

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने रविवार को कहा कि मंदिरों का तोड़ा जाना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास है। तोगड़िया ने राजस्थान के अलवर जिले में अतिक्रमण हटाने के दौरान एक मंदिर तोड़े जाने की घटना के संदर्भ में उक्त बात कही। स्थानीय लोगों का दावा है मंदिर 300 साल पुराना था और उसे गिराए जाने के दौरान गर्भगृह में स्थापित देव मूर्तियों का निरादर किया गया। तोगड़िया ने कहा, यह दुखद है... मंदिर नहीं टूटने चाहिए। कांग्रेस और भाजपा दोनों एक मत हों कि देश में जहां भी उनकी सरकार है वहां मंदिर नहीं टूटेंगे क्योंकि मंदिर टूटना हिंदुओं को अपमानित करने का प्रयास है। गौरतलब है कि अलवर के राजगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में 14 अप्रैल को अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान एक प्राचीन मंदिर को ढहाने को लेकर विवाद हो गया था। इसे लेकर कांग्रेस-भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर अब भी जारी है। देश के धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकर हटाने और वैध रूप से लगे लाउडस्पीकर की आवाज धीमी या सीमा के भीतर रखने को लेकर चलाए गए अभियान पर तोगड़िया ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के आदेशों-निर्देशों का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे जाने चाहिए और यदि मस्जिद में लाउडस्पीकर रखना है तो उसकी आवाज परिसर से बाहर सुनाई नहीं देनी चाहिए। महंगाई के संबंध में विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि बढ़ती महंगाई का अलम यह है कि देश में आम आदमी आत्महत्या करने के कगार पर आ गया है। उन्होंने कहा, मंहगाई पर लगाम लगाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को पेट्रोलाडीजल पर उत्पाद शुल्क तथा वैट कम करना चाहिए। तोगड़िया ने जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाए जाने की जरूरत पर भी बल दिया।

कर्नाटक में कश्मीरी पंडितों के बच्चों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा

मंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में एक शैक्षणिक संस्थान ने घोषणा की है कि वह उन कश्मीरी पंडितों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देगा जो अपने मूल निवास से विस्थापित होकर देश में कहीं और बस गए हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर तालुक में स्थित अंबिका महाविद्यालय ने यह प्रस्ताव रखा है। संस्थान के संयोजक सुब्रमण्य नट्टोज ने शनिवार को पुत्तूर में एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की और कहा कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के बाद वह कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा से दुखी हैं। नट्टोज ने जम्मू का दौरा किया और स्थिति का अध्ययन करने के बाद सभी विस्थापित कश्मीरी पंडितों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने का निर्णय लिया। उन्होंने कश्मीरी पंडित छात्रों को छठी कक्षा से स्नातक तक की मुफ्त शिक्षा देने की योजना बनाई है और छात्रों लिए मुफ्त छात्रावास सुविधा की भी घोषणा की है।

देश को धर्म और जातियों में बांटना भाजपा का एजेंडा : अशोक गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि देश को धर्म और जातियों में बांटना भाजपा के एजेंडे का हिस्सा है और लोगों को इसे समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने करौली में हुई हिंसा भाजपा का एक प्रयोग था जिसे रामनवमी पर सात अन्य राज्यों में किया गया। उन्होंने कहा, पहले दंगे भड़के फिर बुलडोजर आए। गौरतलब है कि राजस्थान के करौली में दो अप्रैल को नवसंवत्सर पर हिंदू संगठनों द्वारा निकाली जा रही रैली जब मुस्लिम बहुल आबादी वाले क्षेत्र से गुजर रही थी उस पर कुछ असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी की। इसके बाद हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं के बाद तनाव पैदा हो गया। संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा, जो करौली में हुआ, वो एक प्रकार से प्रयोग था उनका। करौली में जो घटना हुई, आप देखेंगे कि हमने तो रोक दिया, राजस्थान भर में रामनवमी पर सब धर्मों ने मिलकर जुलूस निकाले, परंतु, परंतु करौली में जो उनका प्रयोग हुआ जिस रूप में, वही प्रयोग रामनवमी पर 7 राज्यों में हुआ, वहां दंगे भड़के, फिर बुलडोजर आ गए चलाने के लिए। उन्होंने कहा कि हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं दिया जा सकता। आरएसएस और भाजपा पर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने तय कर रखा है कि हमें इस देश को कैसे बांटना है। हिंदू-मुस्लिम के बीच, धर्मों के बीच, जाति के बीच, यह के एजेंडा का हिस्सा है और अभी तो यह शुरुआत है। आने वाले समय में और बड़े हमले करेंगे, मुख्यमंत्री पर करेंगे, सरकार पर करेंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सांसदों की बैठक बुलाई थी। मैंने सुना है कि उन्होंने (मोदी) ने कहा कि किरोडी लाल मीणा के बारे में कहा गया है बाकी सांसद कुछ नहीं कर रहे हैं। गहलोत ने आरोप लगाया, सांसदों से कहा गया है कि जो किरोड़ी मीणा करता है वो तुम सब करो, मतलब धमाल-पट्टी करो, धमाल-पट्टी होगी, हिंसा होगी, अशांति रहेगी, तो काम रुकता है सरकार का, डिस्टर्ब होता है काम, विकास रुकता है। अलवर के राजगढ़ में मंदिर ध्वस्त करने के मामले में भाजपा पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि भाजपा का खुद का नगर पालिका का बोर्ड है.. उन्होंने प्रस्ताव पास किया और आरोप सरकार पर लगा रहे हैं। गहलोत ने कहा, राजगढ़ में 35 में से 34 पार्षद उनके हैं, 35 पार्षद में से 1 जीता है कांग्रेस का, 34 जीते हैं भारतीय जनता पार्टी के, वो प्रस्ताव पास करते हैं और मंदिर गिरा देते हैं। इनको केवल ध्रुवीकरण करना है।

पंचायत चुनावों में विपक्षी दल उम्मीदवार न उतारने पाएं : टीमएसी विधायक

भाषा। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक ने अपने एक बयान से विवाद पैदा कर दिया है। वह एक वीडियो में पार्टी कार्यकर्ताओं से कथित तौर पर यह सुनिश्चित करने को कह रहे हैं कि विपक्षी दलों को अगले साल के पंचायत चुनाव में उम्मीदवार नहीं खड़ा करने दिया जाए और यदि फिर भी वे ऐसा करते हैं तो उन उम्मीदवारों को एक भी वोट नहीं मिलना चाहिए। यह बयान दिए जाने की पुष्टि करते हुए हावड़ा जिले के दोमजुर से विधायक कल्याण घोष ने आरोप लगाया कि वीडियो में उनके बयान का सिर्फ एक हिस्सा ही रखा गया है, जो संदर्भ से बाहर है और शेष हिस्से को विपक्षी दल ने हटा दिया है।

भाजपा ने दावा किया है कि इससे लोकतंत्र के प्रति पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी का असम्मान प्रदर्शित होता है। रविवार को वायरल हुए वीडियो में घोष ने कहा, हम एक ऐसे दिन का इंतजार कर रहे हैं जब विपक्ष के पास 2023 के पंचायत चुनाव में दोमजुर में कोई उम्मीदवार नहीं हो। यदि विपक्षी दल उम्मीदवार उतार भी दे, तो यह सुनिश्चित करें कि उनका एक भी उम्मीदवार विजई नहीं हो। तृणमूल कांग्रस नेता ने बाद में संवाददाताओं से कहा, हमें इस तरह से संगठन बनाना चाहिए कि हर व्यक्ति दीदी (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) की विकास पहल का समर्थक हो और विपक्ष को लोकतांत्रिक रूप से एक भी वोट नहीं मिले। घोष की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के सचिव उमेश राय ने कहा, यह तृणमूल कांग्रेस के असली रंग और लोकतंत्र के प्रति उसके असम्मान को प्रदर्शित करता है।

श्रीनगर में जामिया मस्जिद समिति ने ईद पर नमाज की शर्तों को लेकर निराशा जताई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन श्रीनगर स्थित ईदगाह मैदान या ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में ईद के दिन सुबह सात बजे के बाद नमाज की अनुमति नहीं देगा। मस्जिद प्रबंधन समिति ने रविवार को यह दावा किया और नमाज संबंधी शर्तों को लेकर निराशा जताई। अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद ने बयान जारी कर कहा कि पुलिस और नागरिक प्रशासन ने उन्हें शनिवार को बुलाकर बताया कि श्रीनगर स्थित ईदगाह और जामिया मस्जिद में यदि सुबह सात बजे से पहले नमाज नहीं की जाती है, तो इसके बाद नमाज की इजाजत नहीं दी जाएगी। अंजुमन के मुताबिक, प्रशासन ने ईदगाह और जामिया मस्जिद में नमाज करने को लेकर कई शर्तें लगाई हैं और इस संबंध में प्रबंधन से लिखित शपथ पत्र मांगा है। इसके पहले अंजुमन ने शनिवार को ऐलान किया था कि ईद की नमाज सुबह साढ़े नौ बजे ईदगाह मैदान में होगी। अंजुमन ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अधिकारियों को हजरतबल दरगाह पर सुबह साढ़े 10 बजे ईद की नमाज अदा करने की अनुमति देने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वे ईदगाह में नमाज अदा करने के लिए शर्तें लगा रहे हैं। प्रबंधन ने कहा कि अंजुमन औकाफ सदस्य इस बात से निराश हैं कि घाटी के मुसलमानों को जुमा-तुल-विदा और शब-ए-कद्र पर जामिया मस्जिद में नमाज की अनुमति नहीं देने के बाद अधिकारी अब ईदगाह में खुले में ईद की नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, जो कि पैगंबर की सुन्नत की परंपरा के अनुरूप है।

महाराष्ट्र में मनसे के हनुमान चालीसा कार्यक्रम में हमारे कार्यकर्ता भाग नहीं लेंगे: विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने रविवार को इन खबरों को निराधार बताकर खारिज कर दिया कि उसके और बजरंग दल के कार्यकर्ता तीन मई को महाराष्ट्र में मस्जिदों के बाहर लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा करने के मनसे के कार्यक्रम में भाग लेंगे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पर परोक्ष हमला करते हुए विहिप ने इन खबरों को दुष्प्रचार की राजनीति करार दिया कि उसके और बजरंग दल के कार्यकर्ता पार्टी के प्रस्तावित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसने कहा कि विहिप न तो किसी राजनीतिक दल का समर्थन करती है और न ही उनके राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेती है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पीटीआई-भाषा से कहा, विहिप और बजरंग दल ने मनसे के हनुमान चालीसा कार्यक्रम का समर्थन नहीं किया है।

छात्रों को चरक शपथ दिलाने पर तमिलनाडु के मेडिकल कॉलेज के डीन को पद से हटाया गया

चेन्नई। मदुरै सरकारी मेडिकल कॉलेज के डीन को पद से हटा दिया गया और प्रतीक्षा सूची में रखा गया है क्योंकि कॉलेज में प्रवेश पाए नए छात्रों को हिप्पोक्रेटिक शपथ के स्थान पर महर्षि चरक शपथ दिलाई गई थी। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि कॉलेज में शनिवार को महर्षि चरक शपथ दिलाई गई जो कि बेहद निंदनीय था, इसलिए मदुरै कॉलेज के डीन डॉ ए रतिनवेल को पद से हटा दिया गया है और उन्हें प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यन की ओर से इस संबंध में नियम तोड़ने तथा छात्रों को चरक शपथ दिलाने के लिए विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। सरकार ने कहा कि सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रमुखों को सलाह दी जाती है कि वे हमेशा हिप्पोक्रेटिक शपथ दिलाने के नियम का पालन करें।

रामकृष्ण मिशन ने अपना 125वां स्थापना दिवस मनाया

भाषा। हावड़ा (प बंगाल)

स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन के 125वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को बेलूर मठ में सैकड़ों श्रद्धालु एकत्र हुए। रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंदजी महाराज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा ने संगठन को मानवता की सेवा के पथ पर आगे बढ़ने में सहायता की है। उन्होंने संगठन की विभिन्न शैक्षणिक, परमार्थ और आध्यात्मिक गतिविधियों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, रामकृष्ण मिशन से जुड़े सभी छात्र समुदायों, श्रद्धालुओं और संन्यासियों को 125वें स्थापना दिवस पर मैं शुभकामनाएं देती हूं। ठाकुर-मां-स्वामीजी का संदेश हम सभी को प्रेरणा देता रहे। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में स्थित बेलूर मठ की स्थापना एक मई 1897 को स्वामी विवेकानंद ने की थी।

मप्र में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में भाग लेते पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

उत्तराखंड में सत्यापन अभियान में मिले संदिग्धों में से 10 गिरफ्तार

भाषा। देहरादून

चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले उत्तराखंड पुलिस द्वारा प्रदेश में बाहर से आए लोगों के भौतिक सत्यापन के लिए चलाए गए अभियान में कुल 2,526 लोग संदिग्ध पाए गए और इनमें से 10 को गिरफ्तार किया गया। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने रविवार को यहां बताया कि 21 अप्रैल से चलाए गए 10 दिवसीय सघन अभियान के दौरान प्रदेश में कुल 67,858 लोगों का भौतिक सत्यापन किया गया जिनमें से 2,526 लोग संदिग्ध पाए गए। उन्होंने बताया कि संदिग्धों में से 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि शेष के विरूद्ध पुलिस अधिनियम तथा अन्य अधिनियमों के तहत कार्यवाही की गई है।

पुलिस ने यह विशेष अभियान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर चारधाम यात्रा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चलाया था जिसमें पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में आने वाले नौकरीपेशा, व्यापारी, रेहड़ी, ठेली लगाने वालों, मजदूरों तथा किराएदारों का सत्यापन किया गया। कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा इस प्रकार के सत्यापन अभियान पहले भी चलाए जाते रहे हैं और यह अभियान भी रूटीन रूप में जारी रहेगा। माना जा रहा है कि हरिद्वार जिले के डाडा जलालपुर गांव में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा पर पथराव की पृष्ठभूमि में चारधाम यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो इस लक्ष्य से सत्यापन अभियान चलाया गया है।इससे पहले, मुख्यमंत्री धामी ने कहा था कि चारधाम यात्रा के दौरान राज्य सरकार एक अभियान चलाकर यह सुनिश्चित करेगी कि बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों का उचित सत्यापन हो और खतरा पैदा करने की संभावना वाले तत्व राज्य में प्रवेश न कर सकें।धामी ने कहा था, हमारा राज्य शांत रहना चाहिए तथा धर्म और संस्कृति बची रहनी चाहिए। हम कोशिश करेंगे कि बाहर से आने वाले लोगों का ठीक प्रकार से सत्यापन हो और ऐसे लोग यहां न आ पाएं जिनके कारण राज्य में वातावरण खराब हो। गौरतलब है कि उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट मंगलवार को अक्षय तृतीया पर्व पर खुलने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा प्रारंभ हो जाएगी। केदारनाथ के कपाट जहां छह मई को खुलेंगे वहीं बदरीनाथ मंदिर के कपाट आठ मई को खुलेंगे। पिछले दो साल से कोविड प्रतिबंधों के कारण लगभग बंद पड़ी चारधाम यात्रा पर इस साल रिकार्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

पटियाला हिंसा मामले में मुख्य आरोपी समेत छह गिरफ्तार

भाषा। पटियाला

पुलिस ने पंजाब के पटियाला में हुई झड़प के मुख्य आरोपी बरजिंदर सिंह परवाना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। हिंसा की इस घटना में चार लोग घायल हो गए थे। शुक्रवार को खालिस्तान विरोधी जुलूस के मुद्दे पर दो समूहों में झड़प हो गई थी जिसके बाद पुलिस को स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हवा में गोली चलानी पड़ी। पुलिस के मुताबिक छह और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक इस मामले में कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस महानिरीक्षक (पटियाला रेंज) मुखविंदर सिंह चिन्ना ने कहा, मुख्य आरोपी बरजिंदर सिंह परवाना (38) को मोहाली से गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद परवाना को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, जिले के राजपुरा का निवासी परवाना शुक्रवार की घटना के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। उस पर शुक्रवार को सिख कट्टरपंथियों को काली माता मंदिर की ओर बढ़ने के लिए उकसाने का आरोप है। बरजिंदर सिंह परवाना उर्फ सन्नी आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है, जिसके खिलाफ पूर्व में चार प्राथमिकी दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार इनमें से तीन मामले पटियाला और एक मोहाली में दर्ज किए गए हैं। स्नातक तक पढ़ाई करने वाला परवाना सोशल मीडिया पर उत्तेजक भाषणों के लिए जाना जाता है। वह 2007-08 में सिंगापुर गया था और वहां 18 महीने रहने के बाद लौट आया था। परवाना ने राजपुरा में अपना सिख संगठन दमदमी टकसाल स्थापित किया। उसने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया था। चिन्ना ने कहा कि हरीश सिंगला के साथी शंकर भारद्वाज और अश्विनी कुमार जग्गी पंडित नामक एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। शंकर शिवसेना (बाल ठाकरे) संगठन का जिला अध्यक्ष है। सिंगला, शिवसेना (बाल ठाकरे) नामक एक संगठन का कार्यवाहक अध्यक्ष है और उसे बिना अनुमति जुलूस निकालने तथा हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने फतेहगढ़ साहिब जिले के ग्राम बाल सिकंदर के निवासी शिवदेव को भी गिरफ्तार कियाअ हरियाणा के जींद के रहने वाले दविंदर सिंह, और पटियाला के समाना निवासी राजिंदर सिंह को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को कहा था कि उसने शुक्रवार को हुई घटना के संबंध में सिंगला, दलजीत सिंह और कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि इस हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चिन्ना ने कहा कि अगर कोई शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता पाया गया तो पुलिस उसके खिलाफ कड़ी कार्वाई करेगी। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश फैलाने वाले लोगों को भी बक्शा नहीं जाएगा। इस बीच, पुलिस उपायुक्त साक्षी साहनी ने लोगों से सोशल मीडिया पर ऐसा कोई भी आपत्तिजनक वीडियो या संदेश साझा नहीं करने की अपील की, जिससे समाज में अशांति फैल सकती है और समुदायों के बीच संघर्ष पैदा हो सकता है। उपायुक्त साहनी ने कहा कि जिले के सभी अनुमंडलों में शांति समिति की बैठकें हो रही हैं।

असम के मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता की वकालत की, कहा- इससे मुस्लिम औरतों का सम्मान सुनिश्चित होगा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की पुरजोर वकालत की है और कहा कि कोई भी मुस्लिम महिला नहीं चाहती कि उसका शौहर तीन और बीवियां लेकर आए। सरमा ने यहां रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की जिन्होंने हाल में कहा था कि उनकी सरकार राज्य में यूसीसी लागू करने के लिए मसौदा तैयार करेगी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जिस मुस्लिम से भी मिले उन सभी को यूसीसी चाहिए था। सरमा ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, कोई मुस्लिम औरत नहीं चाहती कि उसके शौहर की तीन बीवियां हों। कोई यह नहीं चाहता। कोई आपसे नहीं कहेगा कि उसके शौहर को तीन औरतों से शादी करनी चाहिए। यह कौन चाहता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम व्यक्ति यदि एक से ज्यादा औरतों से शादी करता है तो यह उसकी नहीं बल्कि मुस्लिम माताओं और बहनों की समस्या है। सरमा ने कहा कि अगर मुस्लिम औरतों और माताओं को समाज में इज्जत देनी है तो तीन तलाक (कानून) के बाद यूसीसी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं हिंदू हूं और मेरे पास यूसीसी है। मेरी बहन और बेटी के लिए मेरे पास यूसीसी है। अगर मेरी बेटी के लिए मेरे पास यूसीसी हो सकता है तो मुस्लिम बेटियों को भी यह सुरक्षा मिलनी चाहिए।

यूक्रेन के निवासियों ने मारियुपोल को बचाने की गुहार लगाई

एपी। खारकीव (यूक्रेन)

यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्व में रूस की सेना को रोकने के लिए शनिवार को गांव-गांव तक लड़ाई लड़ी, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने बंदरगाह शहर मारियुपोल में बमबारी से नष्ट हुई इमारतों के अंतिम रक्षात्मक गढ़ से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की।

यूक्रेन के अधिकारियों के अनुसार, अनुमानित एक लाख नागरिक शहर में रहते हैं और तकरीबन एक हज़ार नागरिकों ने सोवियत युग के विशाल इस्पात संयंत्र में पनाह ली है। यूक्रेन ने यह नहीं बताया है कि संयंत्र में कितने सैनिक मौजूद हैं।

रूस की सरकार समर्थित मीडिया ने शनिवार को बताया कि अज़ोवस्तल इस्पात संयंत्र से 25 नागरिकों को निकाला गया था, हालांकि संयुक्त राष्ट्र से इस बात की पुष्टि नहीं हुई। रूस की आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी ने बताया कि 19 वयस्कों और छह बच्चों को बाहर निकाला गया है, हालांकि ज्यादा जानकारी नहीं दी गई।

अज़ोव रेजीमेंट के एक शीर्ष अधिकारी, जो कि संयंत्र की सुरक्षा करने वाली यूक्रेनी इकाई है, ने कहा कि संघर्ष विराम के दौरान 20 नागरिकों को निकाला गया था, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि क्या वह उसी समूह का उल्लेख कर रहे थे जैसा कि रूस के समाचारों में बताया गया था। रेजीमेंट के टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में स्वतोस्लाव पालामार ने कहा, ए महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने घायलों को बचाने का आह्वान भी किया। महिलाओं ने द एसोसिएटेड प्रेस के साथ साझा किए गए वीडियो के अलावा बताया कि बहुत सीमित संख्या में चिकित्सा कर्मी कम से कम 600 घायल लोगों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ घाव गैंगरीन से सड़ रहे थे।

मारियुपोल इस्पात संयंत्र से कुछ लोगों को निकाला गया

एपी। खारकीव (यूक्रेन)

यूक्रेन में युद्धग्रस्त मारियुपोल शहर के इस्पात संयंत्र से कुछ महिलाओं और बच्चों को निकाला गया है। यूक्रेन के एक अधिकारी और रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है।

हालांकि माना जाता है कि अब भी वहां पर सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं जिनके पास खाने-पीने का ज्यादा सामान नहीं है। संयुक्त राष्ट्र अजोवस्ताल संयंत्र के नीचे छिपे एक हजार से ज्यादा लोगों को निकालने के वास्ते मध्यस्थता कर रहा है। यूक्रेन ने यह नहीं बताया है कि संयंत्र में उसके कितने लड़ाके हैं, लेकिन रूस ने उनकी संख्या करीब दो हजार बताई है। गौरतलब है कि मारियुपोल का यह संयंत्र ही ऐसा इलाका है जहां रूस की फौज ने कब्जा नहीं किया है। तकरीबन एक लाख लोग अब भी शहर में हैं। रूस की सेना ने यूक्रेन के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र के अहम हिस्सों पर कब्जा करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। रूस की बढ़त को रोकने के लिए यूक्रेन के बलों को गांव दर गांव लड़ना पड़ा है। रूस की आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी ने शनिवार को बताया कि इस्पात संयंत्र से 19 वयस्कों और छह बच्चों को निकाला गया है लेकिन उसने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। संयंत्र की हिफाज़त में लगी यूक्रेन की इकाई अज़ोव रेजिमेंट के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि संघर्षविराम के दौरान 20 आम लोगों को निकाला गया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे उसी समूह की बात कर रहे हैं जिसके बारे में रूसी समाचार एजेंसी ने खबर दी है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। रेजिमेंट के टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में एस पलामार ने कहा कि इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने घायलों को भी निकाले जाने का आह्वान करते हुए कहा, हमें नहीं पता कि उन्हें क्यों नहीं निकाला गया और उन्हें यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्र में ले जाने के लिए चर्चा क्यों नहीं की जा रही है। यूक्रेन की दो महिलाओं ने अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटिड प्रेस के साथ संयंत्र के अंदर के वीडियो और तस्वीरें साझा की हैं और कहा है कि उनके पति लड़ाकों में शामिल हैं और समर्पण करने से मना कर रहे हैं। महिलाओं ने कहा कि मेडिकल कर्मी कम से कम 600 घायलों का इलाज कर रहे हैं। महिलाओं ने आग्रह किया कि यूक्रेन के लड़ाकों को भी आम लोगों के साथ निकाला जाए। उन्होंने आगाह किया कि अगर वे पकड़े जाते हैं तो उन्हें प्रताड़ित किया जाएगा। युलिया फेदुसियुक ने रोम में एपी से कहा कि सैनिकों की जिंदगी भी मायने रखती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार देर रात वीडियो संबोधन में रूसी सैनिकों से यूक्रेन में युद्ध न लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रूस के सैन्य अधिकारी भी जानते हैं कि यूक्रेन युद्ध में हजारों रूसी सैनिक मारे जा सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस युद्ध के शुरुआती हफ्तों में नष्ट होने वाली अपनी सैन्य टुकड़ियों में नए जवानों की भर्ती कर रहा है, जिन्हें जंग लड़ने का अनुभव और प्रेरणा बेहद कम है , ताकि इन टुकड़ियों को युद्ध में दोबारा उतारा जा सके।

जापान और वियतनाम के नेताओं ने यूक्रेन में बलप्रयोग से इनकार किया

हनोई। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को वियतनाम के नेताओं के साथ यूक्रेन में युद्ध के हालात पर चर्चा की और कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने और बलप्रयोग नहीं करने पर सहमत हुए हैं।जापान ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की है और उसने पश्चिमी देशों की तरह मॉस्को के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। वियतनाम ने अन्य ज्यादातर दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तरह रूस की सीधी आलोचना से बचते हुए संयम बरतने, संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का सम्मान करने तथा संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बात करने का सुझाव दिया है। वियतनाम ने मार्च में संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस सत्र में मतदान में भाग नहीं लिया था जिसमें यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की गई थी।वियतनाम मॉस्को का ऐतिहासिक सहयोगी है और उसकी सेना में अधिकतर रूसी आयुध हैं। उसके यूक्रेन के साथ भी मजबूत संबंध हैं जहां करीब 10,000 वियतनामी रहते हैं, काम करते हैं और अध्ययन करते हैं।

नाटो सैनिकों की भागीदारी वाला सैन्य अभ्यास शुरू: पोलैंड

वारसा। पोलैंड के सशस्त्र बलों ने रविवार को कहा कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सैनिकों की भागीदारी वाला सैन्य अभ्यास शुरू हो गया है। यह नियमित अभ्यास का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य पूर्वी यूरोप में सुरक्षा को बेहतर बनाना है लेकिन इस साल यूक्रेन पर रूस के हमले के समय इसका आयोजन हो रहा है। इन परस्थितियों के चलते पोलैंड की सेना ने आने वाले हफ्तों में देश से होकर गुजरने वाले सैन्य वाहनों के काफिलों की तस्वीरें या सूचना प्रसारित नहीं करने की लोगों से रविवार को अपील की। बयान में कहा गया है कि यह चेतावनी दी जाती है कि कोई भी लापरवाह गतिविधि गठबंधन की सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसमें कहा गया है, खतरों से सावधान रहें।

रोमानिया में यूक्रेन से आए शरणार्थियों की मदद करते हैं स्वयंसेवी

बुखारेस्ट। एलेना ट्रोफिमचुक एक महीने से पहले यूक्रेन से पलायन कर रोमानिया चली गईं थीं। वह अब बुकारेस्ट के उत्तर रेलवे स्टेशन को अपने दूसरे घर के रूप में देखती हैं। वह (एलेना) वहां रहती नहीं हैं, लेकिन यह वही जगह है जहां उन्होंने अपना अधिकांश समय रूस के आक्रमण से सुरक्षित बच निकलने वाले यूक्रेन के शरणार्थियों की मदद करने में व्यतीत किया है। यहां एलेना उनके टिकट, आवास और आगे की यात्रा में मदद करती है। छब्बीस वर्षीया एलेना ने कहा, खुद को व्यस्त रखने से वह अपने गृहनगर ओडेसा में रूस की ओर से की जाने वाली गोलाबारी से दूर रहती हैं, जहां उनके कई दोस्त अभी भी रहते हैं। ट्रोफिमचुक ने कहा, यदि आप खाली बैठे रहते और कुछ नहीं करते हैं, तो आप सिर्फ इसलिए पागल होते हैं, क्योंकि आप हमेशा समाचार ढूंढ़ते रहते हैं। यह बहुत कठिन है। इसलिए यहां मैं लोगों को टिकट खरीदने और आवास तलाशने में मदद करती हूं। मैं रसोई में भी रोमानियाई लोगों की मदद करती हूं। रोमानियाई सरकार वर्तमान में रोमानिया पहुंचने वाले यूक्रेनी शरणार्थियों को मुफ्त ट्रेन टिकट दे रही है, जिसका उपयोग वे हंगरी, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, स्लोवाकिया और बुल्गारिया की यात्रा के लिए कर सकते हैं।

अमेरिकी सांसदों ने पुतिन को हराने के लिए यूक्रेन की मदद का संकल्प लिया

जेस्जोव। अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने यूक्रेनवासियों के साहस की प्रशंसा की है और रूस को हराने के लिए यूक्रेन को हरसंभव अमेरिकी समर्थन जारी रखने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। पेलोसी रूस के साथ अगले चरण के युद्ध में यूक्रेन की जरूरतों के आकलन के लिए अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। यह प्रतिनिधिमंडल कीव पहुंचा था। वह पिछले दो माह से अधिक समय से जारी युद्ध से लेकर अब तक यूक्रेन की यात्रा करने वाली सबसे वरिष्ठ अमेरिकी सांसद हैं। पेलोसी और छह सांसदों ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और उनके शीर्ष सहयोगियों से तीन घंटे मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रविवार को पोलैंड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यूक्रेन द्वारा रूस को अभी तक दी गई टक्कर की प्रशंसा की तथा दीर्घकालिक सैन्य, मानवीय और आर्थिक सहयोग जारी रखने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक रूस को हरा नहीं देता है तब तक वह यूक्रेन के साथ खड़ा मिलेगा।

उदार वैश्विक व्यवस्था गंभीर हमले की शिकार: बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि की नींव डालने वाली उदार वैश्विक व्यवस्था गंभीर हमले की शिकार है। प्रेस एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जश्न मनाने में व्हाइट हाउस कवर करने वाले संवाददाताओं के साथ शामिल होते हुए बाइडन ने यह बात कही। इस कार्यक्रम में राजनीति, नौकरशाही, मनोरंजन और कॉर्पोरेट क्षेत्रों से समूचे अमेरिका के 2,500 से अधिक प्रतिष्ठित मेहमान शामिल हुए। छह साल में बाइडन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने शनिवार को आयोजित वार्षिक व्हाइट हाउस संवाददाता संघ भोज (डब्ल्यूएचसीए) में हिस्सा लिया। पिछले दो वर्षों में कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था। बाइडन के पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प पहले तीन वर्षों में समारोह में शामिल नहीं हुए थे।

अचानक यूक्रेन पहुंची एंजेलीना जोली ने बच्चों से की मुलाकात

ल्वीव। हॉलीवुड अभिनेत्री एवं संयुक्त राष्ट्र मानवता दूत एंजेलीना जोली ने शनिवार को अचानक पश्चिमी यूक्रेन के ल्वीव शहर पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की। ल्वीव के गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने टेलीग्राम पर यह जानकारी दी। कोजित्स्की के अनुसार, साल 2011 से लेकर अब तक संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की विशेष शरणार्थी दूत एंजेलीना ल्वीव में शरण लेने वाले विस्थापित लोगों से मिलने के लिए यहां आई थीं। इनमें वे बच्चे भी शमिल हैं, जो अप्रैल की शुरुआत में क्रामातोर्क्स रेलवे स्टेशन पर हुए मिसाइल हमले में घायल होने के बाद यहां इलाज करवा रहे हैं। कोजित्स्की ने लिखा, एंजेलीना बच्चों की कहानियां सुनकर बहुत प्रभावित हुईं। एक लड़की ने उन्हें अपने सपने के बारे में भी बताया। गवर्नर ने बताया कि एंजेलीना ने एक स्कूल का भी दौरा किया और वहां छात्रों के साथ मुलाकात कर तस्वीरें खिचवाईं। इस दौरान उन्होंने वादा किया कि वह दोबारा ल्वीव आएंगी।

कंसास में आए बवंडर से तीन छात्रों की मौत

विचिटा (अमेरिका)। अमेरिका के कंसास के कुछ हिस्सों में आए बवंडर ने सैकड़ों मकानों और इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया। कई लोग घायल हो गए, जबकि 15,000 से अधिक लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बवंडर के बीच कंसास लौट रहे ओकलाहोमा मौसम विज्ञान विश्वविद्यालय के तीन छात्र शुक्रवार शाम एक हादसे में मारे गए। ओक्लाहोमा हाईवे पेट्रोल रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास निवासी निकोलस नायर (20), इलिनॉइस निवासी गेविन शॉर्ट (19) और इंडियाना के रहने वाले ड्रेक ब्रूक्स (22) की शुक्रवार रात 11.30 बजे के करीब एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

ऊंची कीमतों के कारण अप्रैल में पेट्रोल डीजल की बिक्री में वृद्धि नरम रही

भाषा। नई दिल्ली

भारत में अप्रैल 2022 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में वृद्धि नरम रही, वहीं घरेलू रसोई गैस एलपीजी की खपत घटी है। ईंधन के दाम रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंचने की वजह से मांग प्रभावित हुई है। उद्योग के आरंभिक आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी मिली है। मार्च, 2022 की तुलना में अप्रैल, 2022 में पेट्रोल की बिक्री में वृद्धि 2.1 फीसदी रही जबकि डीजल की मांग लगभग सपाट रही। रसोई गैस एलपीजी जिसकी मांग माहमारी काल में भी बढ़ती रही थी, उसकी खपत में भी मासिक आधार पर अप्रैल में 9.1 फीसदी की गिरावट आई। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रखने के बाद 22 मार्च को पहली बार बढ़ाई थीं। उसके बाद छह अप्रैल तक 16 दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 10-10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई।

घरेलू रसोई गैस की कीमत में भी 22 मार्च को 50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी जिसके बाद दिल्ली में सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर का दाम 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इस मूल्यवृद्धि के कारण खपत में नरमी आई। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने अप्रैल में 25.8 लाख टन पेट्रोल बेचा जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 20.4 फीसदी अधिक और 2019 की समान अवधि की तुलना में 15.5 फीसदी अधिक है। हालांकि, मार्च 2022 के मुकाबले खपत महज 2.1 फीसदी ही अधिक रही।

लगातार सातवें महीने एफपीआई की निकासी जारी, अप्रैल में शेयरों से 17,144 करोड़ रुपए निकाले

भाषा। नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला अप्रैल में लगातार सातवें महीने जारी रहा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका के बीच एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से 17,144 करोड़ रुपए निकाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अलावा निकट भविष्य में धारणा में उतार-चढ़ाव कायम रहेगा। वैश्विक स्तर पर आक्रामक दरों से ब्याज दरों में बढ़ोतरी तथा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की वजह से धारणा प्रभावित रहेगी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक सात महीनों यानी अप्रैल तक शुद्ध बिकवाल रहे हैं और उन्होंने शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए की भारी राशि निकाली है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से वृद्धि की आशंका और यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पैदा हुआ भू-राजनीतिक संकट है। लगातार छह महीने की बिकवाली के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे थे और उन्होंने 7,707 करोड़ रुपए का निवेश किया था। लेकिन उसके बाद कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह यानी 11 से 13 अप्रैल के दौरान उन्होंने फिर बिकवाली की। उसके बाद के हफ्तों में भी उनका बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 17,144 करोड़ रुपए निकाले हैं। हालांकि, यह मार्च के 41,123 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी के आंकड़े से कम है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने मई में ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की वृद्धि का संकेत दिया है। यह एक प्रमुख वजह है कि एफपीआई भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। कोटक सिक्योरिटीज के प्रमुख-इक्विटी शोध श्रीकांत चौहान ने कहा, एफपीआई अप्रैल में शुद्ध बिकवाल बने रहे। इसकी प्रमुख वजह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी की आशंका है।

आईडीबीआई बैंक में कुछ हिस्सेदारी रखना चाहती है एलआईसी: चेयरमैन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम ने कहा है कि वह बैंकएश्योरेंस चैनल का लाभ उठाने के लिए आईडीबीआई बैंक में अपना कुछ हिस्सा बरकरार रखना चाहेगी। एलआईसी के चेयरमैन ने कहा कि सरकार के साथ एलआईसी भी आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री करेगी, लेकिन वह अपनी समूची हिस्सेदारी को शायद न बेचे।

ऑक्सीजन उपकरणों के आयात की प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर कर छूट से मना नहीं किया जाए: सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अपने फील्ड अधिकारियों से कहा है कि वे ऑक्सीजन से संबंधित उपकरणों के आयातकों को सीमाशुल्क से छूट से सिर्फ इसलिए इनकार नहीं करें, क्योंकि वे पिछले साल कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान आयात प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे थे। सीबीआईसी ने कहा कि छूट प्राप्त कर दर पर वस्तुओं के आयात (आईजीसीआर) की शर्तों का अनुपालन नहीं करने का विषय इस तरह के उपकरणों के आयात के ऑडिट और सत्यापन के दौरान सामने आया। सीबीआईसी ने अपने फील्ड अधिकारियों को दिए निर्देश में कहा कि कोविड-19 महामारी की असामान्य परिस्थिति के चलते आपात जरूरत के आधार पर मेडिकल ऑक्सीजन से संबंधित उपकरणों के कलपुर्जों का आयात किया गया।

ईवी क्षेत्र के सभी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स ग्राहकों के लिए विभिन्न मूल्य खंडों में ईवी लाने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा है कि वह विभिन्न खंडों में ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने के लिए कई आकार और खूबियों वाले ईवी मॉडल पेश करने की योजना पर काम कर रही है। घरेलू इलेक्ट्रिक यात्री वाहन खंड में फिलहाल सबसे आगे मौजूद टाटा मोटर्स अलग-अलग तरह के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने तीन अलग-अलग मंचों पर आधारित उत्पादों के विकास पर काम कर रही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिक्ल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी ईवी क्षेत्र में त्रिस्तरीय रणनीति पर चल रही है। नेक्सॉन ईवी और टिगोर ईवी एक तरह के ग्राहकों के लिए है तो हाल ही में पेश कर्व कॉन्सेप्ट कार दूसरी तरह के ग्राहकों के लिए होगी। वहीं 2025 में आने वाले अविन्या प्लेटफॉर्म पर बने ईवी अलग तरह के ग्राहकों के लिए होंगे। चंद्रा ने कहा, इन उत्पादों में से हरेक की अपनी अलग खासियत होगी। हम सभी प्रकार के ग्राहक खंडों और उनकी जरूरतों को अलग कीमत स्तरों, बॉडी स्टाइल, फीचर और अनुभव के आधार पर पूरा करने जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इनमें से प्रत्येक वाहन को अच्छी बिक्री मिलेगी।

बिजली संयंत्रों के पास कोयले का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करना कोल इंडिया की प्राथमिकता : अग्रवाल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया ने कहा कि ताप ऊर्जा संयंत्रों को पर्याप्त ईंधन की आपूर्ति करना उसकी प्राथमिकता है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों से चालू वित्त वर्ष में 70 करोड़ टन के कोयला उत्पादन और उठाव के लक्ष्य को पार करने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने को कहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि कंपनी की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि बिजली की कमी के बीच बिजली उत्पादन करने वाली इकाइयों के पास घरेलू ईंधन का पर्याप्त भंडार हो। अग्रवाल ने कर्मचारियों से कहा कि वे इसे पावन लक्ष्य मानें। उन्होंने कहा, कोल इंडिया की प्राथमिकता है कि देश के बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले का पर्याप्त भंडार हो और देश को उचित दामों पर बिजली मिले। हमारा लक्ष्य ऊर्जा को कम से कम कीमत पर सुनिश्चित करने का होना चाहिए।

आईआरएस अधिकारी संगीता सिंह को सीबीडीटी के चेयरपर्सन पद का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) की अधिकारी संगीता सिंह को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जे बी महापात्र 30 अप्रैल को सीबीडीटी प्रमुख पद से सेवानिवृत्त हो गए हैं, जिसके बाद संगीता सिंह को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आदेश के अनुसार, आयकर कैडर की 1986 बैच की आईआरएस अधिकारी संगीता सिंह तीन महीने या नियमित चेयरमैन की नियुक्ति, जो भी पहले हो, तक सीबीडीटी के चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी।

ईवी में आग लगने की घटनाओं की जांच होगी, उद्योग हमारी कल्पना से अधिक आगे जाएगा : अरमाने

नई दिल्ली। बिजलीचालित दोपहिया वाहनों (ईवी) में आग लगने की कई घटनाओं के बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सचिव गिरिधर अरमाने ने रविवार को कहा कि प्रत्येक घटना की जांच कराई जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय ईवी उद्योग हमारी कल्पना से कहीं आगे जाएगा। अरमाने ने कहा कि सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्र की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन योजना के तहत वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग 21,000 करोड़ रुपए की संपत्तियों का मौद्रीकरण किया है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की प्रत्येक घटना की जांच की जाएगी। हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने के कई हादसे हुए हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई है। यह पूछे जाने पर कि क्या बैटरी में आग लगने की घटनाओं की वजह से ईवी क्षेत्र में भारत के अगुवा बनने के प्रयासों पर असर पड़ेगा, अरमाने ने कहा कि ऐसा जरूरी नहीं है। लेकिन विनिर्माताओं को जल्द सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने होंगे और गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता भरोसा प्रणाली स्थापित करनी होगी। उन्होंने कहा, भारतीय ईवी उद्योग हमारी कल्पना से कहीं अधिक समृद्ध और विकसित होने के साथ आगे बढ़ रहा है।

ग्रैमी विजेता जोड़ी द जुड्स की नाओमी जुड का 76 साल की उम्र में निधन

नैशविले (टेनेसी)। ग्रैमी पुरस्कार विजेता जोड़ी द जुड्स की गायिका नाओमी जुड का शनिवार को निधन हो गया है। वह 76 वर्ष की थी। उनकी बेटियों ने बयान जारी कर अपनी मां के निधन की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, आज हम बहनों के लिए बहुत ही दुखद और त्रासदी भरा दिन है। आज हमने अपनी खूबसूरत मां को खो दिया, जो दिमागी बीमारी से जूझ रही थी।

फार्मा निर्यात 2021-22 में बढ़ा

नई दिल्ली। देश का फार्मा (दवाइयां आदि) निर्यात बीते वित्त वर्ष 2021-22 में 1,83,422 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2013-14 में फार्मा निर्यात 90,415 करोड़ रुपए था। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि कोविड महामारी से संबंधित दवाओं की मांग घटने और वैश्विक व्यापार में अड़चनें आने के बावजूद 2021-22 में फार्मा निर्यात ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मंत्रालय ने कहा, भारतीय कंपनियों ने अपनी मूल्य प्रतिस्पर्धा और बेहतर गुणवत्ता से वैश्विक बाजारों में जगह बनाई है। दुनिया में 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आ रही हैं। फार्मा उत्पादन में मात्रा के हिसाब से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के हिसाब से 14वें स्थान पर है। मौजूदा घरेलू फार्मा उद्योग का आकार करीब 50 अरब डॉलर है। वैश्विक निर्यात में फार्मास्युटिकल्स और दवाओं का हिस्सा 5.92 प्रतिशत है।

भारत, मॉरीशस व्यापार करार में जोड़े जा सकते हैं रक्षात्मक-उपाय से संबंधित प्रावधान

भाषा। नई दिल्ली

भारत-मॉरीशस व्यापार समझौते में वस्तुओं के आयात में अचानक और असामान्य उछाल से घरेलू उद्योग को संरक्षण देने के लिए रक्षात्मक-उपाय (सेफगार्ड) तंत्र संबंधी प्रावधानों को जोड़ा जा सकता है। दोनों देशों के बीच यह समझौता एक अप्रैल, 2021 से लागू हुआ है। इस तरह के समझौतों के लागू होने के बाद दोनों पक्षों के सहमत होने पर समझौते में अन्य प्रावधान भी जोड़े जा सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि समझौते में सामान्य आर्थिक सहयोग पर भी एक अध्याय जोड़ा जा सकता है। इसे आधिकारिक रूप से वृहद आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौता (सीईसीपीए) कहा जाता है। रक्षात्मक-उपाय तंत्र तब काम आता है जब किसी वस्तु के आयात में अचानक वृद्धि होती है, जो घरेलू उद्योग को प्रभावित कर सकती है। इस प्रावधान के तहत उस विशेष वस्तु पर रियायती सीमा शुल्क को सभी देशों के लिए लागू होने वाले मौजूदा करों से बदल दिया जाता है। इसमें किसी तीसरे देश के उत्पाद को रोकने के लिए भी सख्त नियम है। सूत्रों ने कहा कि इन दोनों मुद्दों- रक्षात्मक-उपाय तंत्र और सामान्य आर्थिक सहयोग को समझौते में शामिल करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी लेने की जरूरत होगी।

वसूली पर भी ध्यान देना जरूरी: एसबीआई एमडी

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक जे स्वामीनाथन ने रविवार को कहा कि ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) का प्राथमिक उद्देश्य एक दबाव वाली कंपनी का समाधान करना है, लेकिन बकाया कर्ज की वसूली के प्रतिशत को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

तिमाही नतीजों, ब्याज दरों पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक के फैसले से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

भाषा। नई दिल्ली

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर निर्णय, घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं तथा कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताते हुए कहा है कि इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों तथा जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर सभी की निगाह रहेगी। ईद-उल-फितर के मौके पर मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे।स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध-प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, अमेरिकी बाजार में तेज गिरावट के बाद इस सप्ताह बाजारों की शुरुआत सुस्त रहने की संभावना है। निवेशकों का ध्यान फिर अमेरिका में एफओएमसी बैठक के नतीजों पर रहेगा। एफओएमसी की बैठक बुधवार हो होनी और भारतीय बाजार बृहस्पतिवार को इसपर प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने कहा, इस सप्ताह बाजार पर वैश्विक संकेतक हावी रहेंगे क्योंकि एफओएमसी बैठक के अलावा बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) भी ब्याज दर पर निर्णय लेगा। साथ ही अमेरिका के रोजगार के आंकड़े और वैश्विक स्तर पर पीएमआई आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह वाहन बिक्री के मासिक आंकड़ों के अलावा रिलायंस, ब्रिटानिया, एचडीएफसी लिमिटेड, अडाणी एंटरप्राइजेज, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा पावर जैसी बड़ी कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणाम भी आने हैं।

मारुति की थोक बिक्री अप्रैल में घटी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की थोक बिक्री अप्रैल, 2022 में छह प्रतिशत घटकर 1,50,661 इकाई रह गई। अप्रैल, 2021 में कंपनी ने 1,59,691 वाहन बेचे थे। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि अप्रैल में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,32,248 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,42,454 इकाई थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी की छोटी कारों- आल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री 32 प्रतिशत घटकर 25,041 से 17,137 इकाई पर आ गई। इसी तरह कॉम्पैक्ट खंड में कंपनी की बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 59,184 इकाई रह गई। इस खंड में कंपनी स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसे मॉडल बेचती है। अप्रैल, 2021 में इस खंड में कंपनी की बिक्री 72,318 इकाई रही थी।

भूल भुलैया-2 मनोवैज्ञानिक थ्रिलर नहीं बल्कि हॉरर कॉमेडी : अनीस

मुंबई। फिल्म निर्माता अनीस बज्मी का कहना है कि वह अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 2 को पूरी तरह से एक हॉरर कॉमेडी के रूप में बनाना चाहते थे, ताकि किसी भी तरह की सीधी तुलना से बचने के लिए मूल फिल्म के मनोवैज्ञानिक थ्रिलर तत्व को छोड़ दिया जाए। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 2007 की हिट फिल्म भूल भुलैया में अक्षय कुमार को एक मनोचिकित्सक के रूप में दिखाया गया था, जिसे एक हवेली में अलौकिक गतिविधियों के पीछे के कारण का पता लगाने का काम सौंपा गया है। भूल भुलैया , 1993 की मलयालम फिल्म मणिचित्रथजु का हिंदी रीमेक मोहनलाल की भूमिका को दर्शाती है, जो क्लाइमेक्स यानी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में बदलने से पहले एक हॉरर कॉमेडी के रूप में दिखाई गई थी। अगली कड़ी (भुल भूलैया-2) में, अभिनेता कार्तिक आर्यन कुमार की भूमिका में दिखाई देंगे, बज्मी ने कहा कि वह चीजों को बदलना चाहते हैं। मैं स्पष्ट था कि मैं एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर नहीं बनाना चाहता था।

अगर मैंने इसे इस तरह बनाया होता, तो यह एक सीधी तुलना होती। जब आप इस फिल्म को देखते हैं, तो यह आपको भाग एक की याद दिलाएगा, लेकिन यह वास्तव में एक जैसा नहीं है। फिल्म निर्माता ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगर मैं आपको वही फिल्म ऑफर करता हूं, तो सीक्वल बनाने का क्या मतलब है? मेरी फिल्म मूल रूप से एक हॉरर कॉमेडी है। आपको उसी दुनिया की झलकियां मिलती रहेंगी लेकिन फिर भी आप एक नई फिल्म देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, भूल भुलैया भी एक रीमेक थी। मेरे पास यह विशेषाधिकार नहीं था, कि ओह, यहां एक सुपरहिट फिल्म है, चलो इसे रीमेक करते हैं।

इसका मतलब था कि हमें शुरू से शुरुआत करनी थी, सब कुछ ठीक करने के लिए स्क्रिप्ट के स्तर पर कड़ी मेहनत करनी थी। बज्मी ने कहा, मुझे बस इस अधिकार को पाने के लिए ध्यान केंद्रित करना था। चूंकि मैंने कभी हॉरर फिल्में नहीं बनाई थीं, मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक नया क्षेत्र था, एक नई चुनौती। चूंकि मेरी कॉमेडी फिल्में सफल रही हैं, लोग सोचते हैं कि मैं केवल इसी शैली में फिल्में बना सकता हूं। लेकिन मैंने प्यार तो होना ही था , एक रोमांटिक ड्रामा और थ्रिलर दीवानगी भी बनाई है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म के बाद लोग कहेंगे कि मैं हॉरर फिल्में भी बना सकता हूं। भूल भुलैया-2 अब 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुंबई में कैट वाक करती अभिनेत्री अथिया शेट्टी

पिता न्यायाधीश की कार चलाते हैं, बेटी वंशिता गुप्ता अदालत में हुकुम चलाएगी

नई दिल्ली। किसी का हौसला बढ़ाना हो तो उसे ऐसे लोगों की मिसाल दी जाती है, जिन्होंने किसी असंभव से लगने वाले सपने को अपनी मेहनत से साकार कर दिया हो। मध्य प्रदेश के नीमच जिले की एक लड़की ने अपनी लगन और मेहनत से अपने भविष्य को इतना उज्ज्वल बना दिया है कि लोग अपनी बेटियों को उसकी मिसाल दिया करेंगे। दरअसल, नीमच की 25 वर्षीय वंशिता गुप्ता न्यायाधीश की भर्ती परीक्षा पास करके सिविल जज के पद पर चुनी गई हैं। उन्हें पूरे प्रदेश में सातवीं रैंक हासिल हुई है। खास बात यह है कि वंशिता के पिता अरविंद गुप्ता जिले के एक न्यायाधीश के कार चालक हैं। अरविंद गुप्ता बेटी की सफलता से बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 20 साल से अदालत में कर्मचारी हैं और एक न्यायाधीश के कार चालक के रूप में काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि उन्होंने ख्वाबों-ख्यालों में भी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी एक दिन जज बन जाएगी। अरविंद गुप्ता ने अपने परिवार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता यानी वंशिता के दादा रमेशचंद्र गुप्ता भी अदालत में ग्रेड-। रीडर रह चुके हैं। वहां से सेवानिवृत्ति के बाद वह अब मंदसौर में वकालत कर रहे हैं। अरविंद गुप्ता ने बताया कि वंशिता की मां सरकारी स्कूल में अध्यापिका हैं। यह कहते हुए उनकी आंखों की चमक कई गुना बढ़ जाती है कि अब उनकी बेटी ने अपने पहले ही प्रयास में सिविल जज की भर्ती परीक्षा पास करके उनके परिवार का नाम रौशन किया है।अरविंद गुप्ता के मुताबिक, वंशिता ने जयपुर से कानून की पढ़ाई की और इंदौर के एक कोचिंग संस्थान में सिविल जज की भर्ती परीक्षा की तैयारी की। वह बताते हैं कि स्कूल में पढ़ाई के दौरान वंशिता पायलट बनना चाहती थी, लेकिन एक दिन वह उनके साथ अदालत गई और न्यायाधीश की कुर्सी के साथ जुड़ी प्रतिष्ठा और सम्मान को देखकर जज बनने की ठान ली। जज की भर्ती परीक्षा का परिणाम नीमच के लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। जिले की एक और लड़की दीर्घा एरन ने भी अपने दूसरे प्रयास में यह परीक्षा पास की है। उनके पिता जितेंद्र एरन जिले में किताबों की दुकान चलाते हैं।

स्कूल में पढ़ाई के दौरान वंशिता पायलट बनना चाहती थी, लेकिन एक दिन वह पिता के साथ अदालत गई और न्यायाधीश की कुर्सी के साथ जुड़ी प्रतिष्ठा और सम्मान को देखकर जज बनने की ठान ली। वंशिता के दादा रमेशचंद्र गुप्ता भी अदालत में ग्रेड-1 रीडर रह चुके हैं। वहां से सेवानिवृत्ति के बाद वह अब मंदसौर में वकालत कर रहे हैं।

टिहरी में सुरकंडा देवी मंदिर के लिए रोप-वे सेवा आरंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उत्तराखंड के टिहरी जिले में सिद्धपीठ मां सुरकंडा देवी मंदिर रोप-वे सेवा शुभारंभ किया। पांच करोड़ रुपए की लागत से बना 502 मीटर लंबा सुरकंडा रोप-वे शुरू होने से श्रद्धालु कद्दूखाल से मात्र 5 से 10 मिनट में सुगमता पूर्वक मां सुरकंडा देवी के मंदिर तक पहुंच जाएंगे और उनके दर्शन कर सकेंगे। रोप-वे की क्षमता लगभग 500 व्यक्ति प्रति घंटा है। उत्तराखंड के गठन के बाद यह पहली महत्वपूर्ण रोप-वे परियोजना है जिसका निर्माण राज्य पर्यटन विभाग द्वारा किया गया है। मां सुरकंडा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद धामी ने कहा कि मंदिर के लिए रोप-वे सेवा शुरू होने से श्रद्धालुओं को दर्शन करने में सुगमता होगी और स्थानीय लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। रोप-वे को यात्रियों एवं पर्यटकों के लिए प्रदूषणमुक्त यातायात का प्रमुख साधन बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा केंद्र की पर्वतमाला योजना के तहत विभिन्न रोप-वे परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन के साथ ही साहसिक (एडवेंचर) पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टिहरी में करीब 42 वर्ग किलोमीटर में फैली विशालकाय झील में विभिन्न साहसिक जलक्रीड़ाओं का संचालन किया जा रहा है और पर्यटन से संबंधित अन्य गतिविधियों की योजना बनाई जा रही है। धामी ने टिहरी की जिलाधिकारी ईवा आशीष श्रीवास्तव को क्षेत्र में स्थाई हेलीपैड के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित करने को भी कहा। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मां सुरकंडा के लिए रोप-वे सेवा शुरू होने से यहां श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में रुद्राक्ष के पौधे लगाए गए

देहरादून। गैर सरकारी संगठन गायत्री परिवार द्वारा 2010 से चलाए जा रहे देशव्यापी पौधारोपण अभियान के 600 वें सप्ताह में रविवार को हरिद्वार-स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में शिव मंदिर के परिसर में रूद्राक्ष के पौधे लगाए गए। कोलकाता युवा समूह के प्रमुख रवि शर्मा ने बताया कि कोलकाता के गायत्री परिवार के स्वयंसेवक अभियान के तहत पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के 300 शहरों में और उनके आसपास अब तक एक करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं। इस मौके पर गायत्री परिवार के प्रमुख प्रणव पांडया ने कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने का एकमात्र उपाय बड़े पैमाने पर पौधारोपण है। उन्होंने कहा, हमें सिंगापुर जैसे देशों से प्रेरणा लेनी चाहिए जहां हर व्यक्ति पौधे लगाकर देशव्यापी पौधारोपण अभियान में अपना योगदान देता है। जहां भी संभव हो हमें भी पौधारोपण करना चाहिए।

मानसिक बीमारी से जूझ रही आमिर खान की बेटी

मुंबई। अभिनेता आमिर खान की बेटी आइरा खान का कहना है कि वह मानसिक बीमारी से जूझ रही हैं और अब उन्हें लगभग आए दिन एंग्जाइटी अटैक पड़ने लगा है और यह अटैक पड़ने के बाद वह खुद को बहुत लाचार महसूस करती हैं। आइरा ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करने के अपने अनुभवों के बारे में विस्तार से बताया। दरअसल, आइरा ने 2020 में खुद के अवसाद और अन्य मानसिक परेशानियों से पीड़ित होने का खुलासा किया था। आइरा ने लिखा, मुझे एंग्जाइटी अटैक पड़ने लगे हैं। मुझे घबराहट और चिंता होती है। और मैं बहुत बेचैन हो जाती हूं। इसके बाद मैं रोने लगती हूं। लेकिन, मुझे पहले कभी इस तरह की परेशानी नहीं हुई। आइरा (24) ने कहा कि उन्हें कभी-कभी सांस लेने में तकलीफ होती है और दिल की धड़कन तेज होने की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। वह कहती हैं, साथ में रोना भी बहुत आता है। यह धीरे धीरे होता है।ऐसा लगता है कि जैसे कुछ बहुत बुरा होने वाला है। वह कहती हैं कि एंग्जाइटी अटैक उन्हें ज्यादातर रात में पड़ता है और वह सो नहीं पाती क्योंकि वह अपने डर को पहचानने की कोशिश करती रहती है, खुद से बातें करती है। लेकिन आइरा साथ ही यह भी बताती हैं कि अपने बॉयफ्रेंड और सिलेब्रिटी फिटनेस ट्रेनर नुपूर शिखारे से बात कर उन्हें राहत मिलती है और एंग्जाइटी अटैक से संभलने में मदद भी मिलती है।

आइरा ने कहा कि उन्हें कभी-कभी सांस लेने में तकलीफ होती है और दिल की धड़कन तेज होने की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। वह कहती हैं, साथ में रोना भी बहुत आता है। यह धीरे धीरे होता है।ऐसा लगता है कि जैसे कुछ बहुत बुरा होने वाला है।

आंखों को क्षति पहुंचा सकती है गर्मी

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में तापमान अधिक होने से आंखों में एलर्जी और संक्रमण का होना काफी आम है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय आंखों की देखभाल के लिहाज से काफी अहम होता है। नई दिल्ली स्थित विजन आई सेंटर के चिकित्सा निदेशक डॉ. तुषार ग्रोवर का कहना है, एलर्जी, संक्रमण और आंखों में सूखापन (ड्राइ आई) कुछ ऐसी स्थितियां हैं, जिसमें हमें अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इस दौरान अगर समय पर चिकित्सा सलाह का पालन नहीं किया गया तो स्थिति और खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हवा में प्रदूषकों का उच्च स्तर भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि संक्रमण या एलर्जी के लक्षणों में आंखों में खुजली, लाल होना या जलन का अनुभव हो सकता है। आगरा स्थित उजाला सिग्नस रेनबो अस्पताल में वरिष्ठ सलाहकार (रेटिना और ऑप्थल्मोलॉजी) डॉ. चिकिर्शा जैन ने कहा, गर्मियों के दौरान हमारी आंखें संवेदनशील हो जाती हैं, इसलिए उनकी देखभाल करना आवश्यक है। यहां तक कि अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस लगाए हुए हैं, तो भी चश्मा पहनने से आपकी आंखों की सुरक्षा हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक स्कूल अब फिर से खुल गए हैं, इसलिए आंखों की जांच को अनिवार्य माना जाना चाहिए।

बच्चों के स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक की सलाह को शिक्षाविदों का समर्थन

पणजी। गोवा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रोहन खुंटे के उस बयान का शिक्षाविदों ने समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों के स्मार्टफोन को पुरस्कार न समझने की अपील की है। शिक्षाविदों का मानना है कि स्मार्टफोन आदि के अत्यधिक प्रयोग पर रोक लगनी चाहिए, लेकिन कुछ अभिभावकों का कहना है कि ऑनलाइन शिक्षा के इस युग में यह अनिवार्य है। खुंटे ने शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के हवाले से कहा था कि मोबाइल फोन की लत बच्चों पर गंभीर असर डाल रही है। उन्होंने कहा, हमें स्मार्टफोन को बच्चों के लिए पुरस्कार समझना बंद कर देना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि यह नियमित स्कूली शिक्षा प्रणाली पर कोविड-19 महामारी प्रतिबंधों से निपटने के लिए सिर्फ एक उपकरण मात्र है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रसिद्ध शिक्षाविद नारायण देसाई ने पीटीआई-भाषा को बताया कि छात्रों द्वारा उपकरणों का अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग कुछ ऐसा है जिसका हमें मुकाबला करने की आवश्यकता है।

शिक्षण संस्थानों के स्तर पर उचित सोच और योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता और छात्र पूरी तरह से उपकरणों से दूर नहीं हो सकते क्योंकि नई शिक्षा नीति (एनईपी) मल्टीमीडिया का उपयोग करने और बच्चे को स्वयं सीखने वाला बनाने की बात करती है। उन्होंने दावा किया, एनईपी इस बात पर जोर देता है कि बच्चे को उपकरण की समझ होनी चाहिए। गोवा की निवासी संचिता पाई रायकर ने कहा, जब से ऑनलाइन शिक्षा एक मानक बन गई है, बच्चों के पास अपने उपकरण हैं। इस पर माता-पिता का नियंत्रण लगभग शून्य है। इनका बेटा पांचवीं कक्षा में पढ़ रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की गोवा इकाई के पूर्व प्रमुख डॉ शेखर साल्कर ने कहा कि कई माता-पिता मनोवैज्ञानिकों से संपर्क कर रहे हैं कि बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग को कैसे कम किया जाए। उन्होंने कहा, हर कोई सहमत है कि डिजिटल डिटॉक्सिफिकेशन की आवश्यकता है। यह अच्छी बात है कि विचार सरकार की ओर से आ रहा है, लेकिन वास्तव में यह कौन करेगा यह एक सवाल है। विभिन्न प्रौद्योगिकी से संबंधित उद्योगों की एक संस्था गोवा टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (जीटीए) ने कहा कि मंत्री ने सही समय पर सही मुद्दा उठाया है। जीटीए के अध्यक्ष मिलिंद अन्वेकर ने दावा किया, एक वीडियो गेम जीतना और एक तस्वीर पर लाइक प्राप्त करने से जो डोपामाइन निकलता है, जो मस्तिष्क में खुशी प्रदान करने वाला एक रसायन है। इसका असर वैसा ही है, जैसे शराब पीना या नशीली दवाओं का उपयोग करने से होता है। समय के साथ, हम इस डोपामाइन रिलीज के लिए तरसने लगते हैं, जो हमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट-सक्षम उपकरणों का और भी अधिक उपयोग करने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल बच्चों को दोष देना उचित नहीं है, क्योंकि वे यह देखकर और समझ रहे हैं कि फोन सबसे महत्वपूर्ण चीज है, और यह माता-पिता पर है कि वह बच्चों के आगे सही दृष्टांत कायम करें।

राहुल के बाद मोहसिन का जलवा, लखनऊ की जीत

●सुपर जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 रनों से किया पराजित

भाषा। मुंबई

कप्तान लोकेश राहुल की 77 रन की शानदार पारी के बाद मोहसिन खान (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह रन से हराया।

लखनऊने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 195 रन बनाने के बाद दिल्ली की टीम को सात विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। इस जीत के बाद लखनऊके 10 मैचों में 14 अंक हो गए है और टीम तालिका में दूसरे स्थान पर है। दिल्ली के नौ मैचों में आठ अंक है। दिल्ली के लिए कप्तान ऋषभ पंत (30 गेंद में 44 रन) , मिशेल मार्श (20 गेंद में 37 रन), रोवमैन पावेल (21 गेंद में 35 रन) और अक्षर पटेल (24 गेंद में नाबाद 42 रन) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की लेकिन टीम लक्ष्य से छह रन दूर रह गई। बड़े स्कोर वाले मैच में मोहसिन खान से चार ओवर में सिर्फ 16 रन देकर चार विकेट चटकाए और टीम की जीत की नींव रखी। उन्होंने डेविड वार्नर, पंत, पॉवेल और शारदुल ठाकुर के अहम विकेट लिए।

इससे पहले राहुल ने 51 गेंद की पारी में चार चौके और पांच छक्के लगाए। यह उनका सत्र का दूसरा अर्धशतक है। वह इस सत्र में दो शतक भी लगा चुके है। उन्होंने पहले विकेट के लिए क्विंटन डिकॉक (13 गेंद में 23 रन) के साथ 42 रन की साझेदारी करने के बाद दूसरे विकेट के लिए दीपक हुड्डा (52) के साथ 95 रन जोडे। हुड्डा ने 34 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। लखनऊके लिए तीनों विकेट शारदुल ने लिए। उन्होंने चार ओवर में 40 रन दिए। दुष्मंता चमीरा (44 रन पर एक विकेट) और मोहसिन ने शुरुआती तीन ओवरों में दिल्ली के दोनों सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव (पांच रन) और डेविड वार्नर (तीन रन) को पवेलियन की राह दिखा दी। इन झटकों का हालांकि कप्तान ऋषभ पंत और मिशेल मार्श पर कोई असर नहीं दिखा। दोनों ने अगले तीन ओवर में 53 रन जोड़ कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। पंत ने चौथे ओवर में कृणाल पंड्या के खिलाफ तीन चौके और एक छक्का जड़ा तो वहीं मार्श ने जेसन होल्डर के अगले ओवर में दो छक्के लगाने के बाद पावर प्ले के आखिरी ओवर में चमीरा के खिलाफ छक्का और चौका जड़ा। आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए कृष्णप्पा गौतम (23 रन पर एक विकेट) की पहली गेंद पर विकेटकीपर डिकॉक ने मार्श का शानदार कैच पकड़ा। लखनऊ के गेंदबाजों ने इसके बाद कसी हुई गेंदबाजी की और इस दौरान नौवें ओवर में रवि बिश्नोई (28 रन पर एक विकेट) ने ललित यादव की तीन रन की पारी को खत्म किया। पावेल ने 12वें ओवर में कृष्णप्पा के खिलाफ दो छक्के और चौका लगाकर जरूरी रन गति को कम किया इसके बाद मोहसिन खान ने 13वें ओवर में ऋषभ पंत और 17वें ओवर में पॉवेल के बाद शारदुल को आउट कर लखनऊ को तीन बड़ी सफलता दिलाई। लखनऊको आखिरी तीन ओवर में 46 रन की जरूरत थी लेकिन अक्षर और कुलदीप यादव (नाबाद 16) की जोड़ी लक्ष्य से छह रन दूर रह गई। दोपहर में टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे डिकॉक ने दूसरे ओवर में चेतन सकारिया के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका जड़ा तो वहीं चौथे ओवर में राहुल ने यह कारनामा स्पिनर ललित के खिलाफ किया। इसी ओवर में राहुल को हालांकि जीवनदान भी मिला जब उनका तेज-तर्रार शॉट गेंदबाज के हाथों से निकल गया। राहुल उस समय 14 रन पर थे। पांचवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए शारदुल ने डिकॉक को आउट कर दिल्ली को पहली सफलता दिलाई। राहुल और दीपक हुड्डा ने शानदार लय में चल रहे दिल्ली के स्पिनर कुलदीप के खिलाफ बीच के ओवरों में आक्रामक रूख अपनाया। कुलदीप के शुरुआती दो ओवरों में दोनों ने तीन चौके और एक छक्का लगा। हुड्डा ने 11वें ओवर में अक्षर पटेल के खिलाफ छक्का लगाकर टीम के रनों का शतक पूरा किया। राहुल ने 13वें ओवर में शारदुल के खिलाफ चौका और फिर एक रन लेकर 35 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ओवर में हुड्डा ने भी 32 गेंद में सत्र का अपना तीसरा पचासा पूरा किया लेकिन 15वें ओवर में शारदुल की गेंद पर उन्हें ही कैच थमा कर पवेलियन लौट गए।

स्कोरबोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स पारी:डिकॉक का ललित बो शारदुल 23, राहुल का ललित बो शारदुल 77, हुड्डा का एवं बो शारदुल 52, स्टोइनिस नाबाद 17,पंड्या नाबाद 09,**अतिरिक्त** : (वाइडः 13, लेग बाईः 04) 17,**कुल योगः** (20 ओवर मे तीन विकेट पर) 195,**विकेट पतनः** I-42, 2-137, 3-176,**गेंदबाजीः** मुस्ताफिज़ूर 4-0-37-0,सकारिया 4-0-44-0,अक्षर 4-0-25-0 ललित I-0-16-0 शारदुल 4-0-40-3, कुलदीप 3-0-29-0,

दिल्ली कैपिटल्स पारीः साव का कृष्णप्पा बो चमीरा 05, वार्नर का डिकॉक बो कृष्णप्पा 37,पंत बो मोहसिन 44, ललित बो बिश्नोई 03, पॉवेल का कृणाल बो मोहसिन 35, पटेल नाबाद 42,ठाकुर का कृणाल बो मोहसिन 01,कुलदीप नाबाद 16,**अतिरिक्तः** (वाइडः 03) 03,**कुल योगः** (20 ओवर मे सात विकेट पर) 189 रन,**विकेट पतनः** I-5, 2-13, 3-73, 4-86, 5-120, 6-146, 7-148,**गेंदबाजीः** मोहसिन 4-0-16-4,चमीरा 4-0-44-I ,कृणाल I-0-19-0, होल्डर 4-0-45-0,बिश्नोई 4-0-28-I,कृष्णप्पा 2-0-23-I,स्टोइनिस I-0-14-0

राजस्थान रायल्स से हार का क्रम समाप्त करने उतरेगा केकेआर

भाषा। मुंबई

शीर्ष क्रम में लगातार बदलाव का विपरीत प्रभाव झेल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में विजई संयोजन तलाश कर पांच मैचों की हार का सिलसिला तोड़ने की कोशिश करेगी। वेंकटेश अय्यर की खराब फॉर्म के कारण केकेआर को शीर्ष क्रम में लगातार बदलाव करने पड़े लेकिन उसका कोई भी प्रयोग सही साबित नहीं हुआ जिससे टीम को नुकसान हुआ। वेंकटेश का प्रदर्शन पिछले सत्र में शानदार रहा था जिसके दम पर उन्होंने भारतीय टीम में भी जगह बनाई थी लेकिन इस सत्र में वह रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। केकेआर ने शीर्ष क्रम में उनकी नाकामी के बाद उन्हें मध्यक्रम में आजमाया लेकिन इससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को पिछले मैच में फिर से आरोन फिंच के साथ पारी की शुरुआत करने भेजा गया लेकिन वह फिर से असफल रहे। लगातार पांच हार से केकेआर के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है। उसे अब एक अदद अंतिम एकादश तय करने और टूर्नामेंट में आगे उसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं करने की जरूरत है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पिछले मैच के बाद कहा था, काफी बदलाव किए जा रहे हैं। सही संयोजन तैयार करना मुश्किल हो रहा है क्योंकि खिलाड़ी चोटिल भी हैं। हमें बेफिक्र बल्लेबाजी करने की जरूरत है। श्रेयस ने अभी तक 36.25 की औसत से 290 रन बनाए हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल रहा है। कप्तान के रूप में श्रेयस ने उम्मीदें जगाई हैं लेकिन उन्हें अपने साथियों को भी प्रेरित करना होगा। वेंकटेश के साथ नीलामी से पहले टीम में रखे गए एक अन्य खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती के निराशाजनक प्रदर्शन से भी केकेआर को नुकसान पहुंचा है। उन्हें पिछले मैच में बाहर किया गया लेकिन उससे भी परिणाम में कोई बदलाव नहीं आया और टीम ने लगातार पांचवां मैच गंवाया। गेंदबाजी में टिम साउदी, उमेश यादव और सुनील नारायण ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और उनका लक्ष्य फॉर्म में चल रहे जोस बटलर के बल्ले को शांत रखना होगा। राजस्थान बटलर पर बहुत अधिक निर्भर है और उनके 70.75 औसत से बनाए गए।

वाल्डेज को हरा स्टीवेन्सन ने डब्ल्यूबीसी खिताब जीता

लास वेगास। डब्ल्यूबीओ (विश्व मुक्केबाजी संगठन) चैंपियन शकूर स्टीवेन्सन ने शनिवार को यहां ऑस्कर वाल्डेज को जूनियर लाइटवेट चैंपियनशिप मुकाबले मे करियर की पहली हार स्वाद चखाकर डब्ल्यूबीसी (विश्व मुक्केबाजी परिषद) खिताब जीता। स्टीवेन्सन ने अपने करियर मे अभी तक सभी 18 मुकाबले जीते है। इनमे से उन्होने नौ मुकाबले नॉकआउट मे जीते है। वाल्डेज के खिलाफभी वह शुरू से हावी हो गए। उन्होने सर्वसम्मत फैसले(117-110, 118-109, 118-109) से जीत दर्ज करके अपने इस प्रतिद्वंद्वी से डब्ल्यूबीसी बेल्ट हासिल की।

इंग्लैंड की टीम में वापसी कर सकते हैं एलेक्स हेल्स

लंदन। सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स तीन साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम मे वापसी कर सकते है क्योंकि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नव नियुक्त प्रबंध निदेशक रॉब की को लगता है कि इस बल्लेबाज ने प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण पर्याप्त समय टीम से बाहर रहकर बिता दिया है। हेल्स को 2019 मे इंग्लैंड की एकदिवसीय विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि तब गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट मे बताया था किउन पर प्रतिबंधित दवा के सेवन के लिए तीन सप्ताह का प्रतिबंध लगा था।

अमनदीप संयुक्त 34वें स्थान पर रही

कूलांगटा (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अमनदीप ढाल 68 का कार्ड खेल कर महिला एनएसडब्ल्यू ओपन मे रविवार को यहां संयुक्त 34वे स्थान पर रही। महिला यूरोपीय टूर के इस टूर्नामेंट मे अन्य दो भारतीय खिलाड़ी वाणी कपूर और रिधिमा दिलावरी ने भी अंतिम दिन एक समान 78-78 का स्कोर किया। अमनदीप का कुल स्कोर पांच ओवर 293 का रहा। वाणी नौ ओवर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 54वे स्थान जबकि रिधिमा 10 ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 59वे स्थान पर रही। अमनदीप ने सप्ताह की शुरुआत 68 के स्कोर से की थी लेकिन फिर उन्होने अगले दो दौर मे 78-78 का निराशाजनक कार्ड खेला।

सुदेवा दिल्ली ने इंडियन एरोज से गोलरहित ड्रॉ खेला

नैहाटी। सुदेवा दिल्ली ने आई लीग के मैच मे रविवार को इंडियन एरोज से गोलरहित ड्रॉ खेला। पहले हाफ मे दोनो टीमो ने एक दूसरे के गोल पर दो बार हमले बोले लेकिन कामयाबी नही मिली। दूसरे हाफ मे सुदेवा को गोल के सामने पेनल्टि मिली लेकिन युवा शुभो पॉल का शॉट गोलपोस्ट से टक्कराकर निकल गया।

गंगजी संयुक्त 47वें स्थान पर रहे

नागोया (जापान)। राहिल गंगजी ने जापान गोल्फ टूर मे द क्राउन गोल्फ चैम्पियनशिप के चौथे दौर मे रविवार को यहा तीन ओवर 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 47वे स्थान के साथ अपना अभियान खत्म किया। जापान टूर पर एक बार के विजेता गंगजी ने शुरुआती तीन दौर मे 69-71-68 का कार्ड खेला था।

लाहिड़ी 35वें स्थान पर

पुअर्तो वालार्ता (मैक्सिको)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी मैक्सिको ओपन गोल्फ मे तीसरे दौर मे दो ओवर 73 का स्कोर करने के बाद संयुक्त 35वे स्थान पर खिसक गए।

गायकवाड़ और कोंवे की सत्र सबसे बड़ी साझेदारी

●हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई को 202 रन के स्कोर तक पहुंचाया

भाषा। पुणे

सलामी बल्लेबाज रूतुरात गायकवाड़ और डेवोन कोंवे के बीच पहले विकेट के लिए इस सत्र की सबसे बड़ी 182 रन की साझेदारी की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो विकेट पर 202 रन बनाए। गायकवाड़ शतक से एक रन से चूक गए लेकिन 57 गेंद में 99 रन की आक्रामक पारी खेली जिसमें छह चौके और छह छक्के शामिल थे। वहीं कोंवे ने 55 गेंदों में 85 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे। गायकवाड़ ने बैकफुट पर शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा। दूसरी ओवर कोंवे ने उनका बखूबी साथ निभाया और आखिरी ओवरों में जमकर रन कूटे। भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 22 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सकी। वहीं पिछले मैच में पांच विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने चार ओवर में 48 रन दे डाले और उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। टी नटराजन ने दो विकेट लिए लेकिन 42 रन भी दिए। गायकवाड़ ने मार्को जानसेन को फाइन लेग में दो छक्के लगाकर अपने हाथ खोले। पावरप्ले के बाद चेन्नई का स्कोर बिना किसी नुकसान के 40 रन था। कोंवे ने एडेन मार्कराम को फाइनल लेग में चौका और उनके सिर के ऊपर से छक्का लगाकर रनगति को बढाना जारी रखा। मलिक ने इस टूर्नामेंट की सबसे तेज गेंद भी डाली लेकिन गायकवाड़ ने उन्हें दो छक्के लगाकर 33 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने 11वें ओवर में मार्कराम को दो छक्के लगाकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

स्कोरबोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स पारी : गायकवाड़ का कुमार बो नटराजन 99, कोंवे नाबाद 85,धोनी का मलिक बो नटराजन 8, जडेजा नाबाद।,**अतिरिक्त** : नौ रन, **कुल योग** : 20 ओवर मे दो विकेट पर 202 रन, **विकेट पतन** :I-182, 2- 192,**गेंदबाजी**: भुवनेश्वर 4-0 - 2- 0,जानसेन 4 -0-38- 0, नटराजन 4- 0-42-2, **मार्कराम** 3- 0- 36-0, मलिक 4-0-48-0, शशांक I- 0 -10-0

यह व अनुचित था, मैं फाइनल में खेल सकती थी : सिंधू

भाषा। मनीला (फिलीपींस)

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की आंखों में तब आंसू आ गए जब उनका जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बीच में अंपायर के अनुचित फैसले के कारण लय गड़बड़ाने से एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (बीएसी) जीतने का सपना चकनाचूर हो गया। सिंधू पहला गेम जीतने के बाद दूसरे गेम में जब 14-11 से आगे थी तो उन पर सर्विस करते हुए बहुत अधिक समय लेने के लिए एक अंक की पेनल्टी लगाई गई। इस तरह से उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा जो इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक है। सिंधू ने शनिवार को मैच के बाद कहा, अंपायर ने मुझसे कहा कि आप बहुत समय ले रही हो लेकिन विपक्षी खिलाड़ी उस समय तैयार नहीं थी। लेकिन अंपायर ने अचानक उसे अंक दे दिया और यह वास्तव में अनुचित था। मुझे लगता है कि यह मेरी हार का एक कारण था। उन्होंने कहा, मेरा कहने का मतलब है मुझे ऐसा लगता है क्योंकि उस समय स्कोर 14-11 था और वह 15-11 हो सकता था लेकिन इसके बजाय यह 14-12 हो गया। इसके बाद उसने लगातार अंक बनाए। मुझे लगता है कि यह बहुत अनुचित था। हो सकता था कि मैं मैच जीत जाती और फाइनल में खेलती। सिंधू ने कहा, मैंने मुख्य रेफरी से बात की, वह आए और उन्होंने कहा कि फैसला पहले ही हो चुका है। मुख्य रेफरी के रूप में आपको कम से कम यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि गलती क्या थी। उन्हें रीप्ले देखकर इसको लेकर फैसला करना चाहिए था। सिंधु के पिता पीवी रमना ने कहा कि सिंधु इस फैसले से बेहद निराश है। रमन्ना ने पीटीआई-भाषा से कहा, उसे इस बार स्वर्ण जीतने का भरोसा था और इसलिए वह बहुत निराश है।

बंगाल के सामने संतोष ट्रॉफी फाइनल में केरल की चुनौती

मलाप्पुरम। पश्चिम बंगाल की टीम संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में सोमवार को जब मैदान में उतरेगी तो 32 बार की इस चैम्पियन के सामने शानदार लय में चल रही घरेलू टीम केरल की चुनौती होगी। टूर्नामेंट का यह 75वां सत्र है और जीत की दावेदार बंगाल का यह 46वां फाइनल मुकाबला होगा। केरल की टीम शानदार लय में है और उसने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में बंगाल को हराया था। बंगाल की टीम शुरुआती चरण के साथ 2018 के फाइनल में केरल से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी। बंगाल के खिलाफ शुरुआती चरण के मैच में भी केरल ने 84वें मिनट में गोल किया था। बंगाल ने शुक्रवार को मणिपुर के खिलाफ 3-0 की शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह पक्की की। पश्चिम बंगाल के कोच रंजन भट्टाचार्जी ने कहा, केरल और पश्चिम बंगाल के बीच मैच रोमांचक होगा और मुझे उम्मीद है कि प्रशंसक इसका लुत्फ उठाएंगे।

रेडियो कमेंट्री सुनने के बाद मेरे बचपन के आदर्श बने थे विश्वनाथ : कपिल

भाषा। नई दिल्ली

अपने जमाने के दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव ने कहा कि वह गुंडप्पा विश्वनाथ को अपने बचपन का आदर्श मानते हैं और इस महान बल्लेबाज को अपने सामने खेलते हुए देखने से पहले रेडियो कमेंट्री में उनकी बल्लेबाजी के बारे में सुनते थे। हिंदी खेल कमेंटेटर स्वर्गीय जसदेव सिंह की आत्मकथा ऑन द विंग्स ऑफ रेडियो वेव्स - ए ब्रॉडकास्टर जर्नी का विमोचन करते हुए कपिल ने कहा, गुंडप्पा विश्वनाथ क्रिकेट में मेरे बचपन के आदर्श थे और रेडियो पर कमेंट्री सुनकर मैंने अपने मन में उनकी छवि बनाई थी। यह उससे कई साल पहले की बात है जब मैंने उन्हें अपने सामने बल्लेबाजी करते देखा। यह पुस्तक जसदेव की हिंदी में आत्मकथा मैं जसदेव सिंह बोल रहा हूं , का अंग्रेजी संस्करण है। इसे उनके बेटे गुरदेव सिंह ने संकलित और संपादित किया है।

बाडोसा को हराकर हालेप मैड्रिड ओपन के अंतिम-16 में

भाषा। मैड्रिड

सिमोना हालेप ने स्थानीय दर्शकों की चहेती पाउला बाडोसा को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में प्रवेश किया। मैड्रिड ओपन दो बार की चैंपियन हालेप ने 21 विनर जमाए और दूसरी वरीयता प्राप्त बाडोसा को 6-3, 6-। से पराजित किया। हालेप ने यहां 2016 और 2017 में खिताब जीते थे। पिछले नौ वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि हालेप को यहां वरीयता नहीं मिली है। वह मार्च में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में भाग लेने के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में खेल रही है। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका ने तमारा जिदानसेक को दो घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 3-6, 6-I, 6-3 से हराया। अन्य मैचों में आठवीं वरीयता प्राप्त ओन्स जबूर ने वरवारा ग्रेचेवा को 7-5, 0-6, 6-4 से और बेलिंडा बेनसिच ने कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को भी पेट्रा मार्टिच पर जीत के लिए तीन सेट तक जूझना पड़ा।

कुलदीप को सकारात्मक माहौल, प्यार और विशेष देखरेख की जरूरत थी : पोंटिंग

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि कुलदीप यादव जैसे असाधारण प्रतिभा के धनी खिलाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक माहौल की जरूरत होती है, जिसमें ढेर सारा प्यार और उचित देखरेख शामिल हो जो कि दिल्ली की टीम ने उन्हें मुहैया कराया। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने वर्तमान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब तक 17 विकेट लिए हैं और वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इससे पहले राष्ट्रीय टीम प्रबंधन ने अधिकतर समय उन्हें बाहर बिठाकर रखा था जबकि उनकी पिछली आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दी थी। इसके अलावा उन्हें घुटने का आपरेशन करवाना पड़ा जिससे वह पिछले आईपीएल में नहीं खेल पाए थे।

भारतीय यूथ महिला बीच हैंडबाल टीम ने रजत के साथ हासिल किया विश्व चैंपियनशिप का टिकट

लखनऊ। भारतीय यूथ महिला बीच हैंडबाल टीम ने बैंकाक थाईलैंड में गत 25 से 30 अप्रैल तक आयोजित द्वितीय एशियन महिला यूथ बीच हैंडबाल चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीतते हुए देश का परचम लहरा दिया। इस सफलता के चलते भारतीय यूथ टीम ने ग्रीस में होने वाली आगामी विश्व यूथ बीच हैंडबाल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया। दूसरी ओर भारत की सीनियर महिला टीम ने इसी दौरान आयोजित आठवीं एशियन महिला बीच हैंडबाल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम की इस सफलता पर हैंडबाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डा.तेजराज सिंह सहित कार्यकारी निदेशक डा आनन्देश्वर पाण्डेय ने बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हैंडबाल में बढ़ते भारत के दबदबे को दर्शाता है। इस प्रदर्शन के लिए मुख्य कोच साई कृष्णा हतांगडी व कोच जियारुल रहमान को बधाई दी।

भारतीय दूतावास ने ओमान में क्रिकेट कराया

मस्कट। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने आजादी के 75 साल के मौके पर बनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत यहां ओमान क्रिकेट संघ (ओसीए) के सहयोग से एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। दूतावास ने रविवार को बताया, इस टूर्नामेंट में भारतीय दूतावास, ओसीए, अमेरिका और ब्रिटेन की दूतावास की टीमों ने हिस्सा लिया। द फ्रेंडशिप कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का आगाज 22 अप्रैल को हुआ और इसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला गया।

रीयाल मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में रिकार्ड 35वां खिताब जीता

●एस्पेनयोल को 4-0 से करारी शिकस्त दी

भाषा। मैड्रिड

रीयाल मैड्रिड ने अपना दबदबा जारी रखते हुए शनिवार को यहां एस्पेनयोल को 4-0 से करारी शिकस्त देकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रिकार्ड 35वां खिताब अपने नाम सुनिश्चित किया। खिलाड़ी और कोच मैदान पर बुधवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ चैंपियन्स लीग के सेमीफाइनल के दूसरे चरण का मैच खेलेगा।

पहले चरण के बाद वह 3-4 से पीछे चल रहा है। एस्पेनयोल पर जीत से रीयाल मैड्रिड ने दूसरे नंबर पर काबिज सेविला पर 17 अंक की बढ़त हासिल कर ली है। सेविला ने शुक्रवार को कैडिज से I-। से ड्रा खेला था। रीयाल मैड्रिड अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से 18 अंक आगे हो गया है। अब केवल चार दौर के मैच होने बाकी हैं और कोई भी अन्य टीम रीयाल मैड्रिड की बराबरी तक नहीं पहुंच पाएगी। मैच समाप्त होने के बाद भी सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में जीत का जश्न मनाते रहे। इसके बाद उन्होंने होटल में जश्न मनाया। रीयाल मैड्रिड इसी

मैनचेस्टर सिटी व लिवरपूल जीते, ईपीएल में खिताबी जंग रोमांचक हुई

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने बड़ी जीत से इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता मे अपना शीर्ष स्थान बरक्करार रखा है लेकिन लिवरपूल ने भी जीत दर्ज करके खिताबी जंग को रोमांचक बना दिया है। लिवरपूल ने शनिवार को पहले मैच खेला जिसमे उसने कई खिलाड़ियो को विश्राम देने के बावजूद न्यू कैसल को1-0 से हराया। इससे कुछ समय के लिए लिवरपूल तालिका मे शीर्ष पर पहुंच गया था। इसके कुछ घंटे बाद सिटी ने लीड्स को 4-0 से करारी शिकस्त दी और फिर से तालिका मे नंबर एक स्थान हासिल किया। वह लिवरपूल से एक अंक आगे है और उसने गोल अंतर मे भी एक गोल से अपनी स्थिति बेहतर कर ली है। अब जबकि चार दौर के मैच होने बाकी है तब सिटी के 34 मैच मे 83 जबकि लिवरपूल के इतने ही मैचो मे 82 अंक है। चेल्सी 33 मैचो मे 66 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और खिताब की दौड़ से बाहर हो गया है।